शुक्रवार
29 मई
वर्ष-1
अंक-17

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12 | ₹04 | RNI No.-JHHIN/26/A3481 | www.raftaarmedia.com

कर्नाटक: सिद्धारमैया का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा

कर्नाटक : सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद छोड़ा, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के नाम का किया प्रस्ताव

नई दिल्ली/एजेंसी
बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल की अनुपस्थिति में उनके सचिव को अपना इस्तीफा सौंपा दिया है। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल के मंत्रियों के साथ अपने आवास पर ब्रेकफास्ट के साथ बैठक कीथी। हालांकि यह बैठक एक घंटा देर से शुरू हुई क्योंकि सिद्धारमैया खुद एक घंटे की देरी से अपने आवास में उस जगह पहुंचे, जहां मंत्रियों के लिए ब्रेकफास्ट की टेबल सजी थी। बैठक में शिवकुमार और सिद्धारमैया ने एक-दूसरे को गले लगाकर एकजुटता का संदेश दिया और शिवकुमार ने सिद्धारमैया के पैर छूकर उनका आशीर्वाद भी लिया। सिद्धारमैया ने अपने सभी साथियों का धन्यवाद दिया। इसके बाद सिद्धारमैया राजभवन पहुंचे। राज्यपाल की अनुपस्थिति में सिद्धारमैया ने उनके सचिव को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके तुरंत बाद कर्नाटक कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की फोटो शेयर करते हुए लिखा,ह्लउस दिन, आज के दिन, हमेशा के लिए एकता ही हमारी शक्ति है! जनसेवा ही हमारी शाश्वत प्रतिबद्धता है! बताया गया कि सिद्धारमैया ने ब्रेकफास्ट बैठक में अपने इस्तीफे का ऐलान करते हुए अगले मुख्यमंत्री के लिए डीके शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव भी कर दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री के नाम पर विधायक दल की मोहर लगनी अभी बाकी है। माना जा रहा है कि विधायक दल की बैठक 29 मई की शाम 5 बजे बेंगलुरु के एक होटल में बुलाई गई है।

मेरे साथ काम करने वाले सभी लोगों का मैं आभारी हूं: सिद्धारमैया

सिद्धारमैया ने कहा कि साल 2013 से 2018 तक मैं पहली बार मुख्यमंत्री रहा। इसके बाद साल 2023 से अब तक फिर मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर मिला। मेरे साथ काम करने वाले सभी लोगों का मैं आभारी हूं।

सिद्धारमैया का राजनीतिक जीवन
कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया ने इस्तीफा दे दिया है लेकिन राज्यपाल की मंजूरी के बाद वह प्रभावी होगा। उनके राजनीतिक सफर पर नजर डालें तो राज्य में कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में शामिल सिद्धारमैया साल 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहे। मई 2023 में कर्नाटक में कांग्रेस की प्रचंड जीत के साथ मुख्यमंत्री के रूप में उनका दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ। उनका राजनीतिक जीवन 40 वर्षों से अधिक का है और वे राज्य के प्रमुख नेता हैं। 3 अगस्त 1948 को मैसूर (अब मैसूरु) जिले के सिद्धारमनाहुंडी गांव के एक किसान परिवार में पैदा हुए सिद्धारमैया अपने परिवार से पहले स्नातक थे।

मेरे लिए मतदाता ही भगवान हैं: सिद्धारमैया

सिद्धारमैया ने कहा, संविधान ही हमारा धर्म है, मैं ऐसा मानता हूं। कन्नड़ अभिनेता दिवंगत डॉ. राजकुमार का जिक्र करते हुए सिद्धारमैया ने कहा, राजकुमार अपने प्रशंसकों को भगवान कहते थे। मैं एक राजनेता हूं, मेरे लिए मतदाता ही भगवान हैं। कर्नाटक के 7 करोड़ लोगों की सेवा करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इस दौरान उन्होंने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, मुझे दो बार मुख्यमंत्री बनने और दो बार विपक्ष का नेता बनने का अवसर मिला। इसके लिए मैं कांग्रेस आलाकमान का आभारी हूं। उन्होंने कहा कि साल 2006 में कांग्रेस में शामिल होने के बाद कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों ने उन्हें भरपूर प्यार और सहयोग दिया।

कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर इस्तीफा: सिद्धारमैया

बेंगलुरु
कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से गुरुवार को इस्तीफा देने के बाद सिद्धारमैया भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि राज्यपाल शहर में मौजूद नहीं थे इसलिए उन्होंने अपना इस्तीफा पत्र राज्यपाल के सचिव को सौंप दिया। इस्तीफा सौंपने के बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, राज्यपाल शहर में नहीं हैं, उनके रात तक लौटने की जानकारी कार्यालय से मिली। इसलिए अपना इस्तीफा पत्र उनके सचिव को सौंप दिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्यपाल के लौटने के बाद मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा। सिद्धारमैया ने स्पष्ट किया कि उन्होंने आलाकमान का निर्देश मिलते ही इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा, मैं पहले से ही कहता आ रहा था कि आलाकमान जब भी निर्देश देगा, मैं इस्तीफा दे दूंगा। उसी के अनुसार निर्देश मिलने के बाद इस्तीफा सौंप दिया।
अपने राजनीतिक जीवन को याद करते हुए उन्होंने कहा, मैं गांव से आया हुआ व्यक्ति हूं। कभी नहीं सोचा था कि विधायक बनूंगा या मुख्यमंत्री बनूंगा। राजनीति में मेरा आना संयोग था।

सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाया जाना ओबीसी वर्ग का अपमान: जोशी

मंगलुरु/एजेंसी
केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।
उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा ओबीसी वर्ग के लिए राहुल गांधी की सौगात है। मंगलुरु में गुरुवार को मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि जो लोग लगातार ओबीसी के नाम पर राजनीति करते रहे, उन्हीं के कार्यकाल में उसी वर्ग के मुख्यमंत्री को पद से हटाया गया, जो इस वर्ग का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित चार राज्यों में से तीन में ऊंचे वर्ग के मुख्यमंत्री हैं, जबकि कर्नाटक में ही ओबीसी मुख्यमंत्री थे, जिन्हें अब हटा दिया गया है। जोशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल ओबीसी का नाम लेती है, लेकिन व्यवहार में इस वर्ग को लगातार नजरअंदाज करती है।

कोयला गैसीकरण भारत के ऊर्जा क्षेत्र में 'नई क्रांति' लाएगा: जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि कोयला गैसीकरण भारत के ऊर्जा क्षेत्र में 'नई क्रांति' व औद्योगिक आत्मनिर्भरता लाएगा।
जी. किशन रेड्डी ने कहा कि देश एक आत्मनिर्भर और सुरक्षित ऊर्जा इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है, जिसमें कोयला गैसीकरण और महत्वपूर्ण खनिजों की खोज, 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मुख्य स्तंभों का काम करेंगे। कोयला मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 'सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना' पर आयोजित रोडशो के बाद अपने संबोधन में केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने ये बात कही। रेड्डी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत एक भविष्य के लिए तैयार, आत्मनिर्भर और सुरक्षित ऊर्जा इकोसिस्टम की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है, जो जिसमें कोयला गैसीकरण देश के औद्योगिक और आर्थिक बदलाव का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभर रहा है।
उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोयला गैसीकरण केवल एक ऊर्जा पहल नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक राष्ट्रीय मिशन है जो भारत को आयात पर निर्भरता कम करने, स्वच्छ कोयले के उपयोग को बढ़ावा देने और उर्वरक, पेट्रोकेमिकल्स, मेथनॉल, हाइड्रोजन और उन्नत विनिर्माण सहित डाउनस्ट्रीम उद्योगों में नए अवसर पैदा करने में मदद करेगा। अपने संबोधन में कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्र सरकार के अनुमोदित 37,500 करोड़ रुपये की योजना, कोयला गैसीकरण और देश के प्रचुर घरेलू कोयला संसाधनों के स्वच्छ उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि यह पहल एलएनजी, मेथनॉल, अमोनिया, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट और कोकिंग कोयला जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता को काफी हद तक कम करेगी, साथ ही भारत की ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक आत्मनिर्भरता को भी सुदृढ़ करेगी।

आतंक के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए: एनएसए अजीत डोभाल

नई दिल्ली/एजेंसी
भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनसए) अजीत डोभाल ने गुरुवार को कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी भी तरह के दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए और सभी देशों को इस खतरे के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। डोभाल ने मॉस्को में आयोजित पहले अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मंच को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के समर्थकों, वित्तपोषकों और उसे बढ़ावा देने वाले नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के आतंकवाद को उचित नहीं ठहराया जा सकता और इस मुद्दे पर चयन कर के कार्रवाई करने का रवैया वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरनाक है। डोभाल ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ साझा और समन्वित रणनीति अपनाने की जरूरत है। एनएसए डोभाल ने साइबर सुरक्षा, कट्टरपंथ और उभरते सुरक्षा खतरों का भी जिक्र किया।
उन्होंने कहा कि नई तकनीकों और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल आतंकवादी संगठन अपने नेटवर्क फैलाने और युवाओं को प्रभावित करने के लिए कर रहे हैं, जिससे देशों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं।

'आतंक के मुद्दे पर दोहरा रवैया वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरनाक'

आतंक के मुद्दे पर चयन कर के कार्रवाई करने का रवैया वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरनाक है। डोभाल ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ साझा और समन्वित रणनीति अपनाने की जरूरत है। एनएसए डोभाल ने साइबर सुरक्षा, कट्टरपंथ और उभरते सुरक्षा खतरों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल आतंकवादी संगठन अपने नेटवर्क फैलाने और युवाओं को प्रभावित करने के लिए कर रहे हैं, जिससे देशों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। डोभाल की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब भारत लगातार सीमा पार आतंकवाद और आतंकवादी ढांचे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सख्त रुख अपनाने की वकालत करता रहा है। इस मंच में अलग-अलग देशों के सुरक्षा सलाहकारों, खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों और रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में वैश्विक सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी सहयोग और बहुपक्षीय समन्वय जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

भाजपा ने चार राज्यों में बदले प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली/एजेंसी
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और त्रिपुरा में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की है। पार्टी द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं।
भाजपा ने दिल्ली में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा को नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, हरियाणा में महिला नेता अर्चना गुप्ता को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने पंजाब में भी संगठनात्मक बदलाव किया है। पार्टी ने पंजाब भाजपा की कमान केवल सिंह ढिल्लों को सौंपी है। इसके अलावा त्रिपुरा में विधायक अभिषेक देबरॉय को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भाजपा की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि नए प्रदेश अध्यक्ष संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शिकंजा कसा: ट्विशा केस-सीबीआई ने रिटायर्ड जज सास को किया गिरफ्तार

भोपाल/एजेंसी
राजधानी भोपाल की हाईप्रोफाइल ट्विशा शर्मा केस में सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को भोपाल पुलिस ने सात घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार और बुधवार को लगातार कई घंटे तक सीबीआई ने पूछताछ के बाद उनकी गिरफ्तारी की तैयारी शुरू कर दी थी।
गुरुवार सुबह नई दिल्ली से सीबीआई की आधा दर्जन महिला पुलिसकर्मियों-अधिकारियों के भोपाल पहुंचने के बाद गिरफ्तारी की पटकथा लिखी गई। तकरीबन शाम 6 बजे सीबीआई की टीम गिरिबाला सिंह का मेडिकल कराने भोपाल एम्स ले जाने के लिए घर से निकली है।

यह कार्रवाई मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा एक दिन पहले गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत रद्द किए जाने के बाद की गई। त्विषा शर्मा की 12 मई को भोपाल स्थित ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनकी शादी 9 दिसंबर 2025 को समर्थ सिंह से हुई थी। गिरिबाला सिंह ने घटना के दो दिन बाद भोपाल जिला अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। 10वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 15 मई को उनकी उम्र और मृतका को किए गए पैसों के ट्रांसफर का हवाला देते हुए जमानत दे दी थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने बुधवार को 17 पन्नों के आदेश में इस जमानत को निरस्त कर दिया। गुरुवार सुबह दस बजे सीबीआई की विशेष टीम महिला पुलिसकर्मियों के साथ बागमुगालिया एक्सटेंशन स्थित गिरिबाला सिंह के घर पहुंची थी। समर्थ सिंह को भी लेकर सीबीआई की टीम गिरिबाला सिंह के यहां गई थी। दोनों को कुछ देर तक आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई, इसके बाद एक टीम समर्थ सिंह को लेकर विशेष स्थान पर चली गई।

बुंडू टोल प्लाजा की मनमानी के खिलाफ आजसू का हल्ला बोल, पूर्व समझौते के उल्लंघन पर आंदोलन की चेतावनी

रफ्तार मीडिया बुंडू संवाददाता
बुंडू टोल प्लाजा पर नई प्रबंधन कंपनी 'सीमा चौधरी' द्वारा स्थानीय जनता के साथ मनमानी और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ आजसू पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। आजसू पार्टी के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने टोल प्लाजा पहुंचकर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आजसू पार्टी के राँची जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज किशोर कुशवाहा ने किया।इस विरोध प्रदर्शन में नव चालक संघ बुंडू के साथ बुंडू, तमाड़, सोनाहातु राहे और अड़की क्षेत्र के सैकड़ों स्थानीय लोग शामिल हुए। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, पहले हुए आंदोलन और दो दिनों की भूख हड़ताल के बाद तत्कालीन कंपनियों रिद्धि-सिद्धि और जगर सिंह कंस्ट्रक्शन के साथ समझौता हुआ था। इसके तहत बुंडू, तमाड़, सोनाहातु राहे और अड़की क्षेत्र के स्थानीय निजी वाहनों को टोल कर से पूरी छूट दी गई थी।लेकिन नई कंपनी 'सीमा चौधरी' पर आरोप है कि वह इस समझौते का खुलेआम उल्लंघन कर रही है। कंपनी स्थानीय वाहनों के लिए केवल एक महीने का पास बना रही है और हर महीने नई एंट्री के लिए बाध्य कर रही है। साथ ही चुनिंदा लोगों के ही पास बनाए जा रहे हैं, जबकि अन्य स्थानीय लोगों से 350 रुपये प्रति माह जबरन वसूलने की बात कही जा रही है।शाम 4:00 बजे आजसू का प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए पहुंचा तो टोल के सक्षम

पदाधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे। स्थानीय कर्मियों के विरोध के बाद फोन पर कंपनी के महाप्रबंधक से बात हुई। प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं: 1. तमाड़, सोनाहातु राहे, अड़की और बुंडू के निजी वाहन मालिकों का पहले की तरह शून्य शुल्क पर एक साल का पास बनाया जाए। 2. क्षेत्र के व्यावसायिक वाहनों से पुरानी दरों पर ही टोल लिया जाए, कोई अतिरिक्त शुल्क न बढ़ाया जाए।
3 टोल प्लाजा में कार्यरत कर्मियों को भविष्य निधि, राज्य बीमा की सुविधा और महीने में 4 सवैतनिक छुट्टियां दी जाएं।आजसू की दृढ़ता के बाद महाप्रबंधक ने सभी मांगों को जायज मानते हुए आश्वासन दिया कि पहले की कंपनियों की तरह स्थानीय लोगों और कर्मचारियों को सभी सुविधाएं दी जाएंगी।प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक और बुंडू अनुमंडल पदाधिकारी को भी फोन पर मामले की जानकारी दी।
दोनों अधिकारियों ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए टोल प्रबंधक को निर्देश देने की बात कही।राज किशोर कुशवाहा ने चेतावनी दी, ह्वआजसू पार्टी जनता और टोल कर्मियों के हितों से समझौता नहीं करेगी। अगर मांगें लिखित रूप में लागू नहीं हुईं तो बुंडू टोल प्लाजा पर फिर उग्र आंदोलन होगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।आजसू पार्टी ने नव चालक संघ और पांचों प्रखंडों के नागरिकों का आंदोलन में साथ देने के लिए आभार जताया।

मौजा जाताकोठी गांव में गहराया पानी संकट

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा
गोड्डा जिले के महागामा अनुमंडल अंतर्गत मौजा जाताकोठी गांव में पानी की समस्या से लोग जूझ रहे हैं ह्व जहां एक तरफ जिला प्रशासन द्वारा पानी की समस्या को दूर करने के लिए निर्देशित की गई है, वहीं दूसरी तरफ यह गांव पानी को तरस रहा हैं ह्व ग्रामीणों ने बताया पिछले दो महीने से पानी की समस्या बनी हुई है ह्व गांव में एक भी जलमीनार नहीं है ह्व जितने भी चापानल है वह खराब पड़े हुए हैं ह्व करीब दो किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ता है ह्व इस भीषण गर्मी में छोटे-छोटे बच्चे बाल्टिया लेकर पानी लाने जाते हैं ह्व जिससे

कभी-कभी उनकी तबीयत बिगड़ जाती है ह्व साथ ही उन्होंने बताया कई बार इसकी सूचना मुखिया और यहां के जनप्रतिनिधियों को दिया गया लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पाया है ह्व पानी की समस्या दूर होगा इस उम्मीद यह गांव के लोग आज भी उम्मीद लगाए बैठे हैं लेकिन उन्हें पानी की जगह सिर्फ आश्वासन ही मिला है ह्व ग्रामीणों ने यहां के जनप्रतिनिधि से अपील करते हुए कहा कि जल्द से जल्द पानी की समस्या को दूर किया जाए ताकि पानी की समस्या का दंश ना झेलना पड़े

आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे और कागजी दावे, जमीनी स्तर पर क्यों फेल हो रहा है सिस्टम?

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने साफ किया है कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। अदालत ने स्थानीय निकायों को आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए कड़े कदम उठाने और प्रभावी नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट का मानना है कि पशु अधिकारों की आड़ में इंसानी जिंदगी को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। इसके बावजूद, दिल्ली सहित एनसीआर के नगर निगम, विकास प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन सिर्फ कागजी खानापूरी ही कर रहे हैं। इसकी मूल वजह भी है, राज्य सरकारें इस विकट समस्या पर अभी तक भी बहुत गंभीर नहीं हुई हैं। जब भी कोई बड़ी घटना होती है, तो कुछ दिनों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए जाते हैं, लेकिन कुछ ही समय बाद स्थिति जस की तस हो जाती है।
जमीनी स्तर पर क्यों फेल हो रहा है सिस्टम? सुप्रीम कोर्ट ने तो अपने पिछले दस माह पहले आदेश को ही कुछ तथ्यों पर बल देते हुए दोहराया है। लेकिन पिछले आदेश को भी लंबा समय बीत जाने के बाद भी न तो शेल्टर होम बने और न ही खतरनाक कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों से हटाया गया। एनसीआर के अन्य शहरों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर दिल्ली समेत एनसीआर में खतरनाक कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाकर सार्वजनिक स्थानों से ऐसे कुत्तों को क्यों नहीं हटाया जा रहा। इसके लिए कौन है जिम्मेदार? आवारा कुत्तों की समस्या विकराल होने के पीछे बार-बार सरकार और प्रशासन की ओर से बड़ी कमियां सामने आती हैं? पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने कहा कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों के मुद्दे पर हुई सुनवाई ने एक बार फिर उस गंभीर समस्या को सामने ला दिया है, जिसे देश के करोड़ों लोग रोज महसूस करते हैं। 19 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व आदेश को बरकरार रखते हुए साफ कहा कि आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों, बुजुर्गों और आम नागरिकों पर हो रहे हमलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थलों की उचित घेराबंदी की जाए ताकि आवारा कुत्तों की आवाजाही रोकी जा सके। साथ ही स्थानीय प्रशासन को यह जिम्मेदारी दी गई कि हटाए गए कुत्तों को निर्धारित शेल्टर होम में रखा जाए। कोर्ट ने यह भी कहा है कि अब खुले मैदानों और सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जा सकेगा। केवल नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही भोजन कराया जा सकेगा। यह विडंबना है कि आवारा कुत्तों से उत्पन्न भयावह स्थिति को अब भी बहुत लोग समझने को तैयार नहीं हैं और तथाकथित पशु प्रेमी तो बिल्कुल भी नहीं। वास्तव में ये पशु प्रेमी नहीं, केवल कुत्तों को खिलाने वाले लोग हैं। क्योंकि जब गाय, बकरा, मुर्गा या मछली कटते हैं, तब मैंने कभी इनकी आवाज नहीं सुनी। इनके आंदोलन केवल कुत्तों तक सीमित हैं, इंसानों की पीड़ा तक नहीं। हम पिछले तीन वर्षों से लोक अभियान के माध्यम से आवारा कुत्तों के आतंक और काटने की घटनाओं के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं। अगर कुत्ता काटने के आंकड़ों पर नजर डालें तो समझ में आएगा कि स्थिति कितनी भयावह है। विभिन्न सरकारी रिपोर्टों और अस्पतालों के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में दिल्ली में लगभग 25 हजार से अधिक आधिकारिक मामले दर्ज हुए। अगस्त 2025 तक यह संख्या 26,334 तक पहुंच गई। सफदरजंग अस्पताल में 2021 में लगभग 63 हजार कुत्ता काटने के मरीज आए थे, जबकि जुलाई 2025 तक यह संख्या 91 हजार से अधिक हो गई।

दिल्ली के न्यू राजिंदर नगर में दो बुजुर्ग महिलाओं की संदिग्ध मौत, लंबे समय से अकेले रह रही ननद और भाभी

नई दिल्ली/एजेंसी
मध्य जिला के न्यू राजेंद्र नगर इलाके में एक बंद मकान के अंदर दो बुजुर्ग महिलाओं की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। बृहस्पतिवार सुबह पुलिस को सूचना मिलने पर उनके शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिए गए। घरेलू सहायिका जब रोज की तरह सफाई करने पहुंची तब उसने पाया कि घर के अंदर शवों से बदबू आ रही थी, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। दोनों महिलाएं रिश्ते में ननद-भाभी थी, इनमें सरोज बाला (ननद, 80) ने शादी नहीं कर रखी थी, वह चलते फिरने में लाचार थी जबकि चंद्रकांता (भाभी, 80) अस्थमा की मरीज थी। इन्होंने अपनी देखरेख करने के लिए दो घरेलू सहायिकाओं को नौकरी पर रख हुआ था, जो सुबह और शाम इनके घर आकर खाना बनाने और साफ सफाई का काम करती थीं।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को घर के अंदर किसी तरह की जबरन एंट्री या लूटपाट के संकेत नहीं मिले हैं। फिर भी पुलिस की कई टीमें सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही हैं। घरेलू सहायिकाओं और महिलाओं के रिश्तेदारों आदि से पूछताछ की जा रही हैं। क्राइम टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम ने मौके पर पहुंच कर कई नमूने उठाए हैं। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक बृहस्पतिवार सुबह करीब 10.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि न्यू राजेंद्र नगर के मकान नंबर आर-852 से बदबू आ रही है। यह जानकारी उस घर के पोर्च एरिया (बाहरी हिस्से) में साफ-सफाई का काम करने वाली एक घरेलू सहायिका ने दी।
उसने बताया कि घर के सभी दरवाजे अंदर से बंद हैं और भीतर से बदबू आ रही है। सूचना मिलते ही जांच अधिकारी, तुरंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस टीम जब दरवाजा तोड़कर घर के भीतर दाखिल हुई, तो नजारा चौंकाने वाला था। एक कमरे में दो बुजुर्ग महिलाएं मृत अवस्था में पड़ी हुई थीं। इनमें चंद्रकांत का शव बिस्तर पर था और सरोज बाला का बिस्तर के नीचे फर्श पर पड़ा था। गर्मी के कारण शवों से बदबू आने लगी थी। दोनों की पहचान चंद्र कांता (उम्र करीब 80 वर्ष) और सरोज बाला (उम्र करीब 80 वर्ष) के रूप में हुई है। चंद्र कांता के बारे में बताया जा रहा है कि वह अस्थमा की मरीज थी। वह इनहेलर रखती थी। कमरे में इनहेलर दूर रखा हुआ था।
वह बीमार भी थी। माना जा रहा है रात में इनहेलर न ले पाने के कारण उनकी मौत हो गई हो। सरोज बाला, बिस्तर के पास नीचे गिरी हुई थी। वह कैसे गिरी और उनकी भी मौत कैसे हो गई। पुलिस इस बारे में भी पता लगा रही है।

बदमाशों ने फोन कर बॉबी को बुलाया, घेरकर किया चाकू से ताबड़तोड़ वार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के उत्तम नगर में पैसे के विवाद पर एक 23 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि मृतक हाल ही में तिहाड़ जेल से बाहर आया था। इस मामले में एक नाबालिग सहित पांच संदिग्धों को पकड़ा गया है। मृतक की पहचान बाहरी दिल्ली के रान्होला स्थित अमृतपुरी निवासी बॉबी गुप्ता के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात करीब 9:30 बजे उत्तम नगर में एक जनरल स्टोर के पास पांच-छह युवकों ने उस पर हमला किया। बॉबी के परिवार वालों ने आरोप लगाया कि उसे फोन करके बाहर बुलाया गया था। उसकी मां ने बताया कि वह शाम 6 बजे घर से निकला था पर वापस नहीं आया। उसकी बहन ने भी बताया कि उसे मिलने के बहाने बुलाया गया और हमलावरों ने घेरकर चाकू मारा। पुलिस को माता रूप रानी मैंगो अस्पताल से घटना की सूचना मिली, जहां बॉबी को कई चाकू के घावों के साथ भर्ती कराया गया था। उसे बाद में राठी अस्पताल ले जाया गया, जहां शुक्रवार को उसने दम तोड़ दिया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि बॉबी का कुछ स्थानीय युवकों से पैसे को लेकर विवाद था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपियों ने बॉबी से पैसे मांगे थे, जिसके मना करने पर उन्होंने हमला किया।

आपराधिक पृष्ठभूमि और गिरफ्तारी
पुलिस ने बताया कि बॉबी डेढ़ महीने पहले ही तिहाड़ जेल से डकैती के एक मामले में बाहर आया था। निहाल विहार पुलिस थाने में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज थे। इस मामले में एक नाबालिग सहित पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अन्य हमलावरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

गाजियाबाद में कारोबारी से 85 लाख की ठगी, निवेश पर 500 प्रतिशत मुनाफे का लालच देकर फंसाया

गाजियाबाद/एजेंसी
साइबर अपराधियों ने शेयर बाजार में 500 प्रतिशत तक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक कारोबारी से 85.38 लाख रुपये की ठगी कर ली। मामला मुरादनगर क्षेत्र का है। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित शैलेंद्र प्रताप ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि आठ नवंबर को उसने यूट्यूब पर मेहता इज बैक नाम के चैनल पर ऑनलाइन ट्रेडिंग से जुड़ा एक विज्ञापन देखा। विज्ञापन पर क्लिक करते ही उसके पास वॉट्सएप संदेश आने लगे। खुद को शेयर बाजार विशेषज्ञ बताने वाले लोगों ने फर्जी सेबी लाइसेंस और कंपनी के दस्तावेज दिखाकर भरोसा जीत लिया।

ट्रेडिंग के लिए वॉट्सएप ग्रुप में जोड़ा: इसके बाद पीड़ित को स्मार्ट ट्रेड ग्रुप नाम के वॉट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। वहां कई लोगों को भारी मुनाफा कमाते दिखाया गया। आरोपितों ने पीड़ित को एक मोबाइल एप डाउनलोड कराकर उसमें खाता खुलवाया और एआई स्टाक, बल्क डील, आईपीओ और एफपीओ में निवेश कराने लगे। पीड़ित के अनुसार आरोपितों ने दावा किया था कि उसका मुनाफा 500 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। भरोसा बढ़ाने के लिए आरोपितों ने तीन बार में करीब 24 हजार रुपये निकलवाने भी दिए। पीड़ित से आठ दिसंबर से 14 जनवरी के बीच 15 बार में कुल 85.38 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए गए। बाद में जब पीड़ित ने संबंधित कंपनी के शिकायत विभाग में ईमेल किया तो जवाब मिला कि कंपनी ऐसी कोई ऑनलाइन सेवा नहीं चलाती और उनके नाम का दुरुपयोग किया जा रहा है।

जय भीम योजना घोटाला: तक्षशिला अकादमी के निदेशक नरेंद्र गुप्ता को मिली जमानत

नई दिल्ली/एजेंसी
राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना में अनियमितताओं के मामले में तक्षशिला अकादमी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नरेंद्र कुमार गुप्ता को नियमित जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश डा. रुचि अग्रवाल असरानी ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित को अनिश्चितकाल तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता और बेल नियम है, जेल अपवाद। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित 30 अप्रैल 2026 से न्यायिक हिरासत में है और जांच एजेंसी यह नहीं बता सकी कि आगे की हिरासत क्यों आवश्यक है। कोर्ट ने कहा कि केवल इस आधार पर कि कुछ छात्रों और कर्मचारियों से पूछताछ बाकी है, किसी व्यक्ति को अनिश्चित समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता एक महत्वपूर्ण मौलिक अधिकार है और दोष सिद्ध होने से पहले किसी को दंडात्मक तरीके से हिरासत में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने नरेंद्र कुमार गुप्ता को एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के एक जमानती पर जमानत देने का आदेश दिया। साथ ही शर्त रखी गई कि वह बिना अनुमति देश नहीं छोड़ेंगे, हर माह 15 और 30 तारीख को एसीबी के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होंगे, गवाहों से संपर्क नहीं करेंगे और सुनवाई की हर तारीख पर अदालत में उपस्थित रहेंगे।

दिल्ली विधानसभा में 89 ऐतिहासिक खंडों का विमोचन

नई दिल्ली/एजेंसी
लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को दिल्ली विधानसभा में केंद्रीय विधायी विधानसभा की 1924-1930 की कार्यवाही पर आधारित 89 खंडों (वॉल्यूम) का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह दुर्लभ ऐतिहासिक दस्तावेज युवा पीढ़ी के लिए एक मार्गदर्शक का काम करेगा। इस कार्यक्रम में उनके साथ केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और दिल्ली के संसदीय कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान बिरला ने विधानसभा की पत्रिका 'विधान चेतना' के उद्घाटन अंक का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा, यह दुर्लभ और

ऐतिहासिक दस्तावेज लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों के साथ-साथ देश के जनप्रतिनिधियों को भी प्रेरित करेगा। बिरला ने दिल्ली विधानसभा भवन के ऐतिहासिक महत्व पर भी प्रकाश डाला, जहां से ब्रिटिश शासन के दौरान केंद्रीय विधायी विधानसभा काम करती थी। ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि तथ्यों पर आधारित बहस न केवल संवैधानिक संस्थाओं को मजबूत करती है, बल्कि उनकी गरिमा को भी बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि सहमति और असहमति सहित ऐसी ही बहसों ने भारत के लोकतंत्र को वैश्विक मंचों पर एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ऐतिहासिक दस्तावेजों को संरक्षित करने के प्रयासों के लिए दिल्ली विधानसभा और उसके अध्यक्ष की सराहना की।

दो नाबालिग किशोरियों के साथ हुए बलात्कार के मामले में दो दोषियों को 20-20 साल की सजा

नोएडा/एजेंसी
जनपद गौतम बुद्ध नगर न्यायालय ने नोएडा और जेवर में दो अलग-अलग जगह हुए नाबालिगों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं में दो आरोपियों को बीस-बीस साल की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि जमा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। विशेष लोक अभियोजक जेपी भाटी ने बताया कि जेवर कोतवाली में वर्ष 2016 में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म व पॉस्को एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोपी ने रास्ते से किशोरी को अपनी कार में बैठा लिया था। इसके बाद दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी धीरेन्द्र निवासी करीली जिला भरतपुर राजस्थान को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उन्होंने बताया कि अदालत ने केस की सुनवाई करते हुए बुधवार की शाम को आरोपी को दोषी ठहराया और बीस साल कारावास की सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में नोएडा सेक्टर 58 थाने में वर्ष 2022 मे दर्ज एक मुकदमे में भी अदालत ने आरोपी अबसार आलम निवासी सन्तपुर नौतन जिला चम्पारण बिहार को दोषी पाते हुए बीस वर्ष कारावास एवं 50 हजार रुपये के अर्थदण्ड

भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदा की जा रही बकरीद की नमाज, कुबार्नी को लेकर दिशा निर्देश जारी

नोएडा/एजेंसी
कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के तीनों जोन नोएडा, सेन्ट्रल नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में ईद-उल-अजहा (बकरीद) के नमाज के दृष्टिगत आज सुबह से ही जनपद में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने हेतु व्यापक स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जनपद में 180 से ज्यादा मस्जिदों पर नमाज अदा की जा रही है। सुबह से ही सभी धार्मिक स्थलों पर भारी पुलिस बल तैनात है। अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था गौतमबुद्धनगर डॉ0 राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि नोएडा की एडीसीपी श्रीमती मनीषा सिंह के साथ उन्होने नोएडा जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एसीपी एवं थाना प्रभारियों, बीडीडीएस और डॉग

स्क्वॉड व पर्याप्त पुलिस बल के साथ-निठारी मस्जिद, जामा मस्जिद, बाजारों व भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में फ्लैग मार्च एवं फुट पेट्रोलिंग कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों द्वारा स्थानीय नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर त्यौहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द एवं शांति के साथ मनाने की अपील की गई। साथ ही आमजन को सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक सामग्री साझा न करने, अफवाहों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु जागरूक किया गया, जिससे त्यौहार के दौरान कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी एवं मजबूत बनी रहे। उन्होंने बताया कि जनपद के 180 जगह पर आज बकरीद के अवसर पर नमाज अदा की जा रही है। प्रातः काल से ही सभी धार्मिक स्थलों पर पुलिस

किडनी की बीमारी से ग्रसित बुजुर्ग ने नौवी मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

नोएडा/एजेंसी
थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 100 स्थित एक सोसाइटी के फ्लैट की नौवी मंजिल से कूदकर 65 वर्षीय व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली है। मृतक काफी दिनों से किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बुधवार को बताया कि परमजीत सिंह पुत्र निरंजन सिंह उम्र 65 वर्ष ए-37 सेक्टर 35 में रहते थे। उनका लोट्स बुलवर्ड सोसायटी सेक्टर 100 में एक फ्लैट है। बुधवार की रात को उन्होंने अपने सेक्टर 100 स्थित फ्लैट के नौवें फ्लोर से कूदकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि मृतक काफी दिनों से किडनी

मिहिजाम में सौहार्द के साथ मनी बकरीद: मस्जिदों में अदा की नमाज, हिंदू-मुस्लिम ने दी मुबारकबाद

रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

मिहिजाम में गुरुवार को बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण माहौल और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हुआ। सुबह होते ही ईदगाह और शहर की तमाम मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। ईदगाह के बाहर का नजारा बेहद खास रहा, जहां सामाजिक कार्यकताओं की ओर से रोजेदारों और नमाजियों के लिए शरबत का इंतजाम किया गया था। तपती गर्मी में ठंडा शरबत पीकर लोगों ने राहत महसूस की और आयोजकों का शुक्रिया अदा किया। पर्व को लेकर मिहिजाम पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। ईदगाह, मस्जिदों और संवेदनशील जगहों पर पुलिस बल तैनात रहा। थाना प्रभारी प्रदीप राणा खुद व्यवस्था की निगरानी करते दिखे। पूरे इलाके में पुलिस गश्त जारी रही, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस मौके पर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल भी देखने को मिली। हिंदू समुदाय के लोगों ने भी आगे बढ़कर मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर बकरीद की शुभकामनाएं दीं। दोनों समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर भाईचारे का संदेश दिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि मिहिजाम हमेशा से आपसी सौहार्द और एकता के लिए जाना जाता है। यहां हर त्योहार मिलजुल कर मनाया जाता है। प्रशासन और समाज के सहयोग से इस बार भी बकरीद का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। नमाज के बाद लोगों ने देश में अमन-चैन और तरक्की की दुआएं मांगी।

भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने किया ट्रांसफार्मर का लोकार्पण

रफ्तार मीडिया संवाददाता
राजधनवार:-- भाजपा नेता सह पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने गुरुवार को धनवार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गादी पंचायत के ग्राम अरगाली में एक सौ केवी ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया। लगभग एक माह पूर्व गांव का ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण स्थानीय ग्रामीण इस भीषण गर्मी में परेशान थे और गांव में अंधकार छाया हुआ था तथा बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी।

ग्रामीणों ने अपनी समस्या की जानकारी श्री सिंह को दी तो श्री सिंह ने बिजली विभाग के वरीय अधिकारियों से संपर्क कर नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। गांव में बिजली बहाल हो जाने से ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए श्री सिंह के प्रति आभार जताया। मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने छात्र - छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने की सलाह दी। कहा कि शिक्षा ही सबसे बड़ा धन है और शिक्षा से ही समाज व देश का विकास संभव है। इसके बाद श्री सिंह भाजपा कार्यालय बरजो पहुंचे और लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं। कुछ समस्याओं का मौके पर ही निदान कर दिया और कुछ का जल्द ही निदान करने का भरोसा दिया।मौके पर नकुल राय, सुबोध नारायण देव, संजीव नारायण देव, गौतम नारायण देव, मोहन नारायण देव, रौशन सिंह, बसंत राय, पवन सिंह, शारदा नारायण देव, गजाधर तिवारी, मृत्युंजय तिवारी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

सोनाहातु प्रखंड क्षेत्र में 10 साल से अधूरा पड़ा जलमीनार, दुलमी गांव में सरकारी राशि के बंदरबांट का आरोप, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

रफ़्तार मिडिया सोनाहातु संवाददाता
सोनाहातु प्रखंड क्षेत्र के दुलमी गांव में ग्रामीणों को पानी उपलब्ध कराने के नाम पर लगभग 10 साल पहले शुरू की गई जलमीनार योजना आज भी अधूरी पड़ी है। योजना के तहत सिर्फ बोरिंग कर और टांकी का ढांचा खड़ा कर काम रोक दिया गया। तब से लेकर अब तक न तो पानी की आपूर्ति शुरू हुई और न ही आगे का निर्माण पूरा हुआ।ग्रामीणों का आरोप है कि योजना का मकसद लोगों को पेयजल सुविधा देना नहीं, बल्कि सरकारी राशि निकालना था। ह्लअगर ग्रामीणों को लाभ पहुंचाना होता तो 10 साल में काम पूरा हो चुका होता। सिर्फ बोरिंग करके और ढांचा खड़ा कर छोड़ देना साफ बताता है कि नीयत में खोट थी,ह्व एक ग्रामीण ने कहा।दुलमी गांव के लोगों का कहना है कि योजना के नाम पर लाखों रुपये खर्च दिखाए गए, लेकिन जमीनी हकीकत शून्य है। आज भी गांव के लोग गर्मी और सूखे के मौसम में दूर-दराज से पानी ढोकर लाने को मजबूर हैं। बच्चों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब योजना से लोगों को लाभ ही नहीं पहुंचना था तो यह अधूरा ढांचा क्यों खड़ा किया गया? क्या इसका उद्देश्य सिर्फ कागजों पर काम दिखाकर राशि का बंदरबांट करना था? ग्रामीणों ने इस योजना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी योजनाओं के नाम पर बार-बार ग्रामीणों के साथ धोखा किया जा रहा है, जबकि मूलभूत जरूरत पानी के लिए लोग आज भी तरस रहे हैं।प्रशासन की चुप्पी और विभाग की निष्क्रियता ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि ग्रामीण विकास की योजनाएं आम लोगों के लिए हैं या सिर्फ सरकारी फाइलों में कागजी खानापूर्ति के लिए।

बोकारो एयरपोर्ट को लेकर कुमार अमित ने केन्द्रीय मंत्री संजय सेठ को सौंपा ज्ञापन

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
बोकारो दौरे पर आए केन्द्रीय राज्य रक्षा मंत्री श्री संजय सेठ से भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने पार्टी जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र राज के साथ यहां के नवनिर्मित एयरपोर्ट से यात्री विमानों के परिचालन प्रारंभ करने की मांग की। इस लेकर भाजपा नेताओं ने केन्द्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपा। मौके पर केंद्रीय मंत्री श्री संजय सेठ में एयरपोर्ट ऑथरिटी के सम्बंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर इस एयरपोर्ट के अब तक के प्रगति की जानकारी ली एवं इनलोगों को यहां से व्यवसायिक उड़ानों को शीघ्र प्रारंभ करने को लेक आवश्यक निर्देश दिया। इसके अलावे कुमार अमित न बोकारो स्टील प्रबंधन के खाली पड़े भवनो में लघु एवं सूक्ष्म स्तर के रक्षा उपकरणों के उत्पादन प्रारम्भ करने उसके सदुपयोग करने की भी मांग की। इस पर केन्द्रीय मंत्री ने राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाकर पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संजय सिन्हं, विक्रम पांडे, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह, जिला मंत्री मनोज ठाकुर, भाजयुमो ज़िलाध्यक्ष विनोद महतो, एस सी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता राकेश राम, मुकेश राय, प्रकाश कुमार, मंतोष यादव, धनराज चौधरी, लालबाबू, चन्द्रप्रकाश आदि भी उपस्थित रहे।

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर डीसी - एसपी रहे क्षेत्र में भ्रमणशील

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना गुरुवार को दिनभर विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमणशील रहे। इस दौरान उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों से विधि व्यवस्था संधारण की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भ्रमण के क्रम में डीसीझएसपी ने बेरमो स्थित मीनी कंट्रोल रूम का जायजा लिया। वहां प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह बीडीओ बेरमो मुकेश कुमार से क्षेत्र की वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली की समीक्षा की।

मौके पर उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ एवं जरीडीह अंचल अधिकारी प्रणव राज से भी पर्व को लेकर क्षेत्र की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों ने क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु किए गए प्रबंधों की जानकारी दी।

इस दौरान डीसीझएसपी ने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से संवाद किया तथा आपसी भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने को लेकर पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है। सभी संवेदनशील स्थलों पर प्रशासन की सतत निगरानी रखी जा रही है।

छतरपुर में राहगीरों को राहत: नगर पंचायत और पलामू पुलिस ने शुरू की पनशाला

रफ्तार मीडिया संवाददाता
छतरपुर (पलामू): भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए नगर पंचायत छतरपुर ने आम लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों पर पनशाला की शुरूआत की है। भारतमाता चौक पर नगर पंचायत एवं पलामू पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में पनशाला संचालित की जा रही है, जबकि महावीर चौक, हाईस्कूल मोड़ और भव फैक्ट्री के समीप नगर पंचायत द्वारा अलग-अलग पनशालाएं शुरू की गई हैं। पनशाला का विधिवत उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष मनजीत यादव एवं एसआई इंद्रजीत राणा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान राहगीरों और आमजनों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने कहा कि जनता के विश्वास को बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे लोगों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और समाज के सभी प्रबुद्ध एवं समाजसेवी लोगों को इस कार्य में आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या बनी हुई है वहां टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है।

साथ ही खराब पड़े चापानलों की मरम्मत युद्धस्तर पर कराई जा रही है तथा नगर क्षेत्र के सभी जलमीनारों की मरम्मत भी जल्द पूरी कर ली जाएगी, ताकि लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। मौके पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शिव कुमार, रामसेवक यादव, प्रवेश कुमार, आकाश कुमार, नगर पंचायत के जेई शुभम कुमार, नाजीर दयानंद कुमार, लेखापाल सूरज कुमार, पिंकू कुमार, अरविंद प्रजापति, अजय गुप्ता, अनिल पासवान, पप्पू गुप्ता, कैलाश यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मौजा जाताकोठी गांव में गहराया पानी संकट

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा
गोड्डा जिले के महागामा अनुमंडल अंतर्गत मौजा जाताकोठी गांव में पानी की समस्या से लोग जूझ रहे हैं ' जहां एक तरफ जिला प्रशासन द्वारा पानी की समस्या को दूर करने के लिए निर्देशित की गई है, वहीं दूसरी तरफ यह गांव पानी को तरस रहा हैं ' ग्रामीणों ने बताया पिछले दो महीने से पानी की समस्या बनी हुई है ' गांव में एक भी जलमीनार नहीं है ' जितने भी चापानल है वह खराब पड़े हुए हैं ' करीब दो किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ता है ' इस भीषण गर्मी में छोटे-छोटे बच्चे बाल्टिया लेकर पानी लाने जाते हैं ' जिससे कभी-कभी उनकी तबीयत बिगड़ जाती है ' साथ ही उन्होंने बताया कई बार इसकी सूचना मुखिया और यहां के जनप्रतिनिधियों को दिया गया लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पाया है ' पानी की समस्या दूर होगा इस उम्मीद यह गांव के लोग आज भी उम्मीद लगाए बैठे हैं लेकिन उन्हें पानी की जगह सिर्फ आश्वासन ही मिला है ' ग्रामीणों ने यहां के जनप्रतिनिधि से अपील करते हुए कहा कि जल्द से जल्द पानी की समस्या को दूर किया जाए ताकि पानी की समस्या का दंश ना झेलना पड़े '

तुड़का गांव में युवक की संदिग्ध मौत से सनसनी पलाश के पेड़ से लटका मिला शव

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा
जामताड़ा जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वामनडीहा पंचायत के तुड़का गांव में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। गांव के पास जोड़िया स्थित एक पलाश के पेड़ से 21 वर्षीय युवक का शव लटका मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

बुकरु साइडिंग में ग्रामीणों का फूटा आक्रोश, ट्रांसपोर्टिंग ठप कर जताया विरोध

रफ्तार मीडिया बालूमाथ
बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत बुकरु रेलवे कोयला साइडिंग के समीप गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश उस समय फूट पड़ा जब धूल प्रदूषण, बेरोजगारी और मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी से नाराज लोगों ने ट्रांसपोर्टिंग सड़क को जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण कोयला ढुलाई का कार्य घंटों प्रभावित रहा और सड़क के दोनों ओर हाईवा एवं ट्रकों की लंबी कतार लग गई। ग्रामीणों का आरोप था कि रेलवे साइडिंग एवं कोयला ट्रांसपोर्टिंग से क्षेत्र में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। उड़ते धूलकणों से आसपास के गांवों के लोगों को सांस लेने में परेशानी सहित कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि नियमित पानी छिड़काव नहीं होने से स्थिति और गंभीर हो गई है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने सड़क पर स्प्रिंकलर मशीन लगाने, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने, बाहरी कर्मचारियों को हटाने, प्रभावित गांवों में डीप बोरिंग के जरिए पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, स्ट्रीट लाइट लगाने तथा शेरेगारा बाजार में नया शेड निर्माण कराने की मांग उठाई।सड़क जाम की सूचना मिलने के बाद अमरवाड़ीह पिकेट प्रभारी अनिल सिंह एवं सीसीएल अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की।

ईद-उल-अजहा पर बालूमाथ में दिखी भाईचारे की मिसाल, मस्जिदों में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़

रफ्तार मीडिया बालूमाथ
बालूमाथ। ईद-उल-अजहा बकरीद का पर्व गुरुवार को बालूमाथ प्रखंड सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक आस्था, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच मनाया गया। सुबह होते ही ईदगाहों और मस्जिदों में अकीदतमंदों की भीड़ जुटने लगी। लोगों ने नए परिधानों में पहुंचकर अल्लाह की इबादत की और अमन-चैन, खुशहाली तथा देश की तरक्की की दुआ मांगी।

बालूमाथ ईदगाह में सुबह 6:30 बजे ईद की विशेष नमाज अदा की गई, जबकि जामा मस्जिद में सुबह 7:15 बजे नमाज हुई। इसके अलावा मुरपा, भैसादोन, मासियातु, मकईयाटांड़, चितरपुर, शेरगड़ा और करमाही समेत विभिन्न गांवों की मस्जिदों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

मौलाना मजहर ने अपने तकरीर में कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, समर्पण और इंसानियत का संदेश देने वाला पर्व है। उन्होंने कहा कि हजरत इब्राहिम की कुबार्नी हमें यह सीख देती है कि इंसान को सच्चाई और ईश्वर की राह में हर त्याग के लिए तैयार रहना चाहिए। साथ ही जरूरतमंदों की मदद करना और समाज में प्रेम व भाईचारा बनाए रखना ही इस पर्व की असली भावना है।

पर्व को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी तथा अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही थी। नमाज के बाद लोगों ने पारंपरिक तरीके से कुबार्नी की रस्म अदा की और घरों में दावतों का दौर चला।

सोनाहातु में भीषण गर्मी में भी नहीं जाग रहा जल संसाधन विभाग, करोड़ों की योजना ठप, ग्रामीण पानी के लिए तरस रहे

रफ़्तार मिडिया सोनाहातु संवाददाता
सोनाहातु: भीषण गर्मी में जब लोग एक-एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, तब सोनाहातु प्रखंड में जल संसाधन विभाग के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं। प्रखंड के कई पंचायतों में करोड़ों रुपये की जलापूर्ति योजनाएं महीनों से ठप पड़ी हैं, लेकिन संबंधित अधिकारी समस्या सुनने को भी तैयार नहीं हैं।सबसे गंभीर स्थिति जामुदाग गांव की है, जहां पिछले 1 साल से जलापूर्ति पूरी तरह बंद पड़ी है। ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है और बच्चे-बुजुर्ग गर्मी में बीमार पड़ रहे हैं। इसी तरह सोनाहातु और बारूहातु पंचायत में भी पिछले 5 महीने से जलापूर्ति ठप है। कांची नदी से पाइपलाइन के जरिए होने वाली आपूर्ति बंद होने से बाजार टांड़ और सोनाहातु गांव के हजारों लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार लिखित शिकायत दी, सोनाहातु मुखिया विकास मुंडा ने डीसी तक गुहार लगाई, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।बारेंदा और मारांगकिरी में भी जलापूर्ति व्यवस्था ध्वस्त पड़ी है। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी न तो मौके पर आते हैं और न ही फोन उठाते हैं। ह्लगरीब लोग गर्मी में भी पानी के लिए अधिकारियों के दफ्तर का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनके कान में जूं तक नहीं रेंग रही,ह्व एक ग्रामीण ने आक्रोश जताते हुए कहा।स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई योजनाएं सिर्फ कागजों पर चल रही हैं। जमीनी हकीकत यह है कि गर्मी के मौसम में भी लोग नदी-नाला का पानी पीने को मजबूर हैं।अब ग्रामीण सिर्फ इतना सवाल उठा रहे हैं कि आखिर संबंधित अधिकारी इस समस्या पर चुप क्यों हैं और समाधान कब करेंगे।

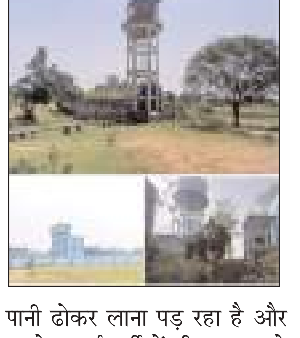

त्याग, समर्पण और भाईचारे के संदेश के साथ जिलेभर में मनायी गयी बकरीद

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा : जामताड़ा जिले भर में गुरुवार को ईद-उल-अजहा यानी बकरीद का पर्व धार्मिक उत्साह, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। त्याग और समर्पण के प्रतीक इस पर्व पर मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ईदगाहों एवं मस्जिदों में पहुंचकर अकीदत के साथ नमाज अदा की तथा देश-दुनिया में अमन, शांति और खुशहाली के लिए दुआएं मांगीं।नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी।वही जामताड़ा शहर के न्यू टाउन स्थित ईदगाह, पाकडीह, सरखेलडीह, मियांडीह, बुधुडीह, नाड़ाडीह, बेवा, धनबाद, चिरूनबांध, शहरपुरा, मोहड़ा, पोसोई समेत जिले के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग नए-नए कपड़े पहनकर ईदगाहों में पहुंचे और पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ बकरीद की नमाज अदा की। पर्व को लेकर बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मुबारकबाद दी और विभिन्न प्रकार के पकवानों का आनंद लिया। घर-घर में सेवइयां, मिठाइयां और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाए गए। सभी समुदायों के लोगों ने मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर बकरीद की शुभकामनाएं दीं, जिससे सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली।पाकडीह एवं सरखेलडीह ईदगाह में नमाज के दौरान इमाम मौलाना अख्तर रजा ने कहा कि ईद-उल-अजहा बलिदान, त्याग और संयम का पर्व है। इस्लामी कैलेंडर के अंतिम माह जिलहिज्जा की दसवीं तारीख को यह पर्व मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि कुबार्नी आत्मा को शुद्ध करने का एक उत्तम माध्यम है और इसमें दिखावे की भावना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म इंसानियत, शांति और भाईचारे का संदेश देता है। लोगों को आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद नजर आया। जिले के सभी प्रमुख ईदगाहों में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। जामताड़ा एसपी शंभू कुमार सिंह ने स्वयं शहर के विभिन्न इलाकों का भ्रमण कर विधि व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

इस दौरान वे न्यू टाउन स्थित ईदगाह पहुंचे और नमाज अदा कर रहे लोगों से मिलकर बकरीद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील की। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वसीम राजा, थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई ईद-उल-अजहा का पर्व '

रफ्तार मीडिया संवाददाता राजीव कुमार/ महागामा
महागामा अनुमंडल क्षेत्रों में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार पूरे हर्षोल्लास और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अनुमंडल क्षेत्रों की तमाम मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों ने शांतिपूर्ण तरीके से ईद की नमाज अदा की। नमाज के दौरान ईदगाह में हाथ उठाकर देश की खुशहाली, अमन और चैन के लिए दुआएं मांगी गईं। अनुमंडल पदाधिकारी आलोक वरन केसरी ने बताया कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। वही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक और थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल ने सुबह ईदगाह और मस्जिद पहुंचकर जायजा लिया और सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रशासन ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए थे। सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए थे ' कंट्रोल रूम में एक भी शिकायतें दर्ज नहीं हुई ' नमाज के बाद कौम को संबोधित करते हुए इमाम ने कहा कि ईद-उल-अजहा का यह त्योहार हमें त्याग, बलिदान और इंसानियत की राह पर चलने का संदेश देता है। उन्होंने सभी से आपसी मतभेद भुलाकर समाज में प्रेम, भाईचारा और सौहार्द कायम रखने की अपील की।नमाज मुकम्मल होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की दिली मुबारकबाद दी।

सावरकर जयंती पर युवाओं में दिखा उत्साह, काशीयाटाड़ गांव में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा।

मेरा युवा भारत, जामताड़ा के तत्वावधान में गुरुवार को स्वामी विवेकानंद युवा क्लब, काशीयाटाड़ द्वारा विनायक दामोदर सावरकर जयंती के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी रंजीत मंडल, शिक्षक गणेश सिंह एवं स्कूल अध्यक्ष बंटी देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने सावरकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अजय रवानी, द्वितीय स्थान नंदनी कुमारी तथा तृतीय स्थान सुलोचना कुमारी ने प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित किए जाने पर उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर शिक्षक गणेश सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों का मनोबल बढ़ता है और उनमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम गांव-गांव में आयोजित होने चाहिए, ताकि ग्रामीण युवाओं का सर्वांगीण विकास हो सके तथा शिक्षा और खेल को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम के दौरान युवाओं में देशभक्ति और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी देखने को मिला। मौके पर समाजसेवी रंजीत मंडल, शिक्षक गणेश सिंह, स्कूल अध्यक्ष बंटी देवी, दीपक राउत, युवा क्लब के अध्यक्ष संजय रवानी, सदस्य राकेश मंडल, रोहित राउत, महेश सिंह, राहुल राउत, दिवाकर रवानी सहित कई ग्रामीण एवं युवा उपस्थित थे।

रामगढ़ में अकीदत व भाईचारे के साथ संपन्न हुआ ईद-उल-अजहा, हिंदू-मुस्लिम एकता की दिखी अनूठी मिसाल

रामगढ़/मांडू: त्याग, बलिदान व तपस्या का महापर्व 'ईद-उल-अजहा' आज रामगढ़ जिले में पूरी श्रद्धा और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस मौके पर जिले के सभी मस्जिदों और ईदगाहों में अकीदतमंदों की भारी भीड़ उमड़ी, जहाँ लोगों ने मुल्क में शांति व अमन-चैन साथ ही अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए खुदा से दुआ मांगी।

भाईचारे का दिखा अद्भुत नजारा

अहले सुबह से ही रामगढ़, गोला, चितरपुर, दुलमी, मांडू, भुरकुंडा और पतरातू सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के ईदगाहों व मस्जिदों में नमाजियों का तांता लगा रहा। नमाज अदा करने पश्चात लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। खास बात यह रही कि कुजू कोयलांचल सहित पूरे क्षेत्र में हिंदू-मुस्लिम सद्भाव व भाईचारे की मिसाल देखने को मिली, जहाँ अन्य समुदायों के लोगों ने भी अपने मुस्लिम भाइयों को पर्व की शुभकामनाएं व मुबारक बाद दीं।

प्रशासन रही पूरी तरह मुस्तैद

पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मांडू के प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार मिश्रा और कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह , पुअनि अरविंद सिंह, पुअनि आशीष कुमार गौतम, सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी खुद मौके पर मौजूद रहे और विधि-व्यवस्था की निगरानी करते दिखे। प्रशासन के अधिकारियों ने भी ईदगाह पहुंचकर नमाजियों को पर्व की बधाई दी।

रेलवे कर्मी प्रेमी युगल ने शिव मंदिर में रचाई शादी, बने जीवनसाथी

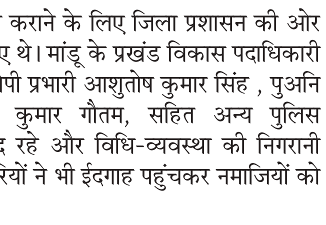

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद।
धनबाद में लंबे समय से चल रहे एक प्रेम प्रसंग का गुरुवार को सुखद अंत देखने को मिला। रेलवे में कार्यरत एक प्रेमी युगल ने स्थानीय ग्रामीणों की मौजूदगी में भूली थाना के समीप स्थित शिव मंदिर में शादी रचा ली। इस विवाह के साक्षी पांडरपल्ला बस्ती के लोग और स्थानीय नागरिक बने। मंदिर में सात फेरे लेने के बाद दोनों ने थाने में लिखित रूप से कोर्ट मैरिज करने का बॉन्ड भी भरा।मिली जानकारी के अनुसार, पांडरपल्ला निवासी रानी कुमारी और बैंकमोड़ निवासी अमित कुमार दोनों रेलवे कर्मचारी हैं। दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अमित अक्सर अपनी प्रेमिका रानी से मिलने उसके घर पांडरपल्ला आया करता था। इसी बीच बस्ती के लोगों को दोनों के प्रेम संबंध की भनक लग गई।इसके बाद स्थानीय लोगों और बस्तीवासियों ने दोनों के परिजनों से बात की और उन पर शादी करने का सामाजिक दबाव बनाया। दोनों की रजामंदी के बाद गुरुवार को भूली थाना के पास स्थित शिव मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से दोनों का विवाह संपन्न कराया गया।

रोजगार की तलाश बनी काल: गुजरात में धनबाद के मजदूर की मौत, पूर्वी टुंडी के दलदली गांव में पसरा मातम

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद(पूर्वी टुंडी):रोजी-रोटी की तलाश में परदेश गए धनबाद के एक और लाल की कार्यस्थल पर हुए हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। घटना गुजरात के भावनगर की है, जहां पूर्वी टुंडी प्रखंड अंतर्गत चुरुरिया पंचायत के दलदली गांव निवासी मनोज मरांडी (30) एक निजी कंपनी में मजदूरी करता था। मौत की खबर सुनते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। पूरे दलदली गांव में चूल्हा तक नहीं जला और हर आंख नम है।इकलौता कमाऊ सदस्य था मनोज, ग्रामीणों ने बताया कि मनोज अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। उसी के कंधे पर पूरे घर की जिम्मेदारी थी। उसकी असमय मौत से पत्नी बाहामुनि देवी, बूढ़े माता-पिता और दो मासूम बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।10 लाख रुपये मुआवजे पर बनी सहमति घटना

के बाद चुरुरिया पंचायत के मुखिया कन्हाई चार और जेएमएम नेताअभिराम हेमब्रम समेत ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखा गया। स्थानीय स्तर पर हुई वार्ता के बाद गुजरात की संबंधित कंपनी 'राजतिलक इंटरप्राइजेज' पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने पर सहमत हो गई है। वार्ता के दौरान प्रभु हेंब्रम, रुपाई हेंब्रम और शंकर मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित थे।पलायन और दावों पर उठे बड़े सवाल इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर झारखंड से होने वाले भारी पलायन और राज्य सरकार के दावों की पोल खोल कर रख दी है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार के पास संपूर्ण व्यवस्था और संसाधन होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर रोजगार नहीं है। आखिर दो वक्त की रोटी के लिए ग्रामीणों को दूसरे राज्यों का रुख क्यों करना पड़ रहा है? परदेश में दम तोड़ते इन गरीब मजदूरों की जान की जवाबदेही आखिर किसकी है?प्रशासन से रोजगार और पेंशन की मांग जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने झारखंड सरकार व जिला प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तत्काल उचित सरकारी सहायता राशि दी जाए। साथ ही, मृतक की पत्नी के जीवन-यापन के लिए रोजगार या सरकारी पेंशन की स्थायी व्यवस्था की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते स्थानीय स्तर पर रोजगार के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए, तो न जाने और कितने 'मनोज' इस पलायन की आग में अपनी जान गंवाते रहेंगे।

कोडरमा के कॉलेजों को श्इव से हटाकर गिरिडीह जोड़ने का फैसला तानाशाही, छात्राओं को होगी फजीहत; विरोध में 29 मई को जे जे कॉलेज में छात्रों का होगा जुटान

झुमरीतिलैया - कोडरमा जिले के प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक जगन्नाथ जैन कॉलेज (जे जे कॉलेज) समेत जिले भर के अन्य महाविद्यालयों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय (श्इव), हजारीबाग से विच्छेदित कर गिरिडीह में नवनिर्मित सर जे सी बोस विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करने के राज्य सरकार के गजट नोटिफिकेशन के खिलाफ छात्र समुदाय में भारी आक्रोश है। सरकार के इस अव्यवहारिक और छात्र विरोधी फैसले के विरोध में 'जे जे कॉलेज बचाओ समिति, कोडरमा' के बैनर तले आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। 29 मई को सुबह 11:00 बजे जे जे कॉलेज परिसर में जिले भर के छात्रों और छात्र आंदोलन के समर्थकों की बड़ी बैठक बुलाई गई

है। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जिले के तीन प्रमुख पूर्व छात्र नेताओं ने सरकार के इस गजट और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर सीधे सवाल उठाए हैं।

पूर्व छात्र नेता महेश भारती ने कहा कि

"राज्य में नए विश्वविद्यालयों का निर्माण होना चाहिए। शैक्षणिक स्थिति में सुधार का प्रयास स्वागत योग्य है, लेकिन इसके नाम पर कोडरमा के छात्रों पर आत्मघाती फैसले थोपना सरासर तानाशाही रवैया है। कोडरमा से हजारीबाग (श्इव) की दूरी मात्र 60 किलोमीटर है, जहाँ जाने में बहुत कम समय लगता है। इसके विपरीत, हमें लगभग 120 किलोमीटर दूर गिरिडीह के सर जे सी बोस विश्वविद्यालय से जोड़ा जा रहा है, जो दोगुनी दूरी पर है। यह पूरी तरह तर्कहीन और छात्र विरोधी कदम है।"

इस तुगलकी फरमान का सबसे बुरा असर हमारे जिले की छात्राओं पर पड़ेगा : देवेंद्र

वहीं पूर्व छात्र नेता देवेंद्र कुमार ने कहा कि "इस तुगलकी फरमान का सबसे बुरा असर हमारे जिले की छात्राओं पर पड़ेगा। कोडरमा से गिरिडीह के लिए न तो यातायात की कोई सुगम व्यवस्था है और न ही सीधी कनेक्टिविटी। छात्राओं को इतनी लंबी दूरी तय करने में भारी असुरक्षा और असुविधा का सामना करना पड़ेगा। आने-जाने में ज्यादा समय बर्बाद होगा, वाहन भाड़ा दोगुना लगेगा और यदि किसी काम में देरी हुई, तो वहां रात्रि विश्राम के लिए भारी फजीहत झेलनी पड़ेगी। हम इस व्यवस्था को कभी स्वीकार नहीं करेंगे।"

इतने संवेदनशील और गंभीर मुद्दे पर हमारे स्थानीय सांसद और विधायकों का रवैया अत्यंत उदासीन और निराशाजनक रहा है : पासवान

वहीं पूर्व छात्र नेता रवि पासवान ने कहा कि "इतने संवेदनशील और गंभीर मुद्दे पर हमारे स्थानीय सांसद और विधायकों का रवैया अत्यंत उदासीन और निराशाजनक रहा है।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस: मंझला चुंबा में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, महिलाओं ने ली चुप्पी तोड़ने की शपथ

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया / रामगढ़ /मांडू : अंतर्राष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में मंझला चुंबा पंचायत भवन में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक्शन इंडिया नई दिल्ली (झारखंड शाखा) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों के बीच मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन एक्शन इंडिया की वरिष्ठ प्रतिनिधि उषा देवी और स्थानीय मुखिया लक्ष्मी देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

स्वच्छता और स्वास्थ्य प्रबंधन पर जोर

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित उषा देवी ने माहवारी को 'नारी शक्ति का प्रतीक' बताते हुए कहा कि यह कोई बाधा नहीं, बल्कि जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है। उन्होंने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बरती जाने वाली स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों और अल्ट्रा-थिन पैड्स के सही उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से आह्वान किया कि वे इस विषय पर व्याप्त पुरानी रूढ़ियों को त्यागें और खुलकर बात करें।

मुखिया ने दिया सशक्तिकरण का संदेश

स्थानीय मुखिया लक्ष्मी देवी ने महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पंचायत की महिलाओं का स्वास्थ्य और सम्मान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

झुमरीतिलैया - मधुबन डुमरी में भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की दो दिवसीय कार्यशाला दिनांक 26/05/2026 एवं 27/05/2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्घाटन समारोह 26 मई को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं धनबाद के पूर्व सांसद पी एन सिंह के द्वारा किया गया। उनका स्वागत भाजपा कोडरमा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने किया। स्वागत भाषण में जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि प्रशिक्षण से कार्यकताओं में उत्साहवर्धन होता है तथा उन्हें पार्टी की विचारधारा की विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकताओं के बौद्धिक विकास के साथ-साथ संगठन विस्तार की क्षमता को भी मजबूत करते हैं। दो दिवसीय इस कार्यशाला में कुल 11 सत्र आयोजित किए गए, जिसमें

विभिन्न वक्ताओं ने कार्यकताओं को संगठन, विचारधारा एवं राजनीतिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। उद्घाटन दिवस पर पी ऐन सिंह ने कहा भारतीय जनता पार्टी अध्यच्छिय प्रणाली कि पार्टी है पार्टी संगठन अपने विचारधारा और देश हित में कार्य करती है हमारी पार्टी में व्यक्ति प्रधान नहीं होता है पार्टी विचारधारा प्रधान होती हैं ।दूसरे सत्र में विकास प्रीतम,तीसरे सत्र में प्रेम मित्तल , चौथे सत्र में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ,पांचवे सत्र में संगठन महामंत्री कर्मबीर ,छठे सत्र में शैलेंद्र सिंह जी एवं सातवें सत्र में विक्रांत उपाध्याय जी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बौद्धिक मार्गदर्शन दिया।

दूसरे दिन 27 मई 2026 को आयोजित सत्रों में आठवें सत्र में अन्नपूर्णा देवी ,नौवें सत्र में छेत्रिय महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी , दसवें सत्र में बालमुकुंद सहाय ,ग्यारहवें सत्र में प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने अपने विचार रखे और कार्यशाला का समापन समारोह किया गया। भाजपा के प्रशिक्षण महाअभियान के माध्यम से कार्यकताओं में संगठन के प्रति नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार देखने को मिला कार्यक्रम में विधायक डॉ नीरा यादव, विधायक अमित यादव, प्रदेश मंत्री शालिनी बैशीख्यार,नितेश चंद्रवंशी ,जिला उपाध्यक्ष संगीता सिन्हा, राजकुमार यादव, गोपाल कुमार गुतुल,सुभाष मोदी, जिला महामन्त्री,विजय यादव, नरेन्द्र पाल, जिला मंत्री अनीता देवी, सुधीर सिंह, रामप्रसाद साव, मनोज चौधरी, जिला कोषाध्यक्ष उमेश वर्मा, जिला कार्यालय मंत्री हरि पंडित, मण्डल अध्यक्ष रंजीत सिंह, नरेश प्रसाद यादव, संजय पासवान, नवीन कुमार चौधरी, प्रिया देवी, सुजीत कुमार, सुबोध सिन्हा, दुर्गा राय ,सूरज पारिजात सिंह,नवीन कुमार,पवन कुमार सिंह,अर्जुन कुमार यादव,रामचंद्र यादव,रवींद्र पांडेय,जितेंद्र सचिन कपसीमे,प्रमांशु कुमार, विजय बरनवाल,विशाल भदानी ,सबिता भदानी,अजित चंद्रवंशी, कुसुम देवी आदि प्रदेश के निदेर्शानुसार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला अध्यक्ष,जिला पदाधिकारी ,मोर्चा के ज़िलाध्यक्ष,मण्डल अध्यक्ष एवं मण्डल प्रभारी आदि कार्यकर्ता सम्मिलित हुए ।

दामोदर नदी में डूबने से छात्र की मौत, डीसी-एसपी ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों को बंधाया ढांढस

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो
बेरमो अनुमंडल अंतर्गत दामोदर नदी में नहाने के दौरान डूबने से शास्त्री नगर, फुसरो निवासी छात्र प्रियांशु गुलाटी की मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

घटना की सूचना प्राप्त होते ही उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना रीजनल हॉस्पिटल सीसीएल ढ़ोरी पहुंचे। उन्होंने मृतक छात्र के

परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा संवेदना व्यक्त की। उपायुक्त ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि जिला प्रशासन इस कठिन घड़ी में परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।डीसी ने कहा कि दामोदर नदी सहित अन्य जलाशयों के गहरे एवं खतरनाक स्थानों पर स्थायी चेतावनी बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो सके।उपायुक्त ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को अकेले नदी, तालाब अथवा गहरे जल क्षेत्रों की ओर जाने से रोकें तथा उन्हें लगातार सतर्क एवं जागरूक करें। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी सावधानी से बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है।जानकारी के अनुसार, प्रियांशु अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलने घर से निकला था। खेल समाप्त होने के बाद वह दो अन्य दोस्तों के साथ दामोदर नदी में नहाने गया। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई।

जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि नदी, तालाब एवं अन्य जलाशयों के समीप विशेष सावधानी बरतें तथा बच्चों पर सतत निगरानी रखें, ताकि इस प्रकार की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

उन्होंने प्रियांशु के परिजनों को आपदा प्रबंधन विभाग के तहत दी जाने वाली मुआवजा राशि भुगतान की कार्रवाई बीडीओ बेरमो एवं जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गांडेय में भाईचारे और अकीदत के साथ मनाया गया बकरीद का त्योहार।

गांडेय रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल।

गांडेय प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को ईद-उल-अजहा बकरीद का त्योहार पूरे धार्मिक उत्साह, अकीदत और आपसी भाईचारे के माहौल में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। सुबह से ही विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान नमाज अदा कर देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआएं मांगी गईं।

ईदगाहों में उमड़ी भीड़, देश के लिए मांगी दुआएं

गांडेय प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के तमाम मुस्लिम बहुल इलाकों में सुबह से ही उत्सव का माहौल रहा। इसी क्रम में डोकीडीह पंचायत के महजोरी ईदगाह में मुफ़्ती मोहम्मद जमरुद्दीन कासमी की इमामत में बकरीद की विशेष नमाज अदा की गई। मुफ्ती ने अपने तकरीर में त्योहार के महत्व पर प्रकाश डाला और त्याग व समर्पण की भावना को आत्मसात करने की बात कही।

एक-दूसरे को गले लगा दी मुबारकबाद

नमाज के समापन के बाद ईदगाह परिसर में ही लोग एक-दूसरे से गले मिले और ईद-उल-अजहा की मुबारकबाद दी। इसके बाद लोग अपने-अपने घरों को लौटे और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ कुबार्नी की रस्म निभाई। त्योहार को लेकर बच्चों में खासा उत्साह और रौनक देखी गई, वे नए-नए कपड़ों में सजे-धजे नजर आए।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। प्रखंड के विभिन्न संवेदनशील चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात थी। मुख्य रूप से गांडेय, अहिल्यापुर और ताराटांड़ थाना की पुलिस अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त करती

रांची में एक लाख बांग्लादेशी मौजूद हैं: केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने घुसपैठियों के लिए कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि जो भी घुसपैठियों झारखंड के अंदर हैं वह जल्द से जल्द बाहर निकल जाए, नहीं तो उन्हें उनके देश भेजने का काम किया जाएगा।संजय सेठ ने कहा कि रांची में एक लाख बांग्लादेशी मुसलमान घुसपैठिए मौजूद हैं। यह बातें बोकारो के सेक्टर 4 में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल होने के बाद मीडिया से बात करते हुए कही। बोकारो में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया था। जिसमें रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ बतौर मुख्य अतिथि दूसरे दिन शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि कि राज्य की स्थिति पूरी तरह से बादल है। कानून का शासन खत्म हो चुका है। कांग्रेस की बैसाखी पर झारखंड मुक्ति मोर्चा हेमंत सोरेन की सरकार चल रही है। कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं है, यही कारण है कि कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं का विरोध कर रही है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर सही ठहराया है। हम यह नहीं चाहते हैं कि बांग्लादेशी आकर यहां सरकार बनाने का काम करें। उन्होंने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव में भाजपा बेहतर प्रदर्शन करते हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सरकार बनाने का काम करेगी क्योंकि यहां झूठे वायदे कर लोगों को ठगने का काम किया गया है।रही, ताकि सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद बनी रहे।

के.एस.जी.एम. कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन-विधायक अरूप चटर्जी रहे मौजूद

कुमारधुबी-मैथन रोड स्थित के.एस.जी.एम. कॉलेज में भारत में जनजातीय समुदायों की स्थिति और दिशा - झारखंड के विशेष संदर्भ में) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ हुआ यह राष्ट्रीय सेमिनार झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग और झारखंड राज्य उच्च शिक्षा परिषद (JSHEC) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

दीप प्रज्वलित कर हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि निरसा विधायक अरूप चटर्जी एवं कॉलेज के गणमान्य अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ शंखनाद कर कार्यक्रम की मंगल शुरूआत की गई।

मईया समान योजना में रिश्वत लेने के मामले में डीसी ने की सेविका को चयन मुक्त

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लाभुकों से पैसे लेने के आरोप की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। आंगनबाड़ी केन्द्र चौफान उत्तरी की सेविका कुमारी सीमा को तत्काल प्रभाव से सेविका पद से चयनमुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 22 मई 2026 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें आंगनबाड़ी केन्द्र चौफान उत्तरी की सेविका कुमारी सीमा द्वारा झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना के लाभुकों के भौतिक सत्यापन के दौरान रुपये लेने का आरोप लगाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए दो सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी।जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में यह स्पष्ट पाया गया कि सेविका द्वारा लाभुकों से पैसे की वसूली की गई थी। जांच रिपोर्ट के आलोक में जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए आंगनबाड़ी केन्द्र चौफान उत्तरी, कोड संख्या-20355020112 की सेविका कुमारी सीमा को तत्काल प्रभाव से चयनमुक्त करने का अनुमोदन प्रदान किया है।इस पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट किया है कि सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार अथवा लाभुकों के शोषण को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने कहा कि दोषियों के विरुद्ध आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

यदुनंदन पाठक बने देवघर भाजपा के जिला प्रभारी, गांडेय में जश्न की लहर।

रफ्तार मीडिया सवाददाता
राजु मंडल गांडेय।

गांडेय राजनैतिक खबर.भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता यदुनंदन पाठक को देवघर जिले का नया जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष के इस फैसले के बाद गांडेय प्रखंड के भाजपाइयों और समर्थकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

निजी आवास पर सजा सम्मान समारोह

मनोनयन की खबर मिलते ही यदुनंदन पाठक के निजी आवास पर गांडेय मंडल अध्यक्ष प्रकाश यादव की अध्यक्षता में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान उत्साहित कार्यकताओं ने अपने चहेते नेता को बुके और फूल-मालाओं से लाद दिया। कार्यकताओं ने पार्टी और शीर्ष नेतृत्व के समर्थन में जमकर नारेबाजी भी की।

संगठनात्मक अनुभव का मिलेगा लाभ

इस मौके पर मौजूद वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि यदुनंदन पाठक के लंबे सांगठनिक अनुभव और कार्यकुशलता का बड़ा लाभ देवघर बीजेपी को मिलेगा। उनके नेतृत्व में देवघर जिले में पार्टी और अधिक मजबूत होगी। सभी नेताओं व कार्यकताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व के इस फैसले का स्वागत किया और आभार जताया।

समारोह में ये रहे मुख्य रूप से उपस्थित

जश्न और सम्मान समारोह में मुख्य रूप से जिला परिषद अध्यक्ष सह गांडेय विधानसभा प्रत्याशी मुनिया देवी, जयमंगल राय, रूद्र साकेत, अहिल्यापुर मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम चौधरी, ताराटांड मंडल अध्यक्ष चितामनी सिंह, सुरेन्द्र लोहानी राजेश भट्ट, श्याम पाठक, नीरज राय, शंकर राय,उमाशंकर वर्मा ,नकुल वर्मा, रंजीत स्वर्णकार और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश मंत्री एंथोनी स्वामी समेत दर्जनों वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बरवाअड्डा में दर्दनाक हादसा: गैरेज में अचानक लुढ़का ट्रक, चपेट में आने से मिस्त्री की मौत

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक

धनबादः बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के सिमराटांड़ स्थित गोविंद बाड़ी गैरेज में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। गैरेज में मरम्मत के लिए खड़ी एक ट्रक (संख्या जेएच-10-सीई-5756) अचानक अपनी जगह से लुढ़क गई। इसकी चपेट में आने से वहां कार्यरत 32 वर्षीय गैरेज मिस्त्री विकास शर्मा की मौत हो गई। मृतक मूल रूप से बिहार के लखीसराय जिले के बढ़ैया का रहने वाला था और यहां बरवाअड्डा में किराए के मकान में रहकर परिवार का भरण-पोषण करता था।अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने किया मृत घोषित गैरेज संचालक गोविंद हाजरा ने बताया कि विकास रोज की तरह गुरुवार सुबह समय पर काम पर आया था। वह गैरेज में खड़ा ही था कि तभी वहां खड़ी एक ट्रक अचानक ढुल गई। विकास को संभलने का मौका नहीं मिला और वह गाड़ी की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद गैरेज में अफरा-तफरी मच गई। सहकर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने ट्रक को किया जब्त, जांच शुरू घटना की सूचना मिलते ही बरवाअड्डा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर थाने ले आया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है कि खड़ी गाड़ी अचानक कैसे लुढ़की।परिवार में पसरा मातम विकास की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि विकास बेहद मेहनती और मिलनसार स्वभाव का व्यक्ति था। वह लंबे समय से इस गैरेज में काम कर रहा था। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है।

बाराबानी में विकास की पहल: मानवाधिकार एसोसिएशन ने विधायक को सौंपा 11 सूत्रीय ज्ञापन

रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन, जिला पश्चिम बर्दवान के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को बाराबानी के नव निर्वाचित विधायक अर्जित राय से उनके आवासीय कार्यालय में औपचारिक मुलाकात की। एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष डॉ. बिनय कुमार एवं जिला सचिव सतीश पांडे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर विधायक को जीत की बधाई दी। इस दौरान एसोसिएशन ने क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े 11 महत्वपूर्ण एजेंडों का ज्ञापन विधायक को सौंपा। प्रमुख मांगों में हिंदुस्तान केबल्स क्षेत्र में पुनः प्रोडक्शन यूनिट स्थापित कर रोजगार सृजन, प्रधानमंत्री स्किल डेवलपमेंट योजना को शीघ्र शुरू करना, पीठियाकारी अस्पताल का उच्चस्तरीय विकास और क्षेत्र के स्कूलों का डिजिटलाइजेशन शामिल हैं। साथ ही डावर मोड़ से रांची मोड़ तक जर्जर सड़क की मरम्मत, फायर ब्रिगेड सुविधा उपलब्ध कराना, बि 3 मार्केट के सामने बोरिंग की व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट की सुविधा, देशबंधु महाविद्यालय में हिंदी माध्यम की शुरूआत, हिंदुस्तान केबल्स क्षेत्र में बिजली मीटर लगाना और सलानपुर थाना को मुख्य मार्ग के निकट स्थानांतरित करने जैसे मुद्दे भी उठाए गए। विधायक अर्जित राय ने

सुबह होते ही पानी के लिए जंग लड़ने लगते हैं बोकारोवासी

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

स्टील सिटी बोकारो में जहां बड़े-बड़े उद्योग हैं, चमकती सड़कें भी हैं लेकिन इसी शहर में हजारों लोग आज भी साफ व पीने के लिए पानी के लिए तरस रहे हैं।मराफारी थाना क्षेत्र की कई बस्तियों में लोगों का आरोप है कि ट्यूबवेल से निकलने वाला पानी इतना दूषित और कठोर है कि वह पीने लायक नहीं रह गया है।

हालात ऐसे हैं कि महिलाओं और बच्चों को रोज कई किलोमीटर दूर जाकर घंटों लाइन में लगकर पानी लाना पड़ रहा है।

ये आलम बोकारो के मराफारी इलाके की हैं। जहां सुबह की शुरूआत पानी की जंग से होती है। बीएसएल लेबर हाउसिंग से सटे झोपड़ी कॉलोनी, कदम गाछ, घोइंचा टोला, जटान टोला, आहार टोला, रांची टोला, आजाद नगर, डिब्बागोड़ा और धोबी मोहल्ला जैसे इलाकों में रहने वाले हजारों परिवार बूंद-बूंद साफ पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके के ट्यूबवेलों से निकलने वाला पानी पीने योग्य नहीं है।पानी में अत्यधिक टीडीएस यानी टोटल डिजॉल्व्ड सॉलिड्स पाए जा रहे हैं, जिससे पानी का स्वाद कड़वा, नमकीन और धातु जैसा हो गया है। यदि हम बात करें विश्व स्वास्थ्य संगठन की तो इनके मुताबिक 500 पीपीएम से ऊपर का टीडीएस स्तर पीने योग्य नहीं माना जाता हैं।जबकि यहां पानी में टीडीएस का स्तर 900 से 1000 पीपीएम से भी अधिक बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है

कि हहम लोग रोज करीब दो किलोमीटर दूर पानी लेने जाते हैं। घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। कई बार तीन से पांच घंटे सिर्फ पानी लाने में लग जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं और बच्चों को हो रही है।

पुरुष काम पर निकल जाते हैं और फिर महिलाओं को भारी बर्तन लेकर पैदल दूर-दूर तक पानी ढोना पड़ता है।गर्मी बढ़ने के साथ हालात और भी बदतर होते जा रहे हैं।

गैर सरकारी संस्था हबेहतर झारखंडह द्वारा कराए गए परीक्षण में भी कई इलाकों के पानी में अत्यधिक टीडीएस स्तर पाए जाने का दावा किया गया है। वहीं भाजपा नेता विवेक सिंह का कहना है कि सरकार को बड़े स्तर पर जल शोधन प्रणाली लगानी चाहिए या हर घर नल का जल योजना के तहत पाइपलाइन से स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना चाहिए।हहालांकि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग फिलहाल इस समस्या से अनभिज्ञता जता रहा है। विभाग का कहना है कि अब तक उन्हें कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।लेकिन बड़ा सवाल यही है ।

जब हजारों लोग रोज दूषित पानी की समस्या झेल रहे हैं। तब क्या प्रशासन को हुई इसकी जानकारी नहीं है? स्टील सिटी कहे जाने वाले बोकारो में अगर लोग आज भी साफ पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं तो ये सिर्फ जल संकट नहीं बल्कि सिस्टम पर भी बड़ा सवाल है।

अब देखना होगा कि प्रशासन इन लोगों की प्यास कब बुझाता है। वैसे चास में भी जलसंकट गहराया हुआ है, चास के लोग बोकारो से पीने के लिए पानी ले जाते हैं जबकि करोड़ों रुपए की योजनाएं संचालित है वावयुद व्यवस्था में परिवर्तन नहीं हुआ। यह दीगर बात है कि पांच साल में सत्ता परिवर्तन तो होता है लेकिन व्यवस्था परिवर्तन संचिकाओ तक सिमट कर रह जाता हैं।

अकीदत के साथ मनाया गया ईद उल अजहा का पर्व

समामा औसाल, निरसा

त्याग, तपस्या और बलिदान का पर्व ईदुलअजहा पूरे निरसा अनुमंडल क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास, भाईचारे और अकीदत के साथ मनाया गया। सुबह से ही विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोगों ने मुल्क में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। वहीं पर्व को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया।

निरसा अनुमंडल के निरसा,तालडांगा , चिरकुंडा, कुमारधुबी, पंचेत, गलफरबाड़ी ,मैथन समेत विभिन्न क्षेत्रों के मस्जिदों और ईदगाहों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे और ईदुलअजहा की नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

इस दौरान मस्जिदों के इमामों ने अपने संबोधन में कहा कि ईदुलअजहा केवल जानवरों की कुबार्नी का पर्व नहीं, बल्कि अपने अहंकार, बुराइयों और नफरत को त्यागने का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इंसान को अपने अंदर की बुराइयों की कुबार्नी देकर समाज में प्रेम, भाईचारा और इंसानियत को मजबूत करना चाहिए। वहीं पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। तालडांगा ईदगाह में खुद निरसा एसडीपीओ लीलेश्वर महतो पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। इसके अलावा चिरकुंडा थाना प्रभारी आशुतोष कुमार, कुमारधुबी ओपी प्रभारी मैथ्यू एक्का, फागू होरो, मैथन में अभिनव कुमार, निरसा थाना प्रभारी अजीत भारती समेत पंचेत, गलफरबाड़ी, कालूबतान क्षेत्र के पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र में गश्त करते नजर आए।

चारों तरफ सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना ना हो और पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके। ईदुलअजहा त्याग, तपस्या और बलिदान का पर्व है। यह सिर्फ जानवरों की कुबार्नी तक सीमित नहीं है, बल्कि इंसान को अपने अंदर के घमंड, अहंकार और बुराइयों की भी कुबार्नी देनी चाहिए। यही इस त्योहार का असली संदेश है। कुल मिलाकर पूरे निरसा अनुमंडल क्षेत्र में ईदुलअजहा का त्योहार भाईचारे, सौहार्द और अमन के माहौल में संपन्न हुआ, जहां लोगों ने एकता और इंसानियत का संदेश देने का काम किया।

बकरीद पर्व को लेकर डीसी - एसपी ने कंपोजिट कंट्रोल रूम एवं मिनी कंट्रोल रूम का लिया जायजा

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने गुरुवार को कंपोजिट कंट्रोल रूम सहित रीतुडीह-सीवनडीह स्थित मिनी कंट्रोल रूम का संयुक्त निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों से क्षेत्र की विधि-व्यवस्था, संवेदनशील स्थलों एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों की गतिविधियों एवं विधि-व्यवस्था की स्थिति का भी जायजा लिया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी आपसी समन्वय एवं सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

वहीं, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एवं संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अफवाह फैलाने अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को लगातार गश्ती एवं सतर्क निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में कंट्रोल रूम की संचार व्यवस्था, सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम, ड्यूटी रजिस्टर एवं त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली की भी समीक्षा की गई। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को अलर्ट मोड में रहकर कार्य करने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार समेत अन्य उपस्थित थे।

कदाचार मुक्त परीक्षा के लिए जिला प्रशासन रेस: धनबाद के 14 केंद्रों पर 31 मई को बीएड-एमएड प्रवेश परीक्षा, शुक्रवार को गूगल मीट से निर्देश देंगे उपायुक्त

रफ़्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर रविवार (31 मई 2026) को बीएड, एमएड और बीपीएड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस परीक्षा को पूरी तरह कदाचार मुक्त, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार तथा एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद ने एक संयुक्त आदेश जारी कर अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश दिए हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजामः फ्लाइंग स्क्वायड और मजिस्ट्रेट तैनात

परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी 14 केंद्रों पर पर्यवेक्षक सह स्टैटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, महिला व पुरुष पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। इसके साथ ही पूरी परीक्षा पर नजर रखने के लिए फ्लाइंग स्क्वायड (उड़नदस्ता), पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट और रिजर्व मजिस्ट्रेट को भी मुस्तैद किया गया है।कंट्रोल रूम एक्टिव, तैनात रहेगी डॉक्टरों की टीम परीक्षा के दौरान पल-पल की सूचनाओं के अनुश्रवण और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए जिला नियंत्रण कक्ष को ही 'परीक्षा नियंत्रण कक्ष' के रूप में तब्दील किया गया है। कंट्रोल रूम प्रभारीः कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम को नियंत्रण कक्ष का प्रभारी बनाया गया है।

वरीय प्रभारः अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे जिला नियंत्रण कक्ष के वरीय प्रभार में रहेंगे।

पुलिस प्रभारः पुलिस उपाधीक्षक (सीसीआर) प्रदीप कुमार साव एवं जिला समादेष्टा (झारखंड गृह रक्षा वाहिनी) पुलिस पदाधिकारियों के वरीय प्रभार में रहेंगे।

हेल्पलाइनःजिला नियंत्रण कक्ष का फोन नंबर 0326-2311807 और 112 जारी किया गया है। नियंत्रण कक्ष में जीवन रक्षक दवाओं और एम्बुलेंस के साथ चिकित्सकों की एक विशेष टीम भी तैनात रहेगी।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई ईद-उल-अजहा की नमाज, धनबाद के रेलवे ग्राउंड में उमड़ा जनसैलाब

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः जिले भर में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का त्योहार पूरे अकीदत, हर्षोल्लास और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर जिले की तमाम मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों ने शांतिपूर्ण तरीके से ईद की नमाज अदा की। नमाज के दौरान बारगाह-ए-इलाही में हाथ उठाकर देश की खुशहाली, तरक्की, अमन और चैन के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं।धनबाद के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि पूरे जिले में त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जिला प्रशासन ने सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए थे। सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ मजिस्ट्रेट तैनात रहे। जिला कंट्रोल रूम में किसी भी अप्रिय घटना या अव्यवस्था की शिकायत दर्ज नहीं हुई। इसके अलावा नगर निगम की टीम ने भी साफ-सफाई को लेकर सुबह से ही विशेष अभियान चलाया।रेलवे ग्राउंड में जुटी सबसे बड़ी भीड़जिले की सबसे बड़ी नमाज धनबाद के रेलवे ग्राउंड में अदा की गई। यहाँ हजारों की संख्या में मुस्लिम भाइयों ने एक साथ सफों (कतारों) में खड़े होकर खुदा की इबादत की और सजदा किया। इस दौरान ग्राउंड में सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का एक अद्भुत नजारा देखने को मिला।इमाम ने दिया इंसानियत और त्याग का संदेशरेलवे ग्राउंड में जामा मस्जिद के इमाम ने ईद की नमाज संपन्न कराई। नमाज के बाद कौम को संबोधित करते हुए इमाम ने कहा कि ईद-उल-अजहा का यह त्योहार हमें त्याग, बलिदान और इंसानियत की राह पर चलने का संदेश देता है। उन्होंने सभी से आपसी मतभेद भुलाकर समाज में प्रेम, भाईचारा और सौहार्द कायम रखने की पुरजोर अपील की।नमाज मुकम्मल होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की दिली मुबारकबाद दी। रेलवे ग्राउंड के साथ-साथ गोविंदपुर, झरिया, कुसुंडा, भुली, बलियापुर, लोयाबाद, सरायढेला और बैंक मोड़ सहित जिले के तमाम शहरी व ग्रामीण इलाकों की मस्जिदों में भी ईद की नमाज

झुमरी तिलैया नगर परिषद की विकास मांगों को लेकर अध्यक्ष ने मंत्री एवं अधिकारियों को सौंपा पत्र

झुमरी तिलैया -ः झुमरी तिलैया नगर परिषद के अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार के मंत्री को धन्यवाद एवं ध्यानाकर्षण पत्र सौंपते हुए शहर के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याओं और आवश्यकताओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया।

पत्र में नगर परिषद अध्यक्ष ने राज्य सरकार द्वारा नगर परिषद के सर्किल रेट में संशोधन किए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के इस निर्णय से स्थानीय नागरिकों को काफी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को गति मिल रही है, जिससे झुमरी तिलैया नगर क्षेत्र के लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

इसके साथ ही उन्होंने शहर की मूलभूत समस्याओं और विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने की मांग रखी। पत्र में नगर क्षेत्र के लिए मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट, 500 लोगों की क्षमता वाले टाउन हॉल, इंडोर स्टेडियम एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पशु दाहगृह (एनिमल क्रेमेटोरियम), स्लॉटर हाउस, अम्यूजमेंट पार्क, जॉगर्स पार्क तथा इलेक्ट्रिक क्रेमेटोरियम के निर्माण की आवश्यकता बताई गई।

इसके अतिरिक्त शहर में डिजिटल एवं एडवांस लाइब्रेरी, पांच मैरेज हॉल, प्रत्येक वार्ड में वार्ड विकास केंद्र, स्वच्छता प्रबंधन हेतु मिनी ट्रांसफर स्टेशन, एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट), पूरे शहर के लिए सुदृढ़ सीवरेज व्यवस्था तथा शहरी परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 10 मिनी बसों की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई।

नगर परिषद अध्यक्ष ने शहर के प्रमुख 10 तालाबों के सौंदर्यीकरण की मांग करते हुए कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसी क्रम में नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने रांची पहुंचकर नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार एवं अवर सचिव अतुल कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शहर की विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा विभिन्न मांगों से संबंधित मांग पत्र भी सौंपा।

अंत में अध्यक्ष ने मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों से अनुरोध किया कि शहरवासियों की सुविधा एवं विकास को ध्यान में रखते हुए इन सभी योजनाओं पर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि आमजन को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

ग्राम सभा के जरिये गांव-गांव पहुंचेगी झारखण्ड पुलिस, अब हर 10-15 दिन में होगी सीधी संवाद बैठक

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांची//मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय तैयार कर रहा है इसके लिए एसओपी

झारखंड में अब पुलिस व्यवस्था को और अधिक जनसरोकारों से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी है. राज्य में पुलिस के वरीय पदाधिकारी और थानेदार अब ग्राम सभा के माध्यम से सीधे ग्रामीणों की समस्याएं जानेंगे. इसके तहत हर 10 से 15 दिनों के अंतराल पर ग्राम सभाओं के साथ बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें स्थानीय समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में पहल की जाएगी. यह पहल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा हाल ही में विधि-व्यवस्था की समीक्षा बैठक में दिए गए निदेर्शों के बाद शुरू की जा रही है. निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय भी पूरी गंभीरता के साथ इस व्यवस्था को लागू करने में जुट गया है. इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जा रही है, ताकि राज्य के सभी थाना और ओपी स्तर पर इसे प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके.बल्कि अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी मदद मिलेगी

मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा था कि ग्राम सभाओं के साथ नियमित संवाद से न केवल पुलिस और ग्रामीणों के बीच दूरी कम होगी, बल्कि अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी मदद मिलेगी. इससे स्थानीय स्तर पर सूचनाओं का आदान-प्रदान बढ़ेगा, जिससे समय पर कार्रवाई संभव हो सकेगी. साथ ही, ग्रामीणों के बीच पुलिस के प्रति विश्वास और विश्वसनीयता भी मजबूत होगी. पुलिस विभाग के स्तर पर यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि पुलिसकर्मियों के व्यवहार और आचरण में संवेदनशीलता लाई जाए. आज के दौर में किसी भी घटना का वीडियो या सूचना इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो जाता है, ऐसे में पुलिस के सकारात्मक कार्यों को भी व्यापक रूप से प्रचारित करने की रणनीति बनाई जा रही है.

हेल्पलाइन नंबरों पर चलेगा जागरूकता अभियान

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय ने यह भी तय किया है कि विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के प्रति आम जनता को जागरूक किया जाएगा. डायल-112 सेवा का विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्रों और अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा. समय-समय पर संदेशों के जरिए भी लोगों को इसकी जानकारी दी जाएगी. इसके अलावा, अपराधियों और आपराधिक गिरोहों के प्रति सतर्क रहने के लिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा. पुलिस के अच्छे कार्यों को भी प्रचारित किया जाएगा ताकि जनता का भरोसा और मजबूत हो सके.स्कूल-कॉलेजों में भी बढ़ेगी पुलिस की मौजूदगी

नई पहल के तहत वरीय पुलिस अधिकारी और थानेदार स्कूलों, कॉलेजों और विशेष रूप से महिला कॉलेजों में नियमित रूप से भ्रमण करेंगे.

संपादकीय

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम हेट स्पीच

सुप्रीम कोर्ट के 29 अप्रैल 2026 फैसले का व्यापक समग्र विश्लेषण भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)( ) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार देता है, लेकिन अनुच्छेद 19(2) के तहत इस अधिकार पर उचित प्रतिबंध भी लगाए जा सकते हैं
हेट स्पीच केवल एक कानूनी समस्या नहीं है यह एक सामाजिक, नैतिक और राजनीतिक चुनौती भी है,भारत में कानूनों की कमी नहीं है, बल्कि उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाने की वह सख़्ती से क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है

वैश्विक स्तरपर संचार क्रांति ने जिस गति से समाज को बदला है,वह अभूतपूर्व है। इंटरनेट, सोशल मीडिया और 247 ब्रॉडकास्ट मीडिया के विस्तार ने सूचना के प्रवाह को इतना तेज बना दिया है कि अब किसी व्यक्ति, चाहे वह आम नागरिक हो,राजनीतिक नेता हो या धार्मिक वक्ता,इनका एक शब्द भी कुछ ही मिनटों में लाखों-करोड़ों लोगों तक पहुंच जाता है। यह तकनीकी प्रगति जहां लोकतंत्र को मजबूत करने, विचारों के आदान-प्रदान और पारदर्शिता बढ़ाने का माध्यम बनी है,वहीं इसके नकारात्मक पहलू भी उतनी ही तेजी से सामने आए हैं। खासकर हेट स्पीच यानें नफरत फैलाने वाले भाषणों ने सामाजिक सौहार्द, धर्मनिरपेक्षता और भाईचारे की भावना के लिए गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जब कोई भड़काऊ बयान, अफवाह या सांप्रदायिक टिप्पणी वायरल होती है, तो उसका प्रभाव केवल डिजिटल दुनियाँ तक सीमित नहीं रहता, वह वास्तविक जीवन में तनाव,अविश्वास, हिंसा और यहां तक कि दंगों का कारण बन सकता है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत समेत दुनियाँ के कई देशों में हेट स्पीच को नियंत्रित करने के लिए कानूनों और न्यायिक हस्तक्षेप की मांग तेज हुई है।

इसी पृष्ठभूमि में 29 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसने इस बहस को नई दिशा दी।अदालत ने हेट स्पीच को रोकने के लिए नए दिशानिर्देश बनाने या अतिरिक्त न्यायिक हस्तक्षेप से इनकार करते हुए स्पष्ट कहा कि मौजूदा कानूनी ढांचा इन अपराधों से निपटने के लिए पर्याप्त है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह भी रेखांकित किया कि समस्या कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन की है। यह निर्णय केवल कानूनी दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्रमें शक्तियों के पृथक्करण न्यायपालिका विधायिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन को भी स्पष्ट करता है।

साथियों बात अगर हम हेट स्पीच के खिलाफ दायर याचिकाओं में याचिकाकताओं ने तर्क को समझने की करें तो उन्होंने तर्क दिया था कि वर्तमान कानून अस्पष्ट हैं और उनका प्रभावी तरीके से पालन नहीं हो रहा हैउनका कहना था कि राजनीतिक भाषणों, धार्मिक सभाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से फैल रही नफरत समाज में विभाजन को बढ़ा रही है और इसके लिए एक स्पष्ट, सख्त और समग्र कानून की आवश्यकता है। कोरोना जिहाद जैसे विवादित नैरेटिव और विभिन्न धार्मिक मंचों से दिए गए भड़काऊ भाषणों का उदाहरण देते हुएउन्होंने अदालत से मांग की थी कि वह इस दिशा में ठोस दिशानिर्देश जारी करे। लेकिन अदालत ने इन तर्कों को स्वीकार नहीं किया और दोहराया कि कानून बनाने का अधिकार संसद और राज्य विधानसभाओं के पास है, न कि न्यायपालिका के पास। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक न्यायालय कानून की व्याख्या कर सकते हैं और मौलिक अधिकारों को लागू करवा सकते हैं, लेकिन वे खुद कानून नहीं बना सकते। साथियों बात अगर हम इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह यह है कि अदालत ने भारतीय न्यायिक परंपरा को कायम रखते हुए विधायी शून्य (लेजिस्लेटिव वेंक्यूम) की अवधारणा को खारिज किया।

सत्ता, संदेश और बदलती राजनीति का तीखा सच

डॉ. घनश्याम बादल

पांच महत्वपूर्ण राज्यों- पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के ताजा विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं।

पश्चिम बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट है। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई। प्रशासनिक पक्षपात, कथित भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर सत्ता के केंद्रीकरण और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों ने मतदाता को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। दूसरी ओर, विपक्ष ने केवल विरोध नहीं किया बल्कि बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया और एक वैकल्पिक राजनीतिक कथा गढ़ी। यह जीत केवल एक दल की नहीं, बल्कि उस रणनीति की है जिसमें संगठन, विचार और मौके की सही पहचान का संगम हुआ। हालांकि अब इन चुनाव परिणाम की सच्चाई से बचने के लिए विपक्ष एस आइ आर, केंद्र द्वारा प्रशासनिक मशीनरी एवं सीबीआई तथा ई डी जैसे संस्थानों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाएगा। लेकिन बेहतर हो कि अभी तक सट्टा रोड दल उन मुद्दों पर गौर करें जिनकी वजह से बंगाल की जनता में असंतोष पनप और गलत संदेश गया। असम में तस्वीर थोड़ी अलग है यहां सत्ता विरोध की लहर को वहां के सत्तारूढ़ नेतृत्व ने कुंद कर दिया।

स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र की सेहत का आईना

सौरभ वार्ष्णेय

प्रत्येक वर्ष 3 मई को पूरे विश्व में प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सेहत का आईना है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक मीडिया किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। प्रेस की आजादी सिर्फ पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों के जानने के अधिकार का विस्तार है। वहीं रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में 157 वें स्थान पर है। पिछले वर्ष (2025) के 151वें स्थान की तुलना में यह छह पायदान की गिरावट है। भारत में पत्रकारों के खिलाफ हिंसा, मीडिया के केंद्रीकृत स्वामित्व और राजनीतिक दबाव के कारण यह रैंकिंग बेहद गंभीर श्रेणी में है। आज जब दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो गया है। लेकिन इसी के साथ प्रेस की स्वतंत्रता पर नए प्रकार के खतरे भी मंडरा रहे हैं। फेक न्यूज, ट्रोल संस्कृति, सत्ता का दबाव, कॉरपोरेट हितों का प्रभाव और पत्रकारों की सुरक्षा जैसे मुद्दे गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। कई देशों में पत्रकारों को सच्चाई उजागर करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है–यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चिंताजनक है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहां प्रेस न केवल सत्ता की निगरानी करता है, बल्कि समाज के हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज भी बनता है। हालांकि, हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि क्या मीडिया अपनी स्वतंत्रता और निष्पक्षता को बनाए रखने में पूरी तरह सफल है गोडी मीडिया जैसे शब्दों का प्रचलन इस चिंता को दशार्ता है कि कहीं न कहीं मीडिया का एक वर्ग सत्ता के अधिक निकट जाता दिख रहा है। प्रेस की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह बिना जिम्मेदारी के कार्य करे। स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी जुड़ी होती है। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्य की खोज, तथ्यों की पुष्टि और निष्पक्ष प्रस्तुति है। जब मीडिया सनसनीखेजता या पक्षपात की ओर झुकता है, तो वह अपने ही अस्तित्व को कमजोर करता है। सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे पत्रकारों को सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण प्रदान करें, जहां वे बिना भय के अपना कार्य कर सकें। वहीं, मीडिया संस्थानों को भी आत्ममंथन करना होगा कि वे व्यावसायिक दबावों से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता दें। लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल सिद्धांत है। लोकतंत्र किसी भवन की तरह है, जिसकी नींव जनता की भागीदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर टिकी होती है। यदि इस अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाया जाए, तो लोकतंत्र का ढांचा धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है।स्वतंत्र आवाज केवल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के विचार, प्रश्न और असहमति को व्यक्त करने के अधिकार का प्रतीक है।

जब नागरिक बिना भय के अपनी बात कह पाते हैं, तभी सरकारें जवाबदेह बनती हैं और नीतियों में पारदर्शिता आती है। इसके विपरीत, जब आवाजों को दबाया जाता है, तो सत्ता निरंकुशता की ओर बढे लगती है।आज के समय में यह चुनौती और भी जटिल हो गई है।

एक ओर डिजिटल प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, वहीं दूसरी ओर दुष्प्रचार, ट्रोलिंग और सेंसरशिप जैसी प्रवृत्तियां भी सामने आई हैं। ऐसे में संतुलन बनाना आवश्यक है–जहां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनी रहे, वहीं जिम्मेदारी और सत्यनिष्ठा भी सुनिश्चित हो।

लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता; यह निरंतर संवाद, आलोचना और विचार-विमर्श की प्रक्रिया है। इसलिए जरूरी है कि हम न केवल अपनी आवाज को स्वतंत्र रखें, बल्कि दूसरों की आवाज को सुनने और सम्मान देने की संस्कृति भी विकसित करें। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी आवाज कितनी स्वतंत्र, निष्पक्ष और सशक्त है। यदि यह आवाज जीवित और निर्भीक है, तो लोकतंत्र भी जीवित और सशक्त रहेगा।

प्रेस की स्वतंत्रता केवल कानूनों से नहीं, बल्कि समाज की जागरूकता और समर्थन से भी सुरक्षित रहती है। जब नागरिक सच को महत्व देंगे और निष्पक्ष पत्रकारिता का साथ देंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस हमें यही संदेश देता है–अगर लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आवाज को स्वतंत्र रखना ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ब्रोंकियल अस्थमा : लक्षण और बचाव

सुनील कुमार महला

मीडिया की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की मजबूती के संदर्भ में हर वर्ष 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि मीडिया केवल समाचार देने का ही माध्यम नहीं है, बल्कि यह विश्व में शांति, पारदर्शिता और जवाबदेही स्थापित करने का भी एक सशक्त व शानदार उपकरण है। कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश में प्रेस की स्थिति उसके लोकतंत्र की मजबूती का असली दर्पण होती है, शायद यही कारण भी है कि इसे ह्यलोकतंत्र का आईनाह्न भी कहा जाता है। वास्तव में, प्रेस की स्वतंत्रता सीधे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ी है, जो एक मौलिक मानव अधिकार है।सच तो यह है कि यह केवल एक सिद्धांत नहीं, बल्कि कानूनी अधिकार भी है।पाठक जानते होंगे कि कई देशों में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए कानून बनाए गए हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी एक बड़ी चुनौती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को समझाना, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

यदि हम इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें तो वर्ष 1991 में नामीबिया(अफ्रीका) में आयोजित सम्मेलन में विंडहोक घोषणा को अपनाया गया था, जिसमें स्वतंत्र, बहुलवादी और मुक्त प्रेस का आह्वान किया गया। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1993 में 3 मई को इस दिवस के रूप में घोषित किया। गौरतलब है कि यह प्रस्ताव यूनेस्को के 26वें महासम्मेलन में पारित किया गया था।यहां उल्लेखनीय है कि इस दिवस पर हर वर्ष एक वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया जाता है। वर्ष 2026 में यह सम्मेलन लुसाका (जाम्बिया) में आयोजित हो रहा है, जहां पत्रकार, तकनीकी विशेषज्ञ, नीति-निमार्ता और मानवाधिकार कार्यकर्ता एक साथ विचार-विमर्श करते हैं। इतना ही नहीं, इसी अवसर पर यूनेस्को द्वारा गिलर्मो कैनो विश्व प्रेस स्वतंत्रता पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है, जो उन पत्रकारों को सम्मानित करता है, जिन्होंने जोखिम उठाकर सत्य को निष्पक्षता और निडरता से दुनिया के सामने उजागर किया।बहुत कम लोग जानते हैं कि रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स हर वर्ष विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक जारी करता है, जिससे यह आकलन किया जाता है कि किस देश में मीडिया कितनी स्वतंत्र है। वास्तव में, यह सूचकांक वैश्विक स्तर पर प्रेस की स्थिति को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

आज एआइ व संचार क्रांति का दौर है और आज के डिजिटल युग में प्रेस की परिभाषा और स्वरूप दोनों बदल गए हैं। पहले जहां अखबार, रेडियो और टीवी प्रमुख थे, वहीं अब इंटरनेट और सोशल मीडिया भी डिजिटल प्रेस का रूप ले चुके हैं। आम नागरिक भी अब सूचना के प्रसार में भागीदारी कर रहे हैं। इससे सूचना का प्रवाह तेज हुआ है, लेकिन फेक न्यूज और दुष्प्रचार का खतरा भी बढ़ गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) ने पत्रकारिता के क्षेत्र में नए अवसर और चुनौतियां दोनों पैदा की हैं। यह खबरों के संग्रह और विश्लेषण को तेज बनाती है, लेकिन इसका दुरुपयोग गलत सूचनाएं फैलाने में भी हो सकता है। सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि लोगों को कौन-सी खबर दिखाई जाएगी, जिससे अदृश्य नियंत्रण का एक नया स्वरूप उभर रहा है। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है, जो समकालीन चुनौतियों को दशार्ती है। वर्ष 2025 की थीम थी-बहादुर नई दुनिया में रिपोर्टिंग: प्रेस स्वतंत्रता और मीडिया पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव। वास्तव में, यह थीम खास तौर पर इस बात पर केंद्रित थी कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) पत्रकारिता, मीडिया और सूचना प्रणाली को कैसे बदल रही है ।एआइ(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)पत्रकारिता को तेज और प्रभावी बना रही है,लेकिन साथ ही फेक न्यूज, डीपफेक और दुष्प्रचार जैसी चुनौतियाँ भी बढ़ा रही है।इस थीम का मुख्य संदेश था कि तकनीक का उपयोग इस तरह किया जाए कि वह प्रेस की स्वतंत्रता को मजबूत करे, कमजोर नहीं।वहीं वर्ष 2026 की थीम है-शांति के भविष्य का निमार्णः मानवाधिकार, विकास और सुरक्षा के लिए प्रेस स्वतंत्रता को बढ़ावा देना। भारत के संदर्भ में, संविधान में प्रेस की स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, लेकिन यह अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में निहित है। यह नागरिकों को बिना किसी भय के अपनी बात रखने का अधिकार देता है।हालांकि; राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और नैतिकता के आधार पर कुछ सीमाएं भी लागू होती हैं। गौरतलब है कि भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारतीय प्रेस परिषद, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया जैसे संस्थान कार्यरत हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स और कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अ

ाज के समय में प्रेस और पत्रकारिता के समक्ष कई चुनौतियां मौजूद हैं। मसलन-पत्रकारों पर हमले, धमकियां, मानहानि के मुकदमे, मीडिया स्वामित्व का केंद्रीकरण, सरकारी विज्ञापनों पर निर्भरता, राजद्रोह और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कानून, तथा सेल्फ-सेंसरशिप। ये सभी प्रेस की स्वतंत्रता को प्रभावित करते हैं। बहरहाल, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत में हर वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है, जो प्रेस की जिम्मेदारी और स्वतंत्रता की याद दिलाता है। प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और वॉचडॉग की भूमिका निभाता है। यह सरकार और अन्य शक्तिशाली संस्थानों की जवाबदेही सुनिश्चित करता है, भ्रष्टाचार को उजागर करता है और नागरिकों को जागरूक बनाता है। प्रसिद्ध पत्रकार वाल्टर क्रोनकाइट ने कहा था-प्रेस

परिवर्तन की बयार और सत्ता के बदलते समीकरण

महेन्द्र तिवारी

वर्तमान विधानसभा चुनावों के परिणाम केवल सत्ता के हस्तांतरण की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे भारतीय लोकतंत्र के विकसित होते स्वरूप का एक जीवंत दस्तावेज हैं। भारत के राजनीतिक मानचित्र पर पूरब से दक्षिण तक जो लहर दिखाई दी है, उसने स्थापित मान्यताओं को ध्वस्त करते हुए एक नई वैचारिक धरातल तैयार की है। पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु और केरल से लेकर असम तक, मतदाताओं ने जिस प्रकार का विवेक प्रदर्शित किया है, वह यह स्पष्ट करता है कि अब भारतीय राजनीति केवल प्रतीकों के सहारे नहीं, बल्कि ठोस परिणामों और नए विकल्पों के आकर्षण पर आधारित हो चुकी है। इन चुनावों में सबसे चौंकाने वाला और ऐतिहासिक परिवर्तन पश्चिम बंगाल की धरती पर देखा गया। भारतीय जनता पार्टी ने यहाँ पहली बार पूर्ण बहुमत प्राप्त कर राज्य में अपनी सरकार बनाने की स्थिति हासिल की है। यह परिवर्तन साधारण नहीं है क्योंकि इसने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले लगभग 15 वर्ष लंबे शासन का अंत कर दिया है। बंगाल की राजनीति, जो दशकों तक वामपंथी और फिर तृणमूल कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही, अब एक बिल्कुल नई दिशा में मुड़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यहाँ सत्ता-विरोधी लहर के साथ-साथ सांस्कृतिक और संगठनात्मक बदलाव की जो प्रक्रिया वर्षों से चल रही थी, उसने 2026 में अपना पूर्ण स्वरूप प्राप्त कर लिया। यह जीत केवल एक राज्य की जीत नहीं है, बल्कि इसे पूर्वी भारत में एक बड़ी राष्ट्रीय विचारधारा के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। बंगाल के मतदाताओं ने इस बार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक जड़ता के विरुद्ध विकास और नई कार्यसंस्कृति को प्राथमिकता दी है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा झटका है क्योंकि उनकी पकड़ न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर हुई, बल्कि शहरी मध्यम वर्ग ने भी इस बार परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया। दक्षिण की ओर रुख करें तो तमिलनाडु ने पूरे देश को अपनी राजनीतिक परिपक्वता और नए नेतृत्व के प्रति उत्साह से विस्मित कर दिया है। अभिनेता विजय की नवगठित पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम ने अपने पहले ही चुनाव में जो प्रदर्शन किया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। तमिलनाडु की राजनीति दशकों से द्रविड़ मुनेत्र कझगम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम जैसी दो पारंपरिक पार्टियों के वर्चस्व में बंधी हुई थी। विजय की पार्टी ने इस द्विपक्षीय चक्र को तोड़कर स्वयं को एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित किया। आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो उनकी पार्टी ने 100 से अधिक सीटों पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है, जिससे वह राज्य की राजनीति में केवल तीसरी ताकत नहीं, बल्कि एक नई धुरी बनती दिख

केवल अधिकार नहीं, जिम्मेदारी भी है पत्रकारिता

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रेस को सदैव लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की संज्ञा दी जाती रही है क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती में इसकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को बहुत अहम माना गया है लेकिन विड़म्बना है कि विगत कुछ वर्षों से यहां भी प्रेस स्वतंत्रता के मामले में लगातार कमी देखी जा रही है। इसीलिए प्रतिवर्ष 3 मई को ह्यविश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवसह्न मनाया जाता है। कलम को तलवार से भी ज्यादा ताकतवर और तलवार की धार से भी ज्यादा प्रभावी इसीलिए माना गया है क्योंकि इसी की सजगता के कारण न केवल भारत में बल्कि अनेक देशों में पिछले कुछ दशकों के भीतर बड़े-बड़े घोटालों का पदार्फाश हो सका, जिसके चलते बड़े-बड़े उद्योगपतियों, नेताओं तथा विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गजों को एक ही झटके में अर्श से फर्श पर आना पड़ा। यही कारण हैं कि समय-समय पर कलम रूपी इस हथियार को भोथरा बनाने या तोड़ने के कुचक्र होते रहे हैं और विभिन्न अवसरों पर न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में सच की कीमत कुछ पत्रकारों को अपनी जान देकर भी चुकानी पड़ती है। पिछले दशकों में प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में स्थितियां काफी बदल गई हैं। आज दुनियाभर में पत्रकारों पर राजनीतिक, अपराधिक और आतंकी समूहों का सर्वाधिक खतरा है और भारत भी इस मामले में अछूता नहीं है। विड़म्बना है कि दुनियाभर के न्यूज रूम्स में सरकारी तथा निजी समूहों के कारण भय और तनाव में वृद्धि हुई है।

पेरिस स्थित रिपोर्टर्स सैन्स फ्रंटियर्स (आरएसएफ) अथवा रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स नामक संस्था द्वारा हर साल अपनी वार्षिक रिपोर्ट में प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर जो तथ्य प्रस्तुत किए जाते रहे हैं, वे सदैव चौंकाने वाले होते हैं। हालांकि यह अलग बात है कि कुछ देश इस रिपोर्ट में जारी किए जाने वाले आंकड़ों को पूर्वाग्रह से प्रेरित बताकर खारिज भी करते रहे हैं। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स एक ऐसा गैर-लाभकारी संगठन है, जो विश्वभर के पत्रकारों पर हमलों का दस्तावेजीकरण करने और मुकाबला करने के लिए कार्यरत है और प्रतिवर्ष वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स अर्थात विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक नामक रिपोर्ट पेश करता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2019 में उसने भारत सहित विभिन्न देशों में प्रेस की स्वतंत्रता की स्थिति की विवेचना करते हुए स्पष्ट किया था कि किस प्रकार विश्वभर में पत्रकारों के खिलाफ घृणा हिंसा में बदल गई है, जिससे दुनियाभर में पत्रकारों में डर बढ़ा है।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2026 के अनुसार, 180 देशों की सूची में भारत 157वें स्थान पर खिसक गया है जबकि 2025 में भारत 151वें स्थान पर था यानी एक वर्ष में छह स्थानों की गिरावट दर्ज की गई है। इससे पूर्व 2024 में भारत 159वें, 2023 में 161वें और 2022 में 150वें पायदान पर खड़ा था। यह रिपोर्ट प्रेस स्वतंत्रता के लिए भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट का संकेत देती है। रिपोर्ट के मुताबिक पत्रकारों के साथ व्यवहार के लिए संतोषजनक माने जाने वाले देशों की संख्या बढ़ रही है लेकिन ऐसी संख्या भी कम नहीं है, जहां स्थिति बहुत गंभीर है।

रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स द्वारा जारी दुनियाभर के देशों की प्रेस फ्रीडम रैंकिंग में भारत जहां 2024 में 2023 के मुकाबले दो पायदान ऊपर चढ़ा, वहीं 2023 में 2022 के मुकाबले 11 पायदान नीचे गिरा था और 2022 में भी 2021 की रैंकिंग के मुकाबले 8 स्थान नीचे फिसला था।

2021 की रैंकिंग में भारत का स्थान 142वां था। विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2026 की सूची में नॉर्वे शीर्ष पर है। भारत के लोकतंत्र को तो दुनिया का सबसे सफल और बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है, वहीं अगर नार्वे जैसा छोटा सा देश प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में लगातार शीर्ष स्थान पर विराजमान है और चीन को छोड़कर भारत के लगभग सभी पड़ोसी देश भी बेहतर स्थिति में है तो यह स्थिति भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिए सही स्थिति नहीं है।

ऐसे में हमें गंभीरता से मंथन करने की जरूरत है कि हम इस मामले में वर्ष दर वर्ष क्यों फिसल रहे हैं प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में यह गिरावट स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। प्रेस की स्वतंत्रता में कमी आने का सीधा और स्पष्ट संकेत यही है कि लोकतंत्र की मूल भावना में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जो अधिकार निहित है, उसमें धीरे-धीरे कमी आ रही है।

मुफ्तखोरी की राजनीति और निरंकुश महंगाई

डॉ. सुधाकर आशावादी

सत्ता की चाहत में सभी राजनीतिक दल लोकलुभावन वादे करके अपना स्वार्थ तो सिद्ध कर लेते हैं, लेकिन इसका सीधा असर उस मध्यम आय वर्ग की जेब पर पड़ता है, जो लोकलुभावन वादों की परिधि में नहीं आता। येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए देश के सभी राज्यों में जनता को मुफ्त बिजली, पानी, नकद राशि, मकान का वादा करके सत्ता सुख भोगने वाले तत्व न तो राजकोषीय घाटा बढ़ने की परवाह करते हैं और न ही अर्थव्यवस्था के चरमराने की। क्योंकि वे जानते हैं, कि मुफ्तखोरी का दाव ही उनकी सत्ता का आधार है। लम्बे समय से देश में बड़ी जनसंख्या को मुफ्त राशन देने की योजना ने जहाँ मुफ्तखोरों को अकर्मण्य बना दिया है, वहाँ फर्जी राशन कार्ड तथा अन्य भ्रष्टाचार के तरीके आजमाकर घोटालों को अंजाम दिया जाना नई बात नहीं रह गई है। केंद्र सरकार भी इसी राजनीति के चलते मौका देखकर समय समय पार आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ाती रहती है। ईरान अमेरिकी युद्ध के चलते पेट्रोल व गैस उत्पादों की मूल्य वृद्धि भी इस राजनीति का शिकार हुई है। कच्चे तेल के घटते बढ़ते भावों के बीच कच्चे तेल के दाम घटने का अनुपातिक लाभ आम आदमी को नहीं दिया गया, वहीं बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनावों को देखते हुए पेट्रोल व गैस के दामों को न बढ़ाने का आश्वासन दिया गया। चुनाव संपन्न होते ही व्यवसायिक गैस सिलेंडर के दामों में बेतहाशा वृद्धि करके सरकार ने आम आदमी की थाली महंगी कर दी। देश में एक बड़ा कारोबार भोज्य पदार्थों से ही जुड़ा है। समाज में एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जो रोजमर्रा मेहनत मजदूरी करके जैसे तैसे अपना भरण पोषण करता है। एक बड़ा रोजगार रेहड़ी पटरी पर भोजन बनाने का भी है, व्यवसायिक गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ाना उनकी विवशता है। विगत दो तीन महीनों में ही व्यावसायिक गैस सिलेंडर के मूल्यों में पचास प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो चुकी है।

कहना गलत न होगा कि एक ओर तो सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मुफ्तखोरी को बढ़ावा दे रही है,वहीं दूसरी ओर आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं के दामों में बेतहाशा वृद्धि करके महँगाई से आम आदमी की कमर तोड़ने में भी संकोच नहीं कर रही है। ऐसी भी राजनीति किस काम की, जो सत्ता की मलाई खाने के फेर में मुफ्तखोरी को बढ़ावा दे तथा देश के ईमानदार लोगों की रोजमर्रा की जिन्दगी को कष्टों में धकेलने में संकोच न करे। लगता है कि संकीर्ण राजनीति देश को ऐसे मोड़ पर ले आई है, जहाँ आम आदमी के सम्मुख जीवन मरण का संकट उत्पन्न हो गया है। यदि समय रहते उपभोक्ता वस्तुओं के दामों पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो हो सकता है कि यही सत्ता के पतन का प्रमुख कारण बने।

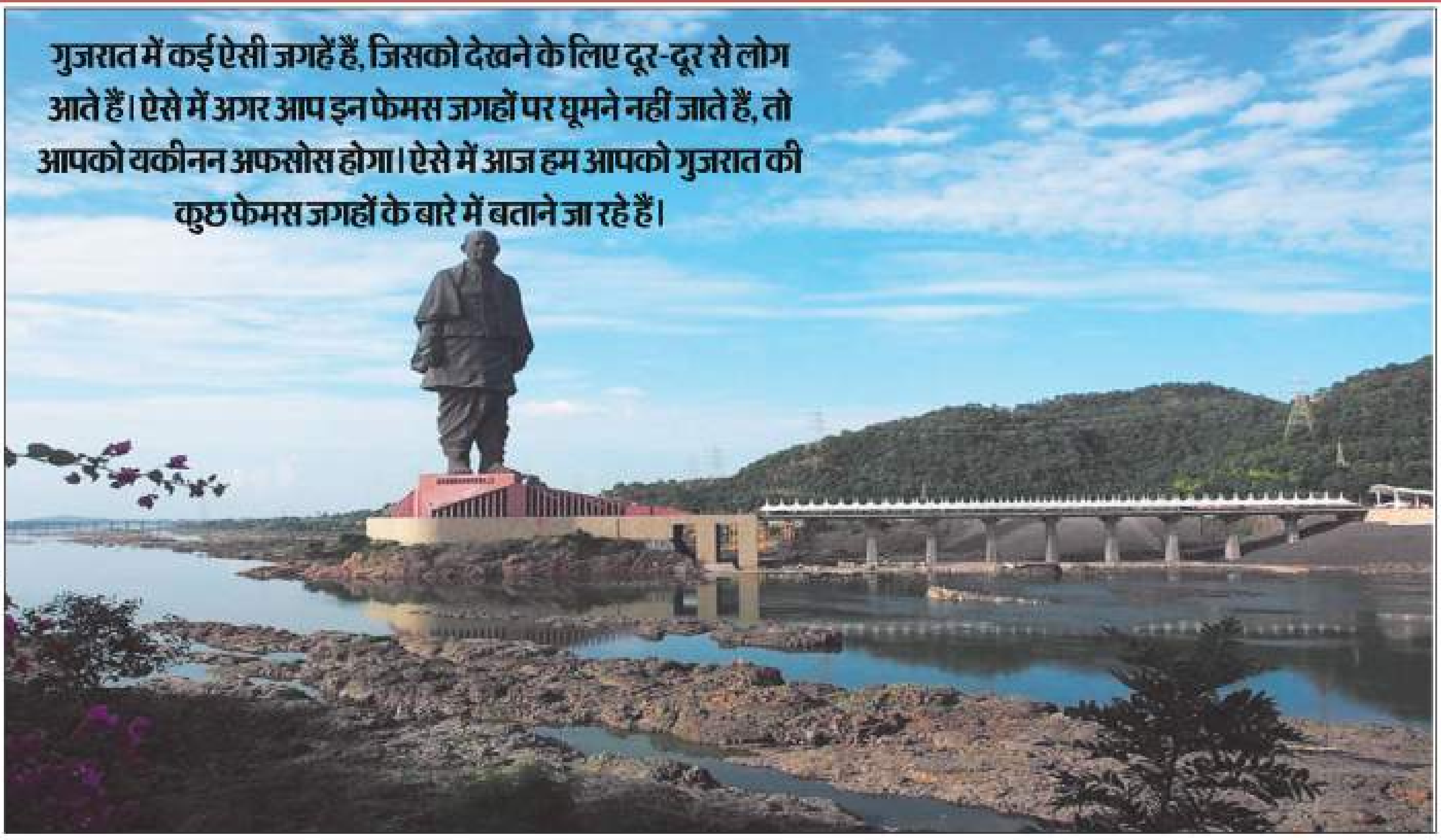

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती है। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थित यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कहीं धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोतमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

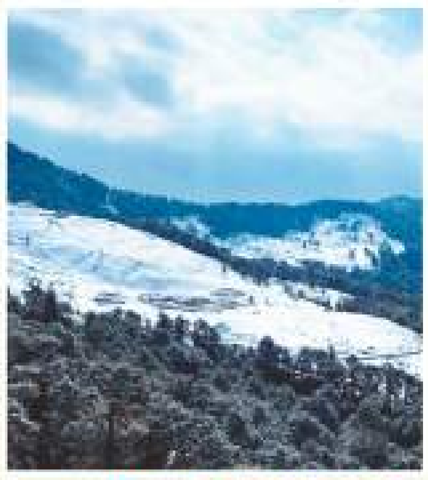

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरुआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण नहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौजी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौजी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौजी की विशेषताएँ

डलहौजी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौजी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौजी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौजी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर- हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौजी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौजी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौजी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौजी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

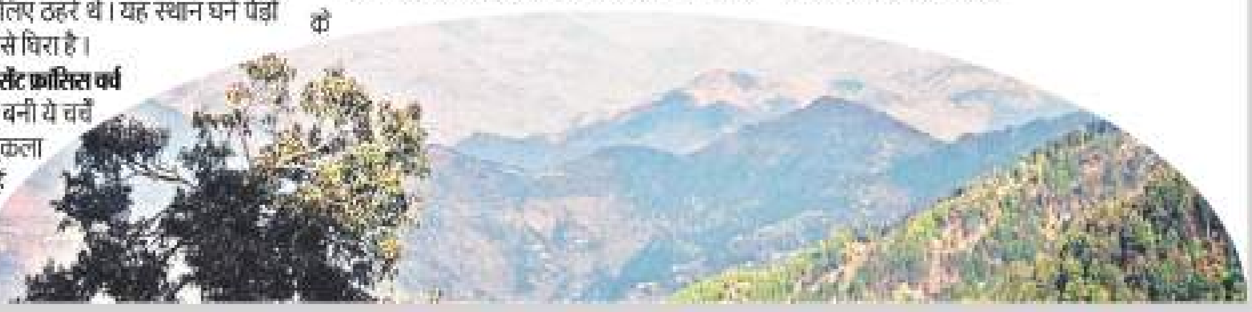

आईपीएल 2026 के क्वालिफायर-2 में आज होगा टाइटंस और रॉयल्स का मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र का क्वालिफायर-2 मुकाबला शुक्रवार को यहां गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स टीमों के बीच खेला जाएगा। इसमें दोनो ही टीमें जीत हासिल कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना चाहेंगी। इस मैच में हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। इस मैच में एक भी गलती इन टीमों को भारी पड़ सकती है। इस मैच में शुभमन गिल की गुजरात टाइटंस पर दबाव रहेगा। इसका कारण है कि पहले क्वालीफायर में गुजरात की बल्लेबाजी असफल रही थी। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी प्रभावी नहीं रहे थे। टीम की फिल्डिंग बेहद लचर रही जिस कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आसानी से मैच जीत लिया। ऐसे में गुजरात को अगर जीत हासिल करनी है तो उस अपनी फिल्डिंग में सुधार करना होगा। आरसीबी के खिलाफ टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे मैच उसके हाथ से फिसल गया था। इस मैच में अब गुजरात को अच्छी फिल्डिंग करने के साथ ही रन भी बनाने होंगे। साई सुदर्शन और शुभमन पर रन बनाने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान को विकेट लेने होंगे।

वहीं दूसरी ओर एलीमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को हराने से उत्साहित कप्तान रियान पराग की राजस्थान रॉयल्स इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। सनराइजर्स के खिलाफ उसके बल्लेबाजों विशेषकर वैभव सूर्यवंशी ने आतिशी पारी खेली थी। जिसे अब वह दोहराना चाहेंगे। वैभव ने जिस प्रकार 28 गेंदों पर तेजी से 97 रन बनाये थे। उसे मैच राजस्थान की ओर मुड़ गया था। ऐसे में गुजरात के गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती वैभव से निपटना रहेगा। इसके अलावा सनराइजर्स के खिलाफ घातक गेंदबाजी करने वाले जोफ्रा आर्चर से भी गुजरात के बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। आर्चर ने सनराइजर्स के खिलाफ

मैच में अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड के विकेट शुरुआत में ही लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। जिससे टीम अंत तक उबर नहीं पायी थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनों टीमों के बीच 11 मुकाबले हुए हे जिसमें से गुजरात ने 7 जबकि राजस्थान ने 4 जीते है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), डोनोवान फरेरा, दासुन शनाका, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, यश राज पुंजा।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, जेसन होल्डर, राशिद खान, कुलवंत खेजरोलिया, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

विनेश मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) ने महिला पहलवान विनेश फोगाट को आगामी एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की इजाजत देने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। डब्ल्यूएफआई की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। इसके बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा कि विनेश ट्रायल में भाग ले सकेंगी या नहीं।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 22 मई को अपने एक आदेश में विनेश को ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने डब्ल्यूएफआई को 30-31 मई को होने वाले चयन ट्रायल्स की वीडियो रिकॉर्डिंग करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के एक-एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक की उपस्थिति अनिवार्य की गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ को विनेश फोगाट को भेजे गए एक नोटिस के लिए कड़ी फटकार भी लगाई थी। डब्ल्यूएफआई ने उस नोटिस में कहा था कि पेरिस ओलंपिक में विनेश का वजन ज्यादा होने के कारण बाहर होना देश के लिए शर्म का विषय था। हाईकोर्ट ने इस नोटिस को अनुचित ठहराया था। डब्ल्यूएफआई को यह चुनौती पूर्व के उन बयानों से उलट है, जिसमें महासंघ के सूत्रों ने कहा था कि वे अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे और इस फैसले को चुनौती नहीं देंगे। हालांकि, महासंघ ने पहले यह संकेत जरूर दिया था कि अगर विनेश ट्रायल्स के जरिए क्वालिफाई कर भी लेती है, तो भी लॉजिस्टिक्स से जुड़ी दिक्कतें आ सकती हैं। उनका तर्क था कि इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की सूची इस महीने की शुरुआत में ही जापान भेजी जा चुकी थी। संघ की तरफ से यह भी कहा गया था कि अगर उन्हें एक आकस्मिक खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया भी जाता है, तो उन्हें 50 किलोग्राम वर्ग में ही मुकाबला करना होगा। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी है कि क्या इस जटिल मामले में क्या फैसला लेता है। शुक्रवार को होने वाली सुनवाई के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पहलवान विनेश फोगाट के एशियाई खेलों के ट्रायल में हिस्सा लेने का मार्ग प्रशस्त होगा या उन्हें एक और कानूनी लड़ाई का सामना करना पड़ेगा।

आईपीएल2026 : वैभव सूर्यवंशी ने 97 रनों की रिकॉर्ड पारी के साथ हासिल की ऑरेंज कैप

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने 29 गेंदों में 97 रनों की रिकॉर्डतोड़ पारी खेलकर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में एक बार फिर से ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। वैभव सूर्यवंशी ने ने बुधवार की रात 12 छक्के लगाते हुए एक IPL सीजन में सर्वाधिक छक्कों का क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह गेल के सबसे तेज IPL शतक (30 गेंद) के रिकॉर्ड को भी तोड़ने के बेहद करीब थे लेकिन 29वीं गेंद पर ही 97 रन बनाकर आउट हो गए।

सूर्यवंशी अब 680 रनों के साथ ऑरेंज कैप टेबल में शीर्ष पर हैं। जो दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस साई सुदर्शन से 28 रन अधिक है। तीसरे स्थान पर जीटी के कप्तान शुभमन गिल हैं तो वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 600 रनों के साथ छठे स्थान पर हैं। ध्रुव जुरेल ने एसआरएच के खिलाफ 21 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली जिसके बाद उनके 508 रन हो चुके हैं और वह 11वें स्थान पर आ गए हैं। SRH के हाइनरिक क्लासेन (624 रन), इशान किशन (602 रन) और अभिषेक शर्मा (563 रन) ने तीसरे, पांचवें और आठवें स्थान पर रहते हुए सीजन समाप्त किया है।

पर्पल कैप तालिका में की बात की जाए तो इस सीजन कई मैचों पर जोफ्रा आर्चर ने अपनी गेंदों से सबको आश्चर्य में डाला है। पावरप्ले में अपनी गेंदबाजी से आर्चर ने अलग ही खौफ पैदा किया है। उनको पिछले दो मैचों में लगातार जीत ही हासिल करनी थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आर्चर ने 17 रन देकर तीन विकेट निकाले। SRH के खिलाफ उन्होंने 58 रन दिए लेकिन तीन विकेट भी हासिल किए। आर्चर के महंगे होने पर इसलिए, किसी ने ध्यान नहीं दिया क्योंकि उन्होंने तीनों बड़े विकेट निकाले और सब पावरप्ले में ही लिए।

आर्चर अब 24 विकेट इस सीजन ले चुके हैं। उनसे आगे दो ऐसे गेंदबाज हैं जो अब भी और विकेट हासिल कर सकते हैं। आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार और जीटी के कगिसो रबाडा दोनों के नाम 26 विकेट हैं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलते दिखेंगे ऑलराउंडर विजय शंकर

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट क्रिकेट में खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा सत्र 17 जुलाई से 8 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग की ओर से 1 जून को होने वाले प्लेयर ड्राफ्ट के लिए बड़े नामों की सूची जारी कर दी गई है। कैंडी रॉयल्स टीम को इसके लिए जारी सूची में विजय शंकर का नाम सबसे पहले शामिल है। विजय के अलावा इंग्लैंड के मोईन अली और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन भी इस लीग में खेलेंगे। इन दोनो को ही इसकी संबंधित फ्रेंचाइजियों ने रिटेन किया है, जिससे इस सत्र में रोमांचक प्रतिस्पर्धा की उम्मीद जतायी जा रही है।

साल 2019 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम में शामिल रहे विजय शंकर ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रिकार्ड बनाया था। वह कैंडी रॉयल्स की टीम की ओर से खेलेंगे। उनके आने से उत्साहित लीग की ओर से कहा गया कि तमिलनाडु के इस तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के आने से कैंडी की टीम और बेहतर हुई है। इस टीम में मोईन अली के साथ-साथ श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज और वानिंदु हसरंगा भी शामिल हैं। विजय शंकर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब वह अंतरराष्ट्रीय लीग खेलते दिखेंगे। उन्होंने साल 2018 और 2019 के बीच भारत की ओर से 12 एकदिवसीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे।

आईपीजी ग्रुप के संस्थापक और सीईओ अनिल मोहन संखधर ने लीग के बढ़ते प्रभाव को लेकर कहा, श्रीलंका प्रीमियर लीग लगातार दुनिया के प्रमुख क्रिकेट खेलने वाले देशों से बेहतरीन प्रतिभाओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है, जो वैश्विक टी20 लीग के बढ़ते कद को दिखाता है। विजय शंकर, मोईन अली, शाकिब अल हसन और श्रीलंका के कई अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के इस सीजन में शामिल होने से इसमें उच्च गुणवत्ता वाला क्रिकेट देखने को मिलेगा जिससे अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए ये एक मजबूत मंच के रूप में उभर रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य दक्षिण एशिया में लीग की उपस्थिति को मजबूत करना है, साथ ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करना है।

पिछली बार की डिफेंडिंग चैंपियन और खेल के इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी, एसएसी जाफना किंग्स ने भी अपनी टीम को बेहतर बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन के साथ-साथ श्रीलंकाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दुनिथ वेलालगे और भानुका राजपक्षे को रिटेन किया है। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, हर फ्रेंचाइजी को ड्राफ्ट से पहले दो विदेशी और दो श्रीलंकाई मार्की खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी।

इस छठे सत्र में एसएसी जाफना किंग्स, कैंडी रॉयल्स, दांबुला सिक्सर्स, गाले गैलेंट्स और कोलंबो कैप्स की टीमें डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खिलेंगी जिसके बाद प्ले ऑफ मुकाबले होंगे। यह टूर्नामेंट 17 जुलाई को कोलंबो के एसएससी ग्राउंड में एक उद्घाटन समारोह और जाफना किंग्स तथा गाले गैलेंट्स के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा और 8 अगस्त को आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल के साथ समाप्त होगा। इस लीग में दांबुला सिक्सर्स के लिए रीजा हेंड्रिक्स (दक्षिण अफ्रीका) और दिनेश चांदीमल (श्रीलंका); गाले गैलेंट्स के लिए ईशान मलिंगा (श्रीलंका) और दासुन शनाका (श्रीलंका); तथा कोलंबो कैप्स के लिए कुसल मेंडिस (श्रीलंका) और कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका) शामिल हैं। इन खिलाड़ियों के होने से ये सत्र रोमांचक होना तय है।

बुमराह हो या कमिंस, किसी के रसूख से नहीं डरता सूर्यवंशी : ध्रुव जुरेल

मुल्लांपुर। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपने साथी वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में भी वह विरोधी गेंदबाज की ख्याति से भयभीत नहीं होता। 15 वर्ष के सूर्यवंशी ने IPL में जसप्रीत बुमराह से लेकर पैट कमिंस तक सभी की बखिया उधेड़ी है। मोहम्मद सिराज, जोश हेजलवुड और कैगिसो रबाडा की गेंदों पर भी उन्होंने खूब रन बनाए हैं। बुधवार को उन्होंने कमिंस को लगातार तीन छक्के लगाए। सूर्यवंशी के 29 गेंद में 97 रन की मदद से रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को हराकर दूसरे क्वालीफायर में जगह बनाई। जुरेल ने कहा, 'वैभव के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह कुछ योजना बनाकर नहीं खेलता क्योंकि वह बहुत अभ्यास करता है और उसे खुद पर भरोसा है। उसे खुद पर एक पल को भी संदेह नहीं होता कि वह ऐसा नहीं कर सकेगा।' इस सत्र में छह अर्धशतक जमा चुके जुरेल ने कहा, 'जब हम अकादमी में जाते हैं तो हमसे कहा जाता है कि गेंदबाज को नहीं, गेंद को देखो। 17 बरस की उम्र में हम हमेशा गेंदबाज को देखते हैं कि वह इतना बड़ा गेंदबाज है लेकिन वैभव सिर्फ गेंद को देखता है। वह किसी गेंदबाज की परवाह नहीं करता।'

आईपीएल 2026 में लीग स्तर पर ही बने कई नये रिकार्ड

मुम्बई। आईपीएल के 19 वें सत्र के लीग स्तर पर ही कई नये रिकार्ड बने है। वहीं कई पुराने रिकार्ड टूटे है। इस सत्र में हुए 70 लीग मैचों में पांच ऐसे बड़े रिकार्ड बने हैं जिससे आईपीएल एक नये युग में पहुंच गया। कई दिग्गज भी इन आंकड़ो को देखकर हैरत में पड़ गये है। इस सत्र में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कई नये रिकार्ड बनाये। आक्रामक बल्लेबाजी से बड़े-बड़े गेंदबाजों को नाकाम कर दिया। वैभव ने लीग स्तर के 14 मैचों में ही कुल 583 रन बना दिये थे। इस प्रकार वह आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए है। उन्होंने एक सत्र में 500 से अधिक रन बनाए है। वैभव ने 53 छक्के लगाकर एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। वह एक सत्र में 500 रन और 50 छक्कों का आंकड़ा हासिल करने वाले पहले भारतीय और दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। व्यक्तिगत चमक में चेन्नई सुपर किंग्स के उर्विल पटेल ने भी इतिहास रचा। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में ही अर्धशतक लगाकर यशस्वी जायसवाल के सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। यह पिछले तीन सालों में इस रिकॉर्ड की पहली बराबरी है, जिसने प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के दिये 264 रनों के विशाल लक्ष्य को भी इस सत्र में पंजाब किंग्स ने 265 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस सीजन में रनों की ऐसी बाढ़ रही कि 200 रन का स्कोर भी सुरक्षित नहीं रहा। पिछले साल 2025 में जहां पूरे टूर्नामेंट में 52 बार 200 या उससे अधिक का स्कोर बना था, वहीं आईपीएल 2026 के लीग स्टेज के 70 मैचों के दौरान ही यह आंकड़ा 61 तक पहुंच गया। इससे अब आईपीएल मुकाबले हाई-स्कोरिंग हो गये है। इसके अलावा, बल्लेबाजों ने 14 शतक लगाकर साल 2024 के में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा की

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को आगामी महिला टी-20 विश्वकप 2026 के लिए अधिकारियों के पैनल की घोषणा कर दी है। यह महिला टी-20 विश्व कप का लगातार तीसरा एडिशन होगा जिसमें पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों पैनल होगा, जिसमें कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी सभी 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में अपने टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा, 'आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों का यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व का दायरा बढ़ाने के ICC की प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम इन अधिकारियों की प्रोग्रेस और ICC CWC 2025 के दौरान उनके द्वारा दिखाए गए ऊंचे मानकों को देखकर बहुत खुश हैं। जैसे ही हम दुनिया के सबसे बड़े महिला स्पोर्टिंग प्रतियोगिता को आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं, यह चयन इस एथलेटिक स्पर्धा को और बढ़ाएगा।'

टी20 विश्व कप के 33 मैचों में कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी इस्तेमाल किए जाएंगे जिसमें 2024 एडिशन से मैच अधिकारियों की टीम के 9 सदस्य आने वाले इवेंट के लिए वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी है क्योंकि वह टूर्नामेंट में अपनी छठी उपस्थिति के लिए तैयार हो रही है, उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है, जबकि जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन - जिन्होंने इस स्टेज पर 19-19 मैचों की देखरेख की है - इंग्लैंड और वेल्स में पांच टी-20 विश्व कप के माइलस्टोन तक पहुंचेंगी।

मैच रेफरी में तीन रिटर्निंग अधिकारी शामिल हैं - शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा जो 2024 एडिशन का भी हिस्सा थे। चार रेफरी के ग्रुप को न्यूजीलैंड से ट्रूडी एंडरसन पूरा करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

पर्थ। अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिशों में जुटी भारतीय महिला हॉकी टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में शुक्रवार को उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपनी स्थिति और मजबूत करना होगा। भारतीय टीम ने पहले मैच में नवनीत कौर के गोल पर बढ़त बना ली थी लेकिन एमी विल्सन के दो गोल के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 2.1 से जीत दर्ज की। भारत ने दूसरा मैच शूटआउट में 4.2 से जीता जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1.1 से बराबर था। कोच शोर्ड मारिन की टीम ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए थानू पुखरामबम के गोल के दम पर वापसी की थी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने ओलिविया डीनेस के गोल की बदौलत दसवें मिनट में ही बढ़त बना ली थी। भारतीय टीम ने अब तक डिफेंस और मिडफील्ड में काफी प्रभावित किया है। कोच मारिन हालांकि अपने स्ट्राइकरों को गोल करते देखना चाहते हैं। कप्तान सलीमा टेटे जबर्दस्त फॉर्म में दिख रही है। भारत की नजरें पेनल्टी कॉर्नर बेहतर करने पर भी लगी होंगी। विश्व रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया इस समय आठवें और भारत नौवें स्थान पर है। आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच नेशंस कप की तैयारी के लिये यह श्रृंखला काफी अहम है। इसके बाद नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक विश्व कप भी खेला जाना है। नेशंस कप के जरिये भारतीय टीम 2026-27 सत्र के लिए FIH प्रो लीग में वापसी करना चाहेगी जो लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का हॉकी क्वालीफायर भी है। फाइनल मैच शनिवार को होगा।

सिंधू और लक्ष्य सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिंगापुर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन ने बृहस्पतिवार को यहां सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अलग अलग अंदाज में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जबकि एचएस प्रणय कई गलतियों की वजह से बाहर हो गए। सिंधू ने 37 मिनट के भीतर जापान की रिको गुंजी को 21-9, 21-12 से हराया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया की आन से यंग से होगा। सिंधू कभी भी ओलंपिक चैंपियन को हरा नहीं सकी है और आठ बार पराजित हो चुकी है। पिछली हार पिछले साल चाइना ओपन में मिली थी। अमरोहा के लक्ष्य ने भी क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है क्योंकि दूसरे वरीय कुनलावुत विदितसर्ण ने महज दो अंक के बाद पीठ की समस्या के कारण रिटायर होने का फैसला किया। अब 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य का सामना जापान के कोकी वातानाबे से होगा। पुरूष युगल में चौथी वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे के ली झि हुइ और यांग पो सुआन को एक घंटे तक चले मुकाबले में 21-15, 11-21, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब उनका सामना मलेशिया के खाइ शिंग कांग और आरोन ताइ से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो भी अंतिम आठ में पहुंच गए जिन्होंने जापान की युता वातानाबे और माया तागुची को 8-21, 21-17, 21-16 से मात दी। अब उनका सामना कोरिया के किम जाए हियोन जाग और हा जियोंग तथा मलेशिया के चेन तांग जिये और तोह ई वेइ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। प्रणय आखिरी गेम में बुरी तरह पिछड़ गए और 61 मिनट तक चले मैच में घरेलू दावेदार लोह कीन यू से 18-21, 21-16, 15-21 से हार गए।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की संभावना

नई दिल्ली। 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाडी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्कॉटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का अनुभव मिलेगा। इस बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयारियां जारी है। भारत के लिए, यह चैंपियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी। दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में अपनी दक्षता बार-बार साबित की है, और 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

SRH का खेलने का तरीका तारीफ के काबिल है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है : मूडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व हेड कोच टॉम मूडी ने कहा कि टीम का बैटिंग पर ज्यादा जोर देने का तरीका और उनका खेलने का कुल मिलाकर अंदाज 'तारीफ के काबिल है।' फिर भी इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी बॉलिंग यूनिट में और ज्यादा निवेश करना चाहिए।

मूडी की ये टिप्पणियां तब आईं जब टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के हाथों 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा। टीम पॉइंट्स टेबल पर तीसरी सबसे बेहतरीन टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। बड़े रन बनाने के लिए SRH ने अपने बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन (624 रन), ईशान किशन (602 रन), अभिषेक शर्मा (563 रन) और ट्रेविस हेड (410 रन) पर बहुत ज्यादा भरोसा किया।

बॉलिंग में ईशान मलिंगा (20 विकेट) और साकिब हुसैन (15 विकेट) सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें जगाईं। लेकिन मूडी ने बॉलिंग लाइन-अप में बड़े नामों की कमी की ओर इशारा किया, सिवाय पैट कमिंस के, जिन्हें 2024 में 20.50 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

मूडी ने कहा, 'यह एक तारीफ के काबिल तरीका है, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। हां, वे खुद को मौका देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब बॉलिंग की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए, आप बैटिंग यूनिट के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत बॉलिंग यूनिट बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते हैं, जो उस बैटिंग को सहारा दे सके।' उन्होंने कहा, 'यह (सब कुछ) संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि RCB (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) ने यही किया है। उन्होंने सही संतुलन बनाया है। इसलिए, मैं इस तरीके के खिलाफ नहीं हूं, लेकिन जब आप सैलरी कैप और बाकी सब चीजों की बात करते हैं, तो आपको संतुलन बनाने की कोशिश करनी चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

रूबियो ने रूस के विदेश मंत्री से की बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच सोमवार को फोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन युद्ध, द्विपक्षीय संबंधों और ईरान की स्थिति पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि बातचीत का अनुरोध रूस की ओर से किया गया था। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार लावरोव ने कीव में यूक्रेन सेना से जुड़े ठिकानों पर हमले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई रूस के अंदर नागरिक इलाकों पर हो रहे कथित हमलों के जवाब में की गई। लावरोव ने अमेरिका समेत अन्य देशों से कीव में मौजूद अपने राजनयिकों और नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

अमेजन संरक्षण के लिए ब्राजील का बड़ा निवेश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील सरकार ने अमेजन वर्षावन क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए 3.1 अरब रियाल यानी करीब 617.5 मिलियन डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। यह राशि इको इन्वेस्ट कार्यक्रम के तहत दी जाएगी, जिसका उद्देश्य जैव अर्थव्यवस्था, सतत पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। सरकार के अनुसार निजी और विदेशी निवेशकों की मदद से परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार का कहना है कि यह पहल 2050 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने और अमेजन में वनों की कटाई रोकने में मदद करेगी।

कैलिफोर्निया के रासायनिक टैंक में विस्फोट का खतरा टला

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित गार्डन ग्रोव में एयरोस्पेस प्लांट के क्षतिग्रस्त रासायनिक टैंक में अब विस्फोट का खतरा काफी हद तक खत्म हो गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि टैंक में आई दरार से दबाव कम हुआ और तापमान घट गया। टैंक में मेथाइल मेथाक्रिलेट नामक खतरनाक रसायन भरा था, जिसके गर्म होने से विस्फोट की आशंका पैदा हो गई थी। एहतियात के तौर पर 50 हजार से अधिक लोगों को इलाके से निकाला गया था। हालांकि अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से निकासी आदेश अभी भी जारी है।

पाकिस्तान के आयोग ने बढ़ती असुरक्षा पर दी गंभीर चेतावनी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने बलूचिस्तान में लगातार हमलों, अपहरणों व हिंसक घटनाओं से बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई। उसने सोमवार को गंभीर चेतावनी दी कि यदि देश में बढ़ रहे सशस्त्र संघर्ष नियंत्रित नहीं हुए तो पूरे देश में हालात बिगड़ेंगे। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि संघर्ष के हालात में भी नागरिकों को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उसने कहा, नागरिकों और गैर-लड़ाकों को सौदेबाजी के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करना अस्वीकार्य है।

जापान में कॉनबिनी साम्राज्य के संस्थापक सुजुकी का निधन

टोक्यो, एजेंसी। सेवन-इलेवन सुविधा स्टोर श्रृंखला के वैश्विक खुदरा साम्राज्य की स्थापना का श्रेय पाने वाले जापानी व्यवसायी तोशिफूमी सुजुकी का 93 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। सुजुकी ने जापान में 7-इलेवन के उन सर्वव्यापी कॉनबिनी आउटलेट्स का संचालन करने वाली इकाई की स्थापना की, जहां ग्राहक लोग सैंडविच, राइस बॉल, पेय पदार्थ, चिप्स और अन्य भोजन खरीद सकते हैं, एटीएम का उपयोग कर सकते हैं और बिजली के बिलों का भुगतान कर सकते हैं।

अमेरिकी सेना का दक्षिणी ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज में माइंस बिछा रही नावों को किया तबाह

तेहरान, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक बहुत बड़ा और खतरनाक सैन्य टकराव देखने को मिला है। अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान के कई अहम सैन्य ठिकानों पर अचानक बहुत भारी हवाई हमले किए हैं। इन बड़े हमलों से पूरे इलाके में एक बार फिर से भयंकर युद्ध भड़कने की गहरी आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अपनी इस बहुत बड़ी और अहम सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि कर दी है।

इस कड़ी कार्रवाई का मुख्य कारण होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी सेना द्वारा पैदा किया जा रहा भारी खतरा था। अमेरिकी सैनिकों और वहां मौजूद युद्धपोतों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत कड़ा कदम उठाया गया है। अमेरिका का साफ कहना है कि वह सीजफायर के बीच संयम बरत रहा है लेकिन आत्मरक्षा सर्वोपरि है। इस अचानक हुए बड़े हमले ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़े संकट और गहरी चिंता में डाल दिया है।

माइंस बिछा रही नावें तबाह : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार होर्मुज में दो ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नावों को माइंस बिछाते देखा गया था। इस भारी खतरे को देखते हुए अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने तुरंत एक संयुक्त और कड़ा जवाबी हमला किया। इस अचूक और तेज कार्रवाई में दोनों ईरानी नावों को मौके पर ही पूरी तरह तबाह कर दिया गया। अमेरिकी सेना का यह खतरनाक हमला केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक ही बिल्कुल सीमित नहीं रहा। सेना ने बंदर अब्बास क्षेत्र में मौजूद एक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया। इस ईरानी मिसाइल साइट ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों को अपना निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की थी।

मिसाइल लॉन्चर को किया तबाह : अमेरिकी सेना ने मिसाइल लॉन्चर और वहां मौजूद सभी संबंधित सैन्य ढांचे को पूरी तरह नष्ट कर दिया। ईरानी मीडिया ने भी बंदर अब्बास, सीरिक और जास्क के पास भारी धमाकों की स्पष्ट पुष्टि की है। यह सभी इलाके रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट के बहुत ही ज्यादा करीब मौजूद हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने अपने इस घातक हमले को बहुत ही सीमित दायरे में रखा है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के साथ जारी इस बड़े संघर्ष को और ज्यादा बिल्कुल नहीं बढ़ाना था। अधिकारियों ने साफ कहा है कि इस कार्रवाई का मतलब यह नहीं है कि मौजूदा युद्धविराम पूरी तरह खत्म हो गया है।

तेल निर्यात पर बढ़ा खतरा : स्टेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यात मार्गों में से एक बहुत ही अहम और खास समुद्री रास्ता है। इस संवेदनशील इलाके में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल सप्लाई चेन पर बहुत बड़ा और गंभीर असर पड़ सकता है। फिलहाल यह सैन्य कार्रवाई समाप्त हो चुकी है लेकिन अमेरिकी बल वहां अपनी पूरी सतर्कता बनाए हुए हैं।

अब्राहम अकॉर्ड पर टिके ट्रंप : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था कि युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान के साथ शांति वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान अपने सर्वोच्च नेता से परामर्श के लिए जिस जटिल संचार नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा है, उसके चलते अंतिम फैसले में कुछ समय लग सकता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता में मध्यस्थता कर रहे देशों को अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है। उन्होंने कहा कि ईरान का इस समझौते पर हस्ताक्षर करना सम्मान की बात होगी।

पांच मुस्लिम देशों पर ट्रंप का दबाव : ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की ओर से इस बेहद जटिल पहेली को सुलझाने के लिए किए गए सभी प्रयासों के बाद, इन सभी देशों के लिए यह अनिवार्य होना चाहिए कि वे कम से कम अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करें।' हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर एक-दो देश के पास ऐसा न करने का कोई कारण हो तो इसे स्वीकार किया जा सकता है। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मध्यस्थों में से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और बहरीन पहले ही अब्राहम समझौते पर दस्तखत कर चुके हैं। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जॉर्डन भी इस समझौते पर हस्ताक्षर करें। इस बीच, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई एक अज्ञात स्थान से काम कर रहे हैं।

लेबनान पर इस्राइल का हमला: हिजबुल्ला के 70 ठिकानों पर बमबारी, सीमाई इलाकों में स्कूल बंद, सात लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान की सीमा पर चल रही लड़ाई अब बहुत खतरनाक हो गई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश के बाद इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ हमले बहुत तेज कर दिए हैं। इस्राइल की वायुसेना ने ताबड़तोड़ हमले करके हिजबुल्ला के 70 से ज्यादा ठिकानों को तबाह कर दिया है। इन हमलों में करीब 85 बमों और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। दूसरी तरफ, लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एएनए के मुताबिक, इस्राइल के इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई है।

टायर और बेका घाटी में भारी बमबारी : इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्होंने लेबनान के टायर इलाके में हिजबुल्ला के 10 कमांड सेंटर, हथियारों के गोदाम और दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने यह भी दावा किया कि मोटरसाइकिल पर जा रहे हिजबुल्ला के लड़ाकों को भी मार गिराया गया है। इसके अलावा, इस्राइली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की बेका घाटी और कई दूसरे इलाकों में बने हिजबुल्ला के ठिकानों पर भी भारी बम बरसाए हैं।

मश्घरा और कौथारियत में मलबे से निकले शव : लेबनान से आ रही खबरों के मुताबिक, इस्राइल के इन हवाई हमलों से वहां भारी नुकसान हुआ है। मश्घरा नाम के इलाके में हुए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यहां बमबारी से घर टूट गए, जिसके बाद बचाव दल के लोगों ने मलबे के नीचे से शवों और घायलों को बाहर निकाला। इसी तरह कौथारियत अल-सियाद में हुए एक और हमले में दो लोगों की जान चली गई और दो लोग घायल हो गए। हिजबुल्ला की तरफ से होने वाले पलटवार और ड्रोन हमलों को देखते हुए इस्राइल ने अपने उत्तरी बॉर्डर वाले इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने मंगलवार से नई पाबंदियां लगा दी हैं।

लाओस की गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी

वियनतियाने , एजेंसी। लाओस के शाइसोंबून प्रांत में पिछले सप्ताह से गुफा में फंसे सात लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है। ये ग्रामीण 19 मई को सोने की तलाश में गुफा में गए थे, तभी भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से बाहर निकलने का रास्ता बंद हो गया। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल आया और उसने अधिकारियों को सूचना दी। लाओस और थाईलैंड की संयुक्त रेस्क्यू टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। गोताखोर पानी से भरे संकरे रास्तों से होकर अंदर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल गुफा में फंसे लोगों की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

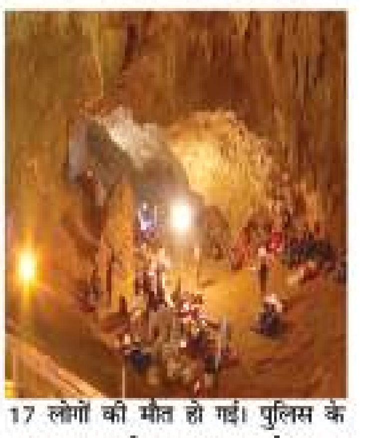

पाकिस्तान: दो बसें आपस में टकराईं, 17 लोगों की मौत : मर्दान , एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी मर्दान जिले में स्वात एक्सप्रेस-वे पर सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़ी दूसरी बस को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में पांच लोग घायल भी हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। मृतक मुख्य रूप से अपर दीर और बाजौर जिलों के रहने वाले थे और स्वात घाटी जा रहे थे। बचाव दल मौके पर राहत कार्यों में जुटा है और मृतकों की पहचान की जा रही है।

रूस ने यूक्रेन को दी बड़े हमले की चेतावनी, कीव पर हमले का खतरा, नागरिकों से शहर छोड़ने की अपील

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चार साल से जारी युद्ध अब एक और भी ज्यादा भयंकर मोड़ पर पहुंच गया है। स्टारोबिल्स्क में हुए घातक ड्रोन हमले के बाद रूस बुरी तरह से भड़क गया है। इस खतरनाक हमले में 18 लोगों की जान जाने और 42 अन्य के घायल होने के बाद रूस ने कीव पर बड़े हमले की धमकी दी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन की राजधानी कीव में रक्षा ढांचे पर लगातार और बहुत ही व्यवस्थित हमले करने की खुली चेतावनी दी है। इस बड़ी सैन्य धमकी के साथ ही मॉस्को ने विदेशी और स्थानीय नागरिकों के लिए एक बहुत सख्त सलाह भी जारी की है। रूस ने सभी राजनयिकों, विदेशी नागरिकों और आम लोगों को जल्द से जल्द कीव शहर खाली करने का सीधा आदेश दिया है। इसके साथ ही लोगों को जेलेंस्की शासन के सभी सैन्य और प्रशासनिक ढांचे की सुविधाओं से बहुत दूर रहने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह अहम कदम भारी तबाही से लोगों की कीमती जान बचाने के लिए उठाया गया है।

ड्रोन निर्माण केंद्रों पर निशाना : रूसी सशस्त्र बल अब कीव में मौजूद उन सभी यूक्रेनी रक्षा उद्यमों पर अपना सीधा निशाना साधने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इनमें विशेष रूप से वे महत्वपूर्ण सुविधाएं शामिल हैं जहां घातक ड्रोन डिजाइन और तेजी से प्रोग्राम किए जाते हैं। नाटो विशेषज्ञों की सीधी मदद से संचालित होने वाले इन सभी केंद्रों और ठिकानों को पूरी तरह से तबाह करने की सख्त योजना है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने इस बड़े और भयंकर हमले से पहले अमेरिकी विदेश सचिव को इसकी पूरी आधिकारिक जानकारी दे दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि रूसी क्षेत्र पर नागरिकों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ कीव के हमलों का यह एक कड़ा जवाब है। यूक्रेनी सेना की सभी बड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले केंद्रों और फैसला लेने वाले संस्थानों पर अब लगातार भारी बमबारी की जाएगी।

यूक्रेन की वायु रक्षा में भारी कमी : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले के इस बड़े खतरे के बीच अपनी वायु रक्षा प्रणाली की भारी कमी का स्पष्ट रूप से जिक्र किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पूरी दुनिया में एंटी-बैलिस्टिक क्षमताओं की भारी और लगातार कमी बनी हुई है। यूक्रेन अब इस बड़ी कमी को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए अपने सभी यूरोपीय और अमेरिकी सहयोगियों के साथ बहुत तेजी से काम कर रहा है। बीते कुछ महीनों में कीव ने अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता को बहुत ज्यादा बढ़ाकर रूसी ठिकानों को भारी और अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया है। यूक्रेन ने रूस के अहम ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर कई बहुत सफल और बड़े हमले लगातार किए हैं जिससे वहां काफी ज्यादा तबाही मची है। रूस ने यूक्रेन के इन सभी घातक हमलों को सीधा आतंकवाद करार दिया है और अब कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों से अपना कड़ा जवाब दे रहा है।

सेनेगल को मिला नया प्रधानमंत्री

डकार , एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने अहमादू अल अमीनू लो को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री उस्मान सोनको को हटाए जाने के बाद यह फैसला लिया। सोनको और राष्ट्रपति फाये के बीच पिछले कई महीनों से नीतिगत मतभेद बढ़ रहे थे, खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से कर्ज वार्ता को लेकर। लो इससे पहले पश्चिम अफ्रीकी केंद्रीय बैंक में वरिष्ठ पद पर कार्य कर चुके हैं। नई सरकार ऐसे समय में बन रही है जब सेनेगल आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ पार्टी के अंदरूनी विवादों से जूझ रहा है।

अपनी नियुक्ति के बाद राजकीय टेलीविजन पर बोलते हुए, नए प्रधानमंत्री अहमदौ लो ने कहा कि सेनेगल की वित्तीय कठिनाइयों के बीच वह घरेलू व्यवसायों और विदेशी निवेशकों के विश्वास को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश वर्तमान में एक कठिन दौर से गुजर रहा है, खासकर सार्वजनिक वित्त की स्थिति का अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। सेनेगल के नेता ने इस बात पर जोर दिया कि देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय और विदेशी निवेशकों की नजर में एक स्थिर, सुरक्षित और प्रतिष्ठित गंतव्य के रूप में अपनी छवि की रक्षा और उसे बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखेगा। इससे पहले, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सेनेगल के लिए 1.8 अरब डॉलर के ऋण कार्यक्रम को निलंबित कर दिया था, क्योंकि यह पता चला था कि देश ने अपने सार्वजनिक ऋण की गलत जानकारी दी थी। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, 2024 के अंत तक सेनेगल का सार्वजनिक ऋण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 132% तक पहुंच गया था। सेनेगल के पूर्व प्रधानमंत्री सोनको ने अनुमानित 13 अरब डॉलर के सार्वजनिक ऋण के पुनर्गठन की सेनेगल की योजना का विरोध किया है, उनका दावा है कि आईएमएफ इस पर दबाव डाल रहा है। वहीं, राष्ट्रपति बस्सिरू डियोमाये फे ने इस मामले पर बहुत कम बयान दिए हैं। राष्ट्रपति फेय ने 23 मई को सोनको को बर्खास्त कर दिया, यह कदम दोनों नेताओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का परिणाम माना जाता है, जो कभी करीबी राजनीतिक सहयोगी थे। मार्च में, सोनको ने चेतावनी दी थी कि यदि राष्ट्रपति फेय पार्टी की दिशा से विचलित होते हैं, तो वे संसद में बहुमत रखने वाली सत्तारूढ़ पेस्टेफ पार्टी को विपक्ष में ले जा सकते हैं। इससे आईएमएफ समर्थन बहाल करने के लिए आवश्यक सुधारों को लागू करने की सरकार की क्षमता पर चिंताएं बढ़ गईं। अपनी नई भूमिका में अपने पहले बयान में, प्रधान मंत्री लो ने इस बात की पुष्टि की कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति फेय के नेतृत्व में सेनेगल की सुधार के प्रति प्रतिबद्धता में बदलाव का संकेत नहीं देती है, बल्कि एक नए दृष्टिकोण को दर्शाती है जो नेता के दृष्टिकोण के साथ अधिक मेल खाता है।

श्री लो ने अपने पूर्ववर्ती उस्मान सोनको की भी प्रशंसा की और पिछली सरकार की उपलब्धियों को स्वीकार किया। उन्होंने विशेष रूप से पिछले वर्ष घोषित आर्थिक सुधार योजना का उल्लेख किया, जो विकास को गति देने के लिए घरेलू संसाधनों का लाभ उठाने और उन्हें जुटाने पर केंद्रित है।

एशिया से यूरोप तक गर्मी की मार: ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन जैसे देशों में लू का कहर; किस देश में कितना तापमान?

लंदन, एजेंसी। दुनिया इस समय भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना कर रही है। भारत में जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, वहीं यूरोप, एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में भी रिकॉर्डतोड़ गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव अब पहले से ज्यादा खतरनाक, लंबी और जल्दी आने लगी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जो गर्मी पहले जून-जुलाई में देखने को मिलती थी, अब वह मई महीने में ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। कई देशों में स्कूलों, खेल आयोजनों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। कुछ जगहों पर मौतों और स्वास्थ्य संकट की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ब्रिटेन में गर्मी ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड : ब्रिटेन में मई महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया। देश के मौसम विभाग के अनुसार लंदन के क्यू गार्डन्स में तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने 1922 और 1944 के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी गर्मी आमतौर पर जुलाई या अगस्त में देखने को मिलती है, लेकिन इस बार मई में ही लोगों को झुलसा देने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग पार्कों, फव्वारों और स्विमिंग पूल का सहारा लेते नजर आए। फ्रांस में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। देश के 350 से ज्यादा शहरों में मई महीने के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं।

कई इलाकों में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सरकार ने कई क्षेत्रों में हाई टेम्परेचर अलर्ट जारी किया है और लोगों को दोपहर के समय घरों में रहने की सलाह दी गई है। पेरिस में एक रनिंग इवेंट के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अधिकारियों का मानना है कि तेज गर्मी इसका एक बड़ा कारण हो सकती है। स्पेन भी इस समय भीषण हीटवेव का सामना कर रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालात ऐसे हैं कि रात में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा।

स्टारबक्स कोरिया के खिलाफ क्यों भड़का गुस्सा?, तीन बार सिर झुकाकर मांगी माफी; मालिक ने दी सफाई

सियोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दिग्गज व्यापारी चुंग योंग-जिन ने मंगलवार को दो सप्ताह के भीतर अपना दूसरा माफीनामा जारी किया है। स्टारबक्स के स्थानीय संचालन को 1980 के दशक में लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर हुए हिंसक सैन्य दमन के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले एक हालिया मार्केटिंग अभियान के चलते भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। स्टारबक्स कोरिया में 67.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले शिनसेग ग्रुप के अध्यक्ष ने एक वीडियो वाले बयान के दौरान तीन बार सिर झुकाकर माफी मांगी। उन्होंने देश की पूर्व सैन्य तानाशाही द्वारा मारे गए लोकतंत्र कार्यकर्ताओं के परिवारों और आम जनता से क्षमा की याचना की।

18 मई के विद्रोह के अपमान का लगा आरोप : कॉफी चेन ने तब सार्वजनिक आक्रोश को भड़काया, जब उसने टैंक नामक एक बड़े आकार के टंबलर को बढ़ावा देने की कोशिश की। इसके साथ 18 मई को टैंक डे घोषित कर दिया। यह 18 मई को ग्वांगजू शहर में हुए एक लोकतांत्रिक विद्रोह की वर्षगांठ थी, जिसे सैनिकों, टैंकों और हेलीकॉप्टरों द्वारा क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए या घायल हुए थे।

इस मार्केटिंग अभियान ने 'इसे मेज पर पटक दो!' नारे का इस्तेमाल करके आक्रोश को और बढ़ा दिया, जिसे कई लोगों ने 1987 के एक कुख्यात पुलिस बयान के संदर्भ के रूप में पढ़ा। पुलिस ने छात्र कार्यकर्ता पार्क जोंग-चोल की यातना से हुई मौत को छिपाने का प्रयास किया था। पुलिस का दावा था कि जांचकर्ताओं ने उन्हें 'मेज पर पटक कर मारा' था, जिसके बाद पार्क की अचानक मृत्यु हो गई।

स्टारबक्स कोरिया ने सीईओ को किया बर्खास्त : यह मार्केटिंग प्रचार तुरंत ही गुस्से का वजह बन गया और कुछ ही घंटों में शिनसेग ग्रुप ने इसे रद्द कर दिया। इसके साथ ही स्टारबक्स कोरिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को बर्खास्त कर दिया गया। ग्वांगजू में मारे गए लोगों के परिवारों द्वारा की गई शिकायतों के आधार पर पुलिस ने भी जांच शुरू कर दी है।

चुन ने मंगलवार को कहा, 'मैं इस तथ्य को बहुत गंभीरता से लेता हूं कि स्टारबक्स कोरिया के अनुपयुक्त मार्केटिंग अभियान के कारण कई लोगों ने गहरा दर्द और गुस्सा महसूस किया।' उन्होंने स्टारबक्स की दुकानों के कर्मचारियों पर अपना गुस्सा न निकालने का भी आग्रह किया, यह कहते हुए कि जिम्मेदारी प्रबंधन की है। दुकानों पर किसी बड़ी घटना की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं थी।

कंपनी ने जारी किया बयान : शिनसेग ग्रुप के एक वरिष्ठ कार्यकारी, जियोंग संग-जिन ने कहा कि कंपनी को अभी तक कोई निर्णायक सबूत नहीं मिला है कि स्टारबक्स कोरिया के मार्केटिंग कर्मचारियों का इरादा लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का मजाक उड़ाना था। हालांकि कर्मचारियों ने इस आरोप से इनकार किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्मचारियों ने एक सप्ताह की आंतरिक समीक्षा के दौरान प्रबंधन के स्मार्टफोन सौंपने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया था। जियोंग ने कहा कि कंपनी पुलिस जांच के नतीजों को देखेगी और किसी भी कर्मचारी को, जिसका इरादा प्रदर्शनकारियों का उपहास करना पाया गया, उसे बर्खास्त कर दिया जाएगा। मार्केटिंग अभियान से उपजे गुस्से ने बहिष्कार के लिए सार्वजनिक आह्वान को जन्म दिया है, जिसे सरकारी अधिकारियों ने भी बढ़ावा दिया। इनमें गृह और सुरक्षा मंत्री यू हो-जंग भी शामिल हैं, जिन्होंने कहा कि स्टारबक्स उत्पादों का सरकारी कार्यक्रमों में उपयोग नहीं किया जाएगा और श्रृंखला के इतिहास विरोधी व्यवहार पर खेद जताया।

सारथी जस्ट ट्रांजिशन नेटवर्क का स्थापना दिवस मनाया गया

झुमरी तिलैया सारथी जस्ट ट्रांजिशन नेटवर्क के प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर समर्पण संस्था की ओर से कोडरमा में अखड़ा सह जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं एवं संस्था कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण एवं न्यायपूर्ण बदलाव जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वायु प्रदूषण को कम करने एवं पर्यावरण सुरक्षा में अपनी भूमिका को लेकर सुझाव साझा किए। मौके पर केक काटकर सारथी स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न्यायपूर्ण बदलाव, जलवायु अनुकूल आजीविका, सामुदायिक सशक्तिकरण तथा जनपक्षीय संवाद को मजबूत बनाना बताया गया।कार्यक्रम में संस्था सदस्यों के साथ ग्राम एवं पंचायत स्तरीय सारथियों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रतिभागियों ने सामुदायिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, आजीविका संवर्धन तथा जलवायु न्याय से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे।कार्यक्रम का संचालन समर्पण संस्था के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर नवीन कुमार एवं रिसोर्स मैनेजर पुरुषोत्तम गिरी ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने कहा कि सारथी नेटवर्क समुदायों को संगठित कर जलवायु परिवर्तन, आजीविका संकट एवं सामाजिक चुनौतियों के समाधान हेतु एक मजबूत जनमंच के रूप में कार्य कर रहा है।वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर जागरूकता, सहभागिता एवं सामूहिक प्रयासों से ही सतत विकास और न्यायपूर्ण बदलाव संभव है। कार्यक्रम में एजुकेशन कॉर्डिनेटर निलेश कुमार, जितेन्द्र सिंह, राजेश कुमार, बिमला देवी सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सारथियों एवं समुदाय प्रतिनिधियों ने भविष्य में भी सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों पर एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

छतरपुर में राहगीरों को राहतः नगर पंचायत और पलामू पुलिस ने शुरू की पनशाला

रफ्तार मीडिया संवाददाता छतरपुर (पलामू): भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए नगर पंचायत छतरपुर ने आम लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख चौक-चौराहों पर पनशाला की शुरूआत की है। भारतमाता चौक पर नगर पंचायत एवं पलामू पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में पनशाला संचालित की जा रही है, जबकि महावीर चौक, हाईस्कूल मोड़ और भव फैक्ट्री के समीप नगर पंचायत द्वारा अलग-अलग पनशालाएं शुरू की गई हैं।

पनशाला का विधिवत उद्घाटन नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष मनजीत यादव एवं एसआई इंद्रजीत राणा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान राहगीरों और आमजनों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया गया।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने कहा कि जनता के विश्वास को बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे लोगों को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और समाज के सभी प्रबुद्ध एवं समाजसेवी लोगों को इस कार्य में आगे आना चाहिए।

उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या बनी हुई है वहां टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है। साथ ही खराब पड़े चापानलों की मरम्मत युद्धस्तर पर कराई जा रही है तथा नगर क्षेत्र के सभी जलमीनारों की मरम्मत भी जल्द पूरी कर ली जाएगी, ताकि लोगों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

मौके पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शिव कुमार, रामसेवक यादव, प्रवेश कुमार, आकाश कुमार, नगर पंचायत के जेई शुभम कुमार, नाजीर दयानंद कुमार, लेखापाल सूरज कुमार, पिंकू कुमार, अरविंद प्रजापति, अजय गुप्ता, अनिल पासवान, पप्पू गुप्ता, कैलाश यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के शोध में डराने वाला खुलासा, गंगा बेसिन से 18 लाख जलधाराएं विलुप्त, दामोदर नदी का 70%हिस्सा गायब!

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद।

देश की जीवनदायिनी नदियों और पर्यावरण को लेकर धनबाद से एक बेहद डराने वाली वैज्ञानिक रिपोर्ट सामने आई है। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के पर्यावरण विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर प्रो. अंशुमाली और उनकी टीम के शोध में खुलासा हुआ है कि पिछले 50 वर्षों में गंगा नदी तंत्र से जुड़ी करीब 18 लाख प्राकृतिक जलधाराएं पूरी तरह गायब हो चुकी हैं। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो देश हर दिन औसतन 99 प्राकृतिक जलधाराएं खो रहा है। इस अंधाधुंध विनाश के कारण अकेले दामोदर नदी का 70 प्रतिशत हिस्सा गायब हो चुका है।

5 दशकों में 10 लाख किमी लंबी धाराएं खत्म

प्रो. अंशुमाली की टीम ने अपने शोध के लिए झारखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की 7 छोटी नदियों और 56 वाटरशेड्स का गहन अध्ययन किया, जो आगे चलकर गंगा नदी में मिलती हैं। शोध के अनुसार, बीते पांच दशकों में लगभग 10 लाख किलोमीटर लंबी जलधाराएं हमेशा के लिए खत्म हो गईं। इसके कारण जल निकास घनत्व भी 2 किलोमीटर से घटकर महज 0.9 किलोमीटर रह गया है।

क्यों मर रही हैं नदियां? (प्रमुख कारण)

विशेषज्ञों के अनुसार, प्राकृतिक जलधाराओं के इस विनाश के पीछे इंसानी दखल और अंधाधुंध दोहन सबसे बड़ा कारण हैः

अंधाधुंध भूमि उपयोगः जंगलों और प्राकृतिक जलमार्गों को नष्ट करना।

खननः कोयला, खनिज और नदियों से बड़े पैमाने पर अवैध रेत का खनन।

बुनियादी ढांचाः बिना सही प्लानिंग के सड़क और अन्य निर्माण कार्य।

कृषि विस्तारः नदियों के बहाव क्षेत्र पर खेती का कब्जा।

आपदाओं की दस्तक, मरुस्थलीकरण का खतरा

प्रो. अंशुमाली के मुताबिक, इन जलधाराओं के खत्म होने से गंगा बेसिन का प्राकृतिक जल तंत्र बेहद कमजोर हो गया है। इसका नतीजा अब पर्यावरणीय आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है। देश में तेजी से बढ़ रहीं बादल फटने, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़), भूजल स्तर में भारी गिरावट और मरुस्थलीकरण (जमीन का बंजर होना) जैसी घटनाएं इसी असंतुलन का परिणाम हैं।

केंद्र के पास सटीक डेटा नहीं, 'रिवर रेड लिस्ट' बनाने की मांग

शोध में यह चिंताजनक बात भी सामने आई है कि केंद्र सरकार के पास नदी बेसिनों को हो रहे इस नुकसान का कोई सटीक डेटा मौजूद नहीं है। वैज्ञानिकों ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सरकार से तीन बड़ी मांगें की हैं:रिवर रेड लिस्टः लुप्तप्राय हो रही नदियों और धाराओं के लिए विशेष सूची बने।

भूमि अधिग्रहणः नदियों के प्राकृतिक स्वरूप और बहाव क्षेत्र को बचाने के लिए जमीन अधिग्रहित हो।सेंटर ऑफ एक्सीलेंसः जलधाराओं की लगातार सैटेलाइट और जमीनी निगरानी के लिए विशेष केंद्र बने।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

"प्राकृतिक जलधाराएं नदियों की धमनियां हैं। अगर धमनियां ही सूख जाएंगी, तो नदियां कैसे जिंदा रहेंगी? दामोदर का 70 फीसदी हिस्सा गायब होना एक गंभीर अलार्म है। अगर सरकार और समाज अब भी सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को पानी की भयानक त्रासदी झेलनी होगी।"
– प्रो. अंशुमाली, पर्यावरण विज्ञान विभाग, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद।

पालकोट में जलमीनारें बनी शोपीस, प्यास से जूझती जनता आखिर कब तक?

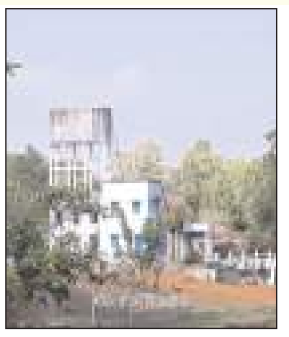

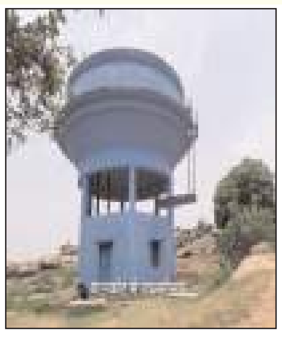

झारखंड के गुमला जिले का पालकोट प्रखंड इन दिनों भीषण पेयजल संकट से जूझ रहा है। गर्मी बढ़ते ही यहां की जलमीनारें और ह्लहर घर जलह्व जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई योजनाएं आज सिर्फ शोपीस बनकर रह गई हैं। जिन योजनाओं का उद्देश्य लोगों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, वही योजनाएं अब विभागीय लापरवाही, गलत योजना निर्माण और भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ चुकी हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर पालकोट में योजनाएं धरातल पर सफल क्यों नहीं हो पाती हैं?

प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी ह्लहर घर जलह्व योजना गांव-गांव तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। लेकिन पालकोट में इस योजना की हालत बेहद खराब दिखाई देती है। कहीं पाइपलाइन बिछाने में अनियमितता हुई, तो कहीं जलश्रोत का चयन गलत कर दिया गया। कई जगहों पर जलमीनारें ऐसी जगह बना दी गईं जहां गर्मी आते ही जलस्तर नीचे चला जाता है। परिणाम यह हुआ कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है।

पालकोट बाजार टांड़, बस स्टैंड, सुभाष चौक, सरस्वती शिशु मंदिर रोड और आसपास के क्षेत्रों में बनी जलमीनारों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। कुछ योजनाएं शुरू होने के कुछ दिनों बाद ही बंद पड़ गईं। कई जगह मोटर खराब हो गई, कहीं पाइप फट गए, तो कहीं टंकी में पानी ही नहीं पहुंच पाया। सबसे दुखद बात यह है कि योजना बंद होने के बाद विभाग की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जाती। मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है और कुछ दिनों बाद स्थिति फिर जस की तस हो जाती है।इन योजनाओं की विफलता का सबसे बड़ा कारण बिना तकनीकी जांच और बिना सामाजिक अंकेक्षण के कार्यों का पूरा होना है। योजनाएं कागजों पर तो शानदार दिखाई देती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। विभाग योजना बना देता है, ठेकेदार काम पूरा दिखा देता है और भुगतान भी हो जाता है। इसके बाद विभाग अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाता है। जनता को पानी मिल रहा है या नहीं, इसका जायजा लेने की जरूरत शायद किसी को महसूस नहीं होती।सबसे गंभीर सवाल जवाबदेही को लेकर है।

जब करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी लोगों को पानी नहीं मिल रहा, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या कोई अधिकारी यह स्वीकार करेगा कि जलश्रोत चयन में गलती हुई? क्या कोई जनप्रतिनिधि जनता के बीच आकर यह बताएगा कि योजना क्यों विफल हुई? क्या कोई ठेकेदार घटिया निर्माण की जिम्मेदारी लेगा? शायद नहीं। क्योंकि यहां व्यवस्था ऐसी बन चुकी है जहां जनता की समस्याओं से ज्यादा महत्व फाइलों और भुगतान को दिया जाता है।आज भी पालकोट की बड़ी आबादी निर्झर, चापानल और पुराने जलस्त्रोतों के भरोसे अपनी प्यास बुझाने को मजबूर है। महिलाएं और बच्चे सुबह-शाम पानी के लिए भटकते नजर आते हैं। कई गांवों में लोग दूर-दूर से पानी ढोने को विवश हैं। गर्मी बढ़ते ही स्थिति और भयावह हो जाती है।लेकिन विभागीय कार्यालयों में सबकुछ सामान्य दिखाई देता है। कागजों में योजनाएं सफल हैं, जबकि जमीनी स्तर पर जनता त्राहिमाम कर रही है।

विडंबना यह है कि हर साल नई योजनाओं की घोषणा होती है, नए टेंडर निकलते हैं और नए निर्माण कार्य शुरू होते हैं।लेकिन पुरानी योजनाओं की विफलता पर कभी गंभीर समीक्षा नहीं होती। अगर सामाजिक अंकेक्षण ईमानदारी से किया जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। यह जानना जरूरी है कि आखिर एक साल के भीतर योजनाएं बंद क्यों हो जाती हैं? क्या निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान रखा गया? क्या तकनीकी मानकों का पालन हुआ? क्या जलस्त्रोतों की वैज्ञानिक जांच हुई? यदि नहीं, तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती?जनता के मन में अब यह धारणा बनती जा रही है कि योजनाएं सिर्फ कमीशन और भुगतान का माध्यम बनकर रह गई हैं।अधिकारी, जनप्रतिनिधि, ठेकेदार और बिचौलिए मिलकर योजनाओं का लाभ उठा लेते हैं, जबकि आम जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करती रहती है। यही कारण है कि लोगों का भरोसा सरकारी योजनाओं से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है।जरूरत इस बात की है कि पालकोट में पेयजल योजनाओं की उच्चस्तरीय जांच हो। जिन योजनाओं में अनियमितता हुई है, उनकी जवाबदेही तय की जाए। जलमीनारों और पाइपलाइन की तकनीकी जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर कार्रवाई हो। साथ ही सामाजिक अंकेक्षण को अनिवार्य बनाया जाए ताकि जनता स्वयं योजनाओं की निगरानी कर सके।पानी कोई विलासिता नहीं बल्कि लोगों का मौलिक अधिकार है। यदि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रही है, तो यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। अब समय आ गया है कि पालकोट की जनता सिर्फ आश्वासन नहीं बल्कि जवाब मांगे। क्योंकि सवाल सिर्फ जलमीनारों का नहीं, बल्कि लोगों के जीवन और उनके अधिकार का है।

ईद-उल-अजहा पर बालूमाथ में दिखी भाईचारे की मिसाल, मस्जिदों में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ। ईद-उल-अजहा बकरीद का पर्व गुरुवार को बालूमाथ प्रखंड सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक आस्था, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण के बीच मनाया गया। सुबह होते ही ईदगाहों और मस्जिदों में अकीदतमंदों की भीड़ जुटने लगी। लोगों ने नए परिधानों में पहुंचकर अल्लाह की इबादत की और अमन-चैन, खुशहाली तथा देश की तरक्की की दुआ मांगी।

बालूमाथ ईदगाह में सुबह 6:30 बजे ईद की विशेष नमाज अदा की गई, जबकि जामा मस्जिद में सुबह 7:15 बजे नमाज हुई। इसके अलावा मुरपा, भैसादोन, मासियातु, मकईयाटांड़, चितरपुर, शेरगड़ा और करमाही समेत विभिन्न गांवों की मस्जिदों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। मौलाना मजहर ने अपने तकरीर में कहा कि ईद-उल-अजहा त्याग, समर्पण और इंसानियत का संदेश देने वाला पर्व है। उन्होंने कहा कि हजरत इब्राहिम की कुबार्नी हमें यह सीख देती है कि इंसान को सच्चाई और ईश्वर की राह में हर त्याग के लिए तैयार रहना चाहिए। साथ ही जरूरतमंदों की मदद करना और समाज में प्रेम व भाईचारा बनाए रखना ही इस पर्व की असली भावना है।

पर्व को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी तथा अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही थी। नमाज के बाद लोगों ने पारंपरिक तरीके से कुबार्नी की रस्म अदा की और घरों में दावतों का दौर चला।

मिहिजाम में सौहार्द के साथ मनी बकरीदः मस्जिदों में अदा की नमाज, हिंदू-मुस्लिम ने दी मुबारकबाद

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिहिजाम

मिहिजाम में गुरुवार को बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण माहौल और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हुआ। सुबह होते ही ईदगाह और शहर की तमाम मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। ईदगाह के बाहर का नजारा बेहद खास रहा, जहां सामाजिक कार्यकताओं की ओर से रोजेदारों और नमाजियों के लिए शरबत का इंतजाम किया गया था। तपती गर्मी में ठंडा शरबत पीकर लोगों ने राहत महसूस की और आयोजकों का शुक्रिया अदा किया। पर्व को लेकर मिहिजाम पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। ईदगाह, मस्जिदों और संवेदनशील जगहों पर पुलिस बल तैनात रहा। थाना प्रभारी प्रदीप राणा खुद व्यवस्था की निगरानी करते दिखे। पूरे इलाके में पुलिस गश्त जारी रही, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस मौके पर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल भी देखने को मिली। हिंदू समुदाय के लोगों ने भी आगे बढ़कर मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर बकरीद की शुभकामनाएं दीं। दोनों समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर भाईचारे का संदेश दिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि मिहिजाम हमेशा से आपसी सौहार्द और एकता के लिए जाना जाता है। यहां हर त्योहार मिलजुल कर मनाया जाता है। प्रशासन और समाज के सहयोग से इस बार भी बकरीद का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। नमाज के बाद लोगों ने देश में अमन-चैन और तरक्की की दुआएं मांगी।

बोकारो एयरपोर्ट को लेकर कुमार अमित ने केन्द्रीय मंत्री संजय सेठ को सौंपा ज्ञापन

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो दौरे पर आए केन्द्रीय राज्य रक्षा मंत्री श्री संजय सेठ से भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने पार्टी जिला अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र राज के साथ यहां के नवनिर्मित एयरपोर्ट से यात्री विमानों के परिचालन प्रारंभ करने की मांग की। इस लेकर भाजपा नेताओं ने केन्द्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपा। मौके पर केंद्रीय मंत्री श्री संजय सेठ में एयरपोर्ट ऑथरिटी के सम्बंधित अधिकारियों से फोन पर बात कर इस एयरपोर्ट के अब तक के प्रगति की जानकारी ली एवं इनलोगों को यहां से व्यवसायिक उड़ानों को शीघ्र प्रारंभ करने को लेक आवश्यक निर्देश दिया। इसके अलावे कुमार अमित न बोकारो स्टील प्रबंधन के खाली पड़े भवनो में लघु एवं सूक्ष्म स्तर के रक्षा उपकरणों के उत्पादन प्रारम्भ करने उसके सदुपयोग करने की भी मांग की। इस पर केन्द्रीय मंत्री ने राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाकर पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संजय सिन्ह, विक्रम पांडे, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह, जिला मंत्री मनोज ठाकुर, भाजयुमो ज़िलाध्यक्ष विनोद महतो, एस सी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता राकेश राम, मुकेश राय, प्रकाश कुमार, मंतोष यादव, धनराज चौधरी, लालबाबू, चन्द्रप्रकाश आदि भी उपस्थित रहे।

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर डीसी - एसपी रहे क्षेत्र में भ्रमणशील

रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना गुरुवार को दिनभर विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमणशील रहे। इस दौरान उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों से विधि व्यवस्था संधारण की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

भ्रमण के क्रम में डीसीझएसपी ने बेरमो स्थित मीनी कंट्रोल रूम का जायजा लिया। वहां प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह बीडीओ बेरमो मुकेश कुमार से क्षेत्र की वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली की समीक्षा की।मौके पर उपस्थित अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ एवं जरीडीह अंचल अधिकारी प्रणव राज से भी पर्व को लेकर क्षेत्र की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों ने क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु किए गए प्रबंधों की जानकारी दी।इस दौरान डीसीझएसपी ने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से संवाद किया तथा आपसी भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने को लेकर पूरी तरह सजग एवं प्रतिबद्ध है। सभी संवेदनशील स्थलों पर प्रशासन की सतत निगरानी रखी जा रही है।

त्याग, समर्पण और भाईचारे के संदेश के साथ जिलेभर में मनायी गयी बकरीद

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा जिले भर में गुरुवार को ईद-उल-अजहा यानी बकरीद का पर्व धार्मिक उत्साह, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। त्याग और समर्पण के प्रतीक इस पर्व पर मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ईदगाहों एवं मस्जिदों में पहुंचकर अकीदत के साथ नमाज अदा की तथा देश-दुनिया में अमन, शांति और खुशहाली के लिए दुआएं मांगीं।नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी।वही जामताड़ा शहर के न्यू टाउन स्थित ईदगाह, पाकडीह, सरखेलडीह, मियांडीह, बुधुडीह, नाड़ाडीह, बेवा, धनबाद, चिरूनबांध, शहरपुरा, मोहड़ा, पोसोई समेत जिले के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग नए-नए कपड़े पहनकर ईदगाहों में पहुंचे और पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ बकरीद की नमाज अदा की। पर्व को लेकर बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखा गया। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मुबारकबाद दी और विभिन्न प्रकार के पकवानों का आनंद लिया। घर-घर में सेवइयां, मिठाइयां और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाए गए। सभी समुदायों के लोगों ने मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर बकरीद की शुभकामनाएं दीं, जिससे सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल देखने को मिली।पाकडीह एवं सरखेलडीह ईदगाह में नमाज के दौरान इमाम मौलाना अख्तर रजा ने कहा कि ईद-उल-अजहा बलिदान, त्याग और संयम का पर्व है। इस्लामी कैलेंडर के अंतिम माह जिलहिज्जा की दसवीं तारीख को यह पर्व मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि कुबार्नी आत्मा को शुद्ध करने का एक उत्तम माध्यम है और इसमें दिखावे की भावना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म इंसानियत, शांति और भाईचारे का संदेश देता है। लोगों को आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद नजर आया। जिले के सभी प्रमुख ईदगाहों में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। जामताड़ा एसपी शंभू कुमार सिंह ने स्वयं शहर के विभिन्न इलाकों का भ्रमण कर विधि व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान वे न्यू टाउन स्थित ईदगाह पहुंचे और नमाज अदा कर रहे लोगों से मिलकर बकरीद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील की। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वसीम राजा, थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

सिंदरी यार्ड हादसा: तीन दौर की विफल वार्ता के बाद 17 लाख मुआवजे पर बनी सहमति, 24 घंटे बाद हटा गतिरोध

शव का हुआ दाह-संस्कार

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: सिंदरी के मार्शलिंग यार्ड में मैकेनिक अशोक रवानी की मौत के बाद पिछले 24 घंटे से चल रहा भारी गतिरोध आखिरकार समाप्त हो गया है। प्रशासन, कंपनी प्रबंधन और पक्ष-विपक्ष के नेताओं के बीच तीन दौर की मैराथन वार्ता विफल होने के बाद, अंतिम दौर की त्रिपक्षीय बैठक में 17 लाख रुपये मुआवजे पर सहमति बनी। इसके बाद परिजनों ने शव को अपनी कस्टडी में लिया और नम आंखों से मृतक का दाह-संस्कार किया गया।

13 लाख बनाम 40 लाख की मांग पर फंसा था पेंच

इससे पहले, मामले को सुलझाने के लिए स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी में कंपनी प्रबंधन, परिजनों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच तीन बार मैराथन बैठकें हुईं, जो पूरी तरह बेनतीजा रहीं। कंपनी प्रबंधन अधिकतम 13 लाख रुपये का मुआवजा देने पर अड़ा था, जबकि पीड़ित परिवार और धरने पर बैठे नेता कम से कम 40 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। नेताओं का साफ कहना था कि यह केवल मुआवजे का खेल नहीं, बल्कि मृतक के दो नाबालिग बच्चों के भविष्य और उनकी पत्नी की पूरी जिंदगी का सवाल है। भारी जनाक्रोश को देखते हुए अंततः समझौता वार्ता 17 लाख रुपये पर तय हुई।खराब पेलोडर की मरम्मत के दौरान हुआ था हादसा

बलियापुर के खास परघा निवासी मैकेनिक अशोक रवानी की मौत मार्शलिंग यार्ड रेलवे साइडिंग (संवेदकः भगवती ट्रांसपोर्ट) में खराब पेलोडर की मरम्मत के दौरान अचानक उसका बोकेट गिरने से हो गई थी। कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी और लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। मृतक अपने पीछे पत्नी गुड़िया देवी और दो बेटों पीयूष (15 वर्ष) व आयुष (12 वर्ष) को छोड़ गए हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।लापरवाह कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने की उठी मांग,इस हादसे को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। विधायक चंद्रदेव महतो ने इस लापरवाह कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने का प्रस्ताव झारखंड विधानसभा (सदन) में उठाने की बात कही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यहाँ बिना किसी नियम-कानून और पहचान पत्र (आई-कार्ड) के मजदूरों से मनमर्जी से काम कराया जा रहा है। वहीं, भाजपा जिला अध्यक्ष मोहन कुंभकार और पूर्व विधायक पत्नी तारा देवी ने भी चेतावनी दी थी कि कंपनियों की ऐसी मनमानी और जिला प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ सड़क से सदन तक आर-पार की जंग लड़ी जाएगी। आंदोलन में जेएमएम नेता रानू मंडल और भाजपा के जगदीश रवानी भी परिजनों के साथ धरना स्थल पर मजबूती से डटे रहे।सुरक्षा को लेकर कैंप करती रही पुलिस

तनावपूर्ण स्थिति और जनाक्रोश को देखते हुए मार्शलिंग यार्ड में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। मौके पर मुख्य रूप से बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार और गौशाला ओपी प्रभारी शंभू नाथ सिंह अपनी टीम के साथ लगातार कैंप करते रहे। पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कर गतिरोध को समाप्त कराने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सार्वजनिक गैरमजरुआ झंडा मैदान अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर ग्रामीणों ने सीओ से किया लिखित शिकायत

बिरनी/गिरिडीह/संवाददाता
श्याम मोदी

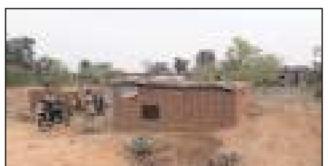

प्रखंड के ग्राम पंचायत पड़रिया के ग्रामीणों ने सार्वजनिक गैरमजरुआ झंडा मैदान अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर सीओ संदीप मद्धेशिया को आवेदन देकर लिखित शिकायत की है । ग्रामीणों ने आवेदन में लिखा है कि खाता संख्या 45,प्लॉट संख्या 80 एवं रकबा 25 एकड़ 80 डिसमिल के मध्ये लगभग 3 एकड़ है । जिसका चौहदी उत्तर गैरमजरुआ, प्लॉट संख्या 66,दक्षिण परती कदीम,प्लॉट संख्या 80,पूरब सर्वे रोड एवं पश्चिम परती कदीम है । जो हमारे पूर्वजों द्वारा तीन गांवों पड़रिया,मुरैना एवं रुपायडीह के ग्रामीणों द्वारा रामनवमी झंडा मैदान (अखाड़ा) के रूप में वर्षों से उपयोग करते आ रहे हैं । उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि गाँव के ही भू-माफिया लोकनाथ महतो पिता बढ़न महतो,रामरतन यादव पिता लोकनाथ महतो के द्वारा उक्त जमीन को अतिक्रमण कर लिया है । जिससे पूरे ग्रामीणों को रामनवमी अखाड़ा में मिलन के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा उक्त भू-माफिया के डर से ग्रामीणों में दहशत है जिससे कभी भी कोई अप्रिय घटना होने की संभावना बनी हुई है । उन्होंने बताया कि उक्त जमीन को दूसरे गांव के लोगों के साथ बेच दिया है ।

क्या कहते हैं सीओ :- सीओ संदीप मद्धेशिया ने कहा उक्त नामित व्यक्तियों को नोटिस भेजा गया है तथा सभी को जमीन से संबंधित कागजात लेकर बुलाया गया है । जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी ।

छतरपुर में अकीदत और भाईचारे के साथ मनाई गई ईद-उल-अजहा

रफ्तार मीडिया संवाददाता छतरपुर (पलामू): इस्लाम धर्मावलंबियों का प्रमुख पर्व ईद-उल-अजहा (बकरीद) छतरपुर मुख्यालय सहित पूरे प्रखंड क्षेत्र में अकीदत, भाईचारे और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। पर्व को लेकर जामा मस्जिद खाटीन समेत मंदेया खान मुहल्ला, अंसारी मुहल्ला, अर्जुनडीह, मुनकेरी, चेगौना, बचकोमा एवं कारीमाठी की मस्जिदों में तय समय पर ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई।

जामा मस्जिद के इमाम नुमान अख्तर ने कहा कि ईद-उल-अजहा हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की कुबार्नी, त्याग और अल्लाह के प्रति समर्पण की याद में मनाया जाता है। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के लोगों ने कुबार्नी अदा की और मुल्क की खुशहाली, अमन-चैन, भाईचारे तथा तरक्की के लिए विशेष दुआ मांगी।

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी तथा आपसी गिले-शिकवे भुलाकर भाईचारे का संदेश दिया।

वहीं पर्व को लेकर छतरपुर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आया। विभिन्न मस्जिदों एवं संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

रेल यात्रा के किस्से बनेंगे इनाम: 31 जुलाई तक भेजें हिंदी में वृत्तांत

रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

भारतीय रेल यात्राओं के अनुभवों को साहित्यिक पहचान देने के लिए रेल मंत्रालय ने रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना 2026 की घोषणा की है। इस प्रतियोगिता में देशभर के नागरिक हिंदी में अपने यादगार रेल सफर के अनुभव भेजकर नकद पुरस्कार जीत सकते हैं। योजना के तहत प्रथम पुरस्कार 10 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 8 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार 5 हजार रुपये का है। इसके अलावा पांच प्रतिभागियों को प्रेरणा पुरस्कार के रूप में 4-4 हजार रुपये दिए जाएंगे। चयनित रचनाओं का प्रकाशन रेलवे बोर्ड करेगा और उनका प्रतिलिप्याधिकार बोर्ड के पास सुरक्षित रहेगा। वृत्तांत पूरी तरह हिंदी में, मौलिक और स्वरचित होना चाहिए। शब्द सीमा 3000 से 3500 शब्द है।

100 साल पुरानी रोहिणी मनसा पूजा में जुटे श्रद्धालु, सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची बाजार स्थित केवट टोला के सार्वजनिक मनसा मंदिर में रोहिणी मनसा पूजा इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाई गई। पूजा को लेकर पूरे इलाके में भक्तिमय माहौल बना रहा। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

ग्रामीण कौड़ी राम धिबर ने बताया कि केवट टोला में यह रोहिणी मनसा पूजा पिछले लगभग 100 वर्षों से लगातार आयोजित होती आ रही है। यह पूजा क्षेत्र की पुरानी परंपराओं और लोगों की आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष गांव के लोग एकजुट होकर पूजा का आयोजन करते हैं और मां मनसा से परिवार तथा समाज की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना करते हैं।

उन्होंने बताया कि मनसा पूजा तीन दिनों तक अलग-अलग विधि-विधान के साथ संपन्न कराई जाती है। पहले दिन संजोत कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, दूसरे दिन श्रद्धालु उपवास रखकर विशेष पूजा-अर्चना करते हैं तथा तीसरे दिन मुख्य पूजा एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होता है। पूजा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा मां मनसा की आराधना कर सुख, शांति और अच्छी फसल की प्रार्थना की गई।

पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय कलाकारों एवं युवाओं ने भाग लेकर लोगों का मनोरंजन किया। देर रात तक चले सांस्कृतिक कार्यक्रम में भक्ति गीतों और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गांव के बुजुर्गों से लेकर युवा और बच्चे तक कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक शामिल हुए।पूरे आयोजन को सफल बनाने में गांव के युवाओं एवं समिति के सदस्यों की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में सुशील धिबर, आनंद धिबर, प्रियाग धिबर, मधु धिबर, छोटू धिबर, पोरेश धिबर, सुभाष धिबर, कृष्णा धिबर, त्रितनाथ धिबर, मनु धिबर सहित कई ग्रामीण सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

रोहिणी मनसा पूजा को लेकर पूरे केवट टोला एवं आसपास के क्षेत्रों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने मां मनसा के जयकारों के साथ पूजा में भाग लिया और पारंपरिक संस्कृति को जीवंत बनाए रखने का संदेश दिया।

जामताड़ा में दर्दनाक सड़क हादसा, डंफर की चपेट में आने से युवक की मौत

चौकीदार के बेटे की मौत से भड़के लोगों ने किया सड़क जाम, प्रशासन ने समझा-बुझाकर कराया शांत

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा।

जामताड़ा-दुमका मुख्य मार्ग पर गुरुवार दोपहर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।मृतक की पहचान जामताड़ा थाना क्षेत्र के तिलाबाद गांव निवासी तथा स्थानीय चौकीदार के पुत्र रोनित राय के रूप में हुई है। घटना में दो अन्य लोगों के घायल होने की भी सूचना है।जानकारी के अनुसार, यह हादसा शहर के रानी सती दादी मंदिर के समीप इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के गेट पर दोपहर करीब 12 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि एक तेज रफ्तार डंफर पेट्रोल पंप में तेल भराने के लिए मुड़ रहा था। इसी18 दौरान वहां से गुजर रही स्कूटी डंफर की चपेट में आ गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि

स्कूटी सवार रोनित राय गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे से नाराज आक्रोशित लोगों ने जामताड़ा-दुमका मुख्य मार्ग को जाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।ग्रामीणों का आरोप था कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। लोगों ने मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। मौके पर मौजूद लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि पेट्रोल पंप का निर्माण गलत तरीके से किया गया है, जिससे वाहनों के प्रवेश और निकास में काफी परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। घटना की सूचना मिलते ही जामताड़ा एसडीओ अनंत कुमार, एसडीपीओ वसीम राजा, अंचल अधिकारी अविश्वर मुर्मू तथा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर सड़क जाम हटवाया। प्रशासन की पहल पर ट्रांसपोर्टर की ओर से अंतिम संस्कार के लिए 80 हजार रुपये की सहायता राशि दी गई, वहीं सरकारी लाभ दिलाने का भी आश्वासन दिया।

बिरनी: शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया ईद उल अजहा का त्योहार, प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

बिरनी/गिरिडीह:

बिरनी प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में गुरुवार को ईद उल अजहा (बकरीद) का पर्व पूरे धार्मिक आस्था, उल्लास एवं भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। पर्व को लेकर सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

प्रखंड के चिरुडीह, गुड़ीटांड़, बलिया, कपिलो, बलगो, खेदवारा, मनकडीह, कुबरी, डबरी, पेशम, झरखी, लेवरा, कुशमई, कोंडराटांड़ समेत अन्य ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों एवं ईदगाहों में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। निर्धारित समय पर हजारों की संख्या में लोगों ने ईदगाहों एवं मस्जिदों में पहुंचकर ईद उल अजहा की विशेष नमाज अदा की। नमाज के दौरान लोगों ने देश एवं समाज में अमन-चैन, खुशहाली, तरक्की और आपसी भाईचारे की दुआ मांगी। इमामों ने अपने संबोधन में ईद उल अजहा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए त्याग, बलिदान और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द एवं जरूरतमंदों की मदद करने की प्रेरणा देता है। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों एवं युवाओं में भी त्योहार को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। नए कपड़ों में सजे बच्चे गांव की गलियों एवं ईदगाहों में खुशियां मनाते नजर आए। कई घरों में विशेष पकवान बनाए गए तथा रिश्तेदारों एवं परिचितों के बीच मिठाइयों का आदान-प्रदान किया गया। इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने धार्मिक परंपरा एवं मान्यताओं के अनुसार बकरों की कुबार्नी दी। कुबार्नी के दौरान धार्मिक रीति-रिवाजों का विशेष ध्यान रखा गया। पूरे दिन गांवों एवं बाजारों में चहल-पहल का माहौल बना रहा। ईद उल अजहा के अवसर पर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद नजर आया। बिरनी अंचलाधिकारी संदीप कुमार मद्धेशिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी फणीश्वर रजवार, बिरनी थाना प्रभारी आकाश भारद्वाज तथा भरकट्टा ओपी प्रभारी ओमप्रकाश पांडेय पुलिस बल के साथ लगातार क्षेत्र में विधि-व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे। प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

प्रशासन की सक्रियता के कारण पूरे प्रखंड में कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। अधिकारियों ने बताया कि त्योहार के दौरान असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी गई थी ताकि कोई भी व्यक्ति माहौल बिगाड़ने की कोशिश न कर सके।

पूरे बिरनी प्रखंड में ईद उल अजहा का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम, सौहार्द एवं शांति के संदेश के साथ हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।

चांन्हो एवं मांडर के ईदगाहो एवं मस्जिदों मे में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई

मांडर। मांडर एवं चांन्हो प्रखंड के मस्जिदों एवं ईदगाहो में गुरुवार को ईद-उल-अजहा की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। नमाज की अदायगी के बाद लोगों ने मुल्क में अमन, चैन, सुकून, तरक्की और भाईचारे के लिए दुआ मांगी।

इस मौके पर बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। ईद-उल-अजहा के पाक पर्व पर लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। उलेमाओं ने अपने बयान में कहा कि ईद-उल-अजहा कुबार्नी, इंसानियत और आपसी भाईचारे का संदेश देता है।

वहीं पर्व को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया। ईदगाह परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

नमाज के बाद ईदगाह परिसर में लोगों के बीच सौहार्द और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

हाईटेक दावों के बीच 'हाफ' रही खलारी पुलिस: जर्जर गाड़ी के भरोसे कोयलांचल की सुरक्षा, अपराधियों को कैसे पकड़ेंगे खाकीधारी?

रफ्तार मीडिया संवाददाता

खलारी : झारखंड सरकार एक तरफ पुलिस व्यवस्था को आधुनिक बनाने, हाईटेक संसाधन जुटाने और अपराध नियंत्रण को मजबूत करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है। करोड़ों रुपये खर्च कर चमचमाती नई पेट्रोलिंग वाहनों को हरी झंडी दिखाई जा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल जुदा है। रांची जिले का संवेदनशील माना जाने वाला खलारी थाना आज भी एक ऐसी जर्जर गाड़ी के सहारे चल रहा है, जिसे देखकर आम लोग भी हैरान हैं।थाने की यह पुरानी और बदहाल गाड़ी अब पूरे इलाके में चर्चा और कौतूहल का विषय बन चुकी है। स्थानीय लोग चुटकी लेते हुए कहते हैं कि जिस वाहन को देखकर लगता हो कि वह खुद किसी तरह धक्के के भरोसे चल रही है, उससे पुलिस अपराधियों का पीछा कैसे करेगी

संवेदनशील कोयलांचल में संसाधनों का टोटा

खलारी और आस-पास का इलाका कोयलांचल क्षेत्र होने के कारण हमेशा से बेहद संवेदनशील माना जाता रहा है। इस क्षेत्र में चोरी, अवैध कारोबार, कोयला तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रहती हैं। ऐसे संवेदनशील और बड़े भौगोलिक क्षेत्र वाले थाने को अब तक आधुनिक वाहन और पर्याप्त संसाधन नहीं मिल पाना, पुलिस मुख्यालय की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

अपराधी 'हाईस्पीड' और पुलिस 'पुरानी रीती' पर

इस बदहाली को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि आज के दौर में अपराधी हाईस्पीड बाइक, आधुनिक हथियारों और हाईटेक तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि हमारी पुलिस आज भी उन्हीं पुराने और खटारा संसाधनों में उलझी हुई है। ऐसे में अपराध नियंत्रण की बात करना सिर्फ कागजी दावा और हवाई बातें लगती हैं।"

जनता ने दागे गंभीर सवाल, नई गाड़ी की मांग

क्षेत्रवासियों ने सीधे तौर पर प्रशासन और सरकार को घेरते हुए सवाल उठाया है कि जब पूरे राज्य में नए पेट्रोलिंग वाहनों का बेड़ा उतारा जा रहा है, तो आखिर खलारी थाना के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों क्या ग्रामीण और कोयलांचल क्षेत्रों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं हैस्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और व्यवसायियों ने जिला प्रशासन और पुलिस मुख्यालय से मांग की है कि खलारी थाना को बिना किसी देरी के तुरंत नई और आधुनिक पेट्रोलिंग गाड़ी उपलब्ध कराई जाए, ताकि पुलिस मुस्तैदी से गश्त कर सके और आम जनता में सुरक्षा का भरोसा कायम रह सके।अब देखने वाली बात यह होगी कि इस खबर के बाद रेस होने वाला जिला प्रशासन इस गंभीर मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेता है, या फिर खलारी थाना की पुलिस यूं ही भगवान भरोसे इस जर्जर व्यवस्था को ढोने के लिए मजबूर रहेगी।

बकरीद पर्व को लेकर गया पुलिस अलर्ट,सुरक्षा के कड़े इंतजाम

गयाजी/रफ्तार मीडिया/संवाददाता

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराने को लेकर गयाजी पुलिस पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय नजर आई। पर्व के दौरान जिले के सभी संवेदनशील एवं प्रमुख स्थलों पर विशेष निगरानी रखी गई।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, दंडाधिकारी एवं गश्ती दल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके साथ ही सभी थाना क्षेत्रों में लगातार सघन गश्ती अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना पर तत्काल नियंत्रण पाया जा सके। गयाजी पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे बकरीद पर्व को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के वातावरण में मनाएं। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा सूचना की जानकारी तुरंत स्थानीय पुलिस को दें। जिला पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस पूरी तरह मुस्तैद एवं प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री के सख्त आदेश के बाद भी नहीं थमी रेत तस्करी: 7 टन ओवरलोड रेत के साथ डंपर जब्त

रफ्तार मीडिया संवाददाता
सालानपुर

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सख्त निदेशों के बावजूद अवैध रेत तस्करी का खेल बदस्तूर जारी है। कल्याणेश्वरी चौकी पुलिस ने 7 टन ओवरलोड रेत ले जा रहे 10 पहिया डंपर को जब्त कर ड्राइवर राम शंकर यादव को गिरफ्तार किया है। बुधवार को कल्याणेश्वरी-डेंडुआ रोड पर पुलिस ने संदिग्ध डंपर को रोककर जांच की। कागजों में 25 टन रेत दर्ज थी, लेकिन कांटे पर तौलने पर 32 टन रेत मिली। यानी 7 टन अवैध रेत ले जाई जा रही थी। कंसाइनमेंट की वैधता 26 मई सुबह 11:56 बजे तक थी, जबकि डंपर 27 मई को पकड़ा गया। पुलिस के मुताबिक डंपर बाराबनी के डोमहानी घाट से माना दा नामक व्यक्ति के नाम पर लोड हुआ था। वैध कागजात न दिखा पाने पर डंपर जब्त कर लिया गया। आरोपी ड्राइवर को गुरुवार को आसनसोल कोर्ट भेजा गया। सवाल उठ रहा है कि मुख्यमंत्री के सख्त आदेश के बाद भी ओवरलोडिंग और तस्करी कैसे हो रही है। माना दा कौन है और इस गिरोह की जड़ें कहां तक फैली हैं, पुलिस इसकी गहन जांच में जुटी है।

तोपचांची प्रखंड सभागार में बाहा जोआक संस्कार कार्यक्रम का आयोजन

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांची: जिला समाज कल्याण कार्यालय, धनबाद की ओर से गुरुवार को तोपचांची प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में बाहा-जोआक संस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करना तथा सेनेटरी पैड के सुरक्षित उपयोग की जानकारी देना था। कार्यक्रम का उद्घाटन टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो और प्रखंड प्रमुख आनंद महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, संक्रमण से बचाव और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी गई। साथ ही तीन बच्चियों को सेनेटरी पैड का हैम्पर भी वितरित किया गया।

मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, लेकिन आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में इसे लेकर झिझक और भ्रांतियां बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ाने और महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने कहा कि किशोरियों और महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सही जानकारी के अभाव में कई महिलाएं स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करती हैं, इसलिए जागरूकता अभियान चलाना आवश्यक है।

प्रखंड प्रमुख आनंद महतो ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा तभी स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में तोपचांची अंचलाधिकारी नीलू टुडू, सीडीपीओ ममता साह, डॉक्टर संध्या शुक्ला, अमर राठौर, विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौथीं, कनक कांति मेहता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं किशोरियां उपस्थित थीं।

भेलाडंगल में ग्राम सभा का आयोजनः समस्याओं के समाधान के लिए बनी कार्ययोजना

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिहिजाम

मिहिजाम थाना क्षेत्र के बेवा पंचायत स्थित चाक करनकानाली गांव, भेलाडंगल में मांजी हड़ाम रितेश हेम्ब्रम के नेतृत्व में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, युवक-युवतियां और बुजुर्ग शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मांजी हड़ाम रितेश हेम्ब्रम ने कहा कि ग्राम सभा लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी है, जहां ग्रामीण अपनी समस्याएं सीधे रखकर समाधान की दिशा तय करते हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना अपनी प्राथमिकता बताया। ग्राम सभा में आधार कार्ड से मोबाइल नंबर लिंक कराने, राशन कार्ड ई-केवाईसी, जॉब कार्ड, पेंशन और आवास योजना से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से उठाई गईं। ग्रामीणों ने गांव में नियमित सहायता शिविर लगाने की मांग की ताकि उन्हें बार-बार ब्लॉक या प्रखंड कार्यालय न जाना पड़े। ग्रामीणों की मांग पर मांजी हड़ाम ने आश्वासन दिया कि हर महीने गांव में सहायता केंद्र लगाया जाएगा। इस केंद्र में राशन कार्ड सुधार, ई-केवाईसी, आधार लिंक और मइया सम्मान योजना से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया जाएगा। कार्यक्रम में ओंकार सेवा संस्थान के सचिव श्याम सुंदर हाजरा समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे योजनाओं का लाभ सीधे गांव तक पहुंचेगा।

तुड़का गांव में युवक की संदिग्ध मौत से सनसनी पलाश के पेड़ से लटका मिला शव, इलाके में फैली दहशत

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा

जामताड़ा जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वामनडीहा पंचायत के तुड़का गांव में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। गांव के पास जोड़िया स्थित एक पलाश के पेड़ से 21 वर्षीय युवक का शव लटका मिलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान वासुदेव हेंब्रम के रूप में हुई है, जो इलेक्शन हेंब्रम का पुत्र बताया जा रहा है। वहीं युवक चार दिन पहले ही मजदूरी कर घर लौटा था। जानकारी के अनुसार सुबह जब ग्रामीण खेत और जंगल की ओर जा रहे थे, तभी उनकी नजर पेड़ से लटक रहे युवक पर पड़ी। यह दृश्य देखते ही लोगों के होश उड़ गए। कुछ ही देर में मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना तत्काल फतेहपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और शव को पेड़ से नीचे उतारकर कब्जे में लिया। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल जामताड़ा भेज दिया। थाना प्रभारी अमर सिंह तापेए ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन इसे संदिग्ध मानते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है। घटना के बाद मृतक के गाँव में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कुमारधुबी में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई 100 वर्ष पुरानी बाबा धर्मराज (भागता) पूजा

कुमारधुबी-एगारकुंड प्रखंड अंतर्गत गाड़ीखाना में दो दिवसीय बाबा धर्मराज पूजा, जिसे भागता पूजा के नाम से भी जाना जाता है, गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हो गई। पूजा को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

आपको बता दें कि बाबा धर्मराज की पूजा में सैकड़ों श्रद्धालु निर्जला व्रत रखकर शामिल होते हैं। भक्त दो दिनों तक मंदिर परिसर में ही रहकर मुख्य पुजारी का सहयोग करते हैं और पूरी श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ पूजा-अर्चना करते हैं।

पूजा का शुभारंभ बुधवार की शाम करीब चार बजे हुआ। पूजा के दौरान सभी श्रद्धालु जोगरात स्थित तालाब पहुंचे, जहां बाबा धर्मराज की विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद बाबा धर्मराज की शिला मूर्ति को मुख्य पुजारी अपने माथे पर उठाकर मंदिर की ओर रवाना हुए।

जैसे-जैसे बाबा धर्मराज की यात्रा मंदिर की ओर बढ़ती गई, वैसे-वैसे श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए उनके पीछे चलते रहे। मुख्य पुजारी के माथे पर विराजमान बाबा धर्मराज की मूर्ति की सुरक्षा के लिए उपवासी भक्त चारों ओर से घेरा बनाकर चल रहे थे। मंदिर पहुंचने के बाद विधि-विधान के साथ बाबा धर्मराज की पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। दूसरे दिन भी भगत एवं मुख्य पुजारी उसी विधि-विधान के साथ बाबा धर्मराज को जोगरात तालाब ले गए, जहां स्नान एवं पूजा-अर्चना के बाद बाबा धर्मराज की शिला मूर्ति को मंदिर के लिए रवाना किया गया।

भीषण गर्मी को देखते हुए रास्ते भर श्रद्धालु पानी की बौछार कर बाबा धर्मराज को लेकर चल रहे भक्तों को राहत पहुंचाते रहे। वहीं मंदिर के समीप पहुंचते ही महिलाओं और बच्चों ने सड़क पर लेटकर बाबा धर्मराज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रद्धालुओं की मान्यता है कि जिनके ऊपर से बाबा धर्मराज की यात्रा गुजरती है, उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उन्हें रोगों से मुक्ति मिलती है।

इस संबंध में आयोजकों ने बताया कि यह पूजा लगभग सौ वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है। यह उनकी पुश्तैनी परंपरा है, जिसे वे हर वर्ष पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ निभाते हैं। आयोजकों ने बताया कि श्रद्धालु तीन दिनों तक निर्जला उपवास रखकर बाबा धर्मराज की पूजा करते हैं।

वहीं पूजा समापन के बाद आज शाम श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से तिनकर बाउरी, विवेक बाउरी, अमित बाउरी, बबन बाउरी, मधुसूदन बाउरी, बिक्की बाउरी, बिक्की माली, शामा गोरई, उत्तम रविदास, सुभाष बाउरी, आनंद बाउरी, नेहाल दास सहित अन्य भगतजनों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

सुजान मुंडा के नेतृत्व में बानो स्टेशन पर ट्रेन ठहराव का आंदोलन स्थगित, डीआरएम ने दिया सकारात्मक आश्वासन

संवाददाताः संजय कुमार

रांची/सिमडेगाः बानो और ओड़गा रेलवे स्टेशन पर महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक प्रत्याशी सुजान मुंडा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और रांची मंडल रेल प्रबंधक के.एल. सिंह से मुलाकात कर क्षेत्र की मांगों को प्रमुखता से रखा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री का साथ देने का आश्वासन

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र के हित को ध्यान में रखते हुए वह इस मुद्दे पर साथ देंगे और आवश्यक ट्रेनों के ठहराव के लिए निश्चित पहल की जाएगी।

बैठक के बाद सुजान मुंडा के नेतृत्व में डीआरएम के.एल. सिंह और रेलवे अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बानो स्टेशन पर मौर्य एक्सप्रेस, जयनगरझ्रराउरकेला एक्सप्रेस सहित अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों के दो मिनट ठहराव की मांग रखी गई। साथ ही स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानियों और सुविधाओं के अभाव की जानकारी भी दी गई। करीब आधे घंटे तक चली वार्ता में प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांगों को विस्तार से रखा। सुनील सिंह सहित क्षेत्र के कई लोग प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।

डीआरएम की ओर से मिला सकारात्मक संकेत

डीआरएम के.एल. सिंह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि बानो स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव के लिए रेलवे प्रशासन लगातार प्रयासरत है। संबंधित प्रस्ताव जोनल कार्यालय और रेलवे बोर्ड को भेजा जा चुका है और इस दिशा में पुनः पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि बानो स्टेशन पर यात्रियों के लिए नई सुविधाओं के विस्तार की योजना पर भी काम चल रहा है।

डीआरएम ने सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि यदि ट्रेनों का ठहराव स्वीकृत होता है तो सभी मिलकर खुशी मनाएंगे।

आंदोलन स्थगित

गौरतलब है कि बानो स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर 19 जून 2026 को रेल चक्का जाम आंदोलन की घोषणा की गई थी। रेलवे प्रशासन से मिले सकारात्मक आश्वासन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय लिया।

प्रतिनिधिमंडल ने डीआरएम को क्षेत्र के सैकड़ों लोगों के हस्ताक्षर वाला आवेदन भी सौंपा। ज्ञापन सौंपने में सुजान मुंडा, सुनील सिंह, बानो मुखिया विश्वनाथ बड़ाइक,

बुकरु साइडिंग में ग्रामीणों का फूटा आक्रोश, ट्रांसपोर्टिंग ठप कर जताया विरोध

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत बुकरु रेलवे कोयला साइडिंग के समीप गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश उस समय फूट पड़ा जब धूल प्रदूषण, बेरोजगारी और मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी से नाराज लोगों ने ट्रांसपोर्टिंग सड़क को जाम कर दिया। सड़क जाम के कारण कोयला ढुलाई का कार्य घंटों प्रभावित रहा और सड़क के दोनों ओर हाईवा एवं ट्रकों की लंबी कतार लग गई।

ग्रामीणों का आरोप था कि रेलवे साइडिंग एवं कोयला ट्रांसपोर्टिंग से क्षेत्र में लगातार प्रदूषण बढ़ रहा है। उड़ते धूलकणों से आसपास के गांवों के लोगों को सांस लेने में परेशानी सहित कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि नियमित पानी छिड़काव नहीं होने से स्थिति और गंभीर हो गई है।प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने सड़क पर स्प्रिंकलर मशीन लगाने, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने, बाहरी कर्मचारियों को हटाने, प्रभावित गांवों में डीप बोरिंग के जरिए पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, स्ट्रीट लाइट लगाने तथा शेरेगारा बाजार में नया शेड निर्माण कराने की मांग उठाई।सड़क जाम की सूचना मिलने के बाद अमरवाड़ीह पिकेट प्रभारी अनिल सिंह एवं सीसीएल अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की। अधिकारियों ने एक सप्ताह के भीतर मांगों पर कार्रवाई शुरू करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त कर सड़क जाम हटाया।

जामताड़ा में दस दिवसीय इंडोर गेम्स समर कैंप सह जिला स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ समापन

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा शहर स्थित राजवाड़ी इंडोर स्टेडियम में जिला इंडोर गेम एंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय समर कैंप सह जिला स्तरीय प्रतियोगिता का रविवार को भव्य समापन हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जामताड़ा अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डी.एन. अकादमी स्कूल के निदेशक प्रदीप कुमार भैया उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने विभिन्न खेलों के प्रतिभावान खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और पदक विजेताओं को मेडल, उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वही बच्चों को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने कहा कि इस प्रकार के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर खिलाड़ियों की छिपी प्रतिभा को निखारने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि नियमित प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं से खिलाड़ी भविष्य में जिला, राज्य, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि जामताड़ा में खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने में संस्था की महत्वपूर्ण भूमिका है और प्रशासन की ओर से भी खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। जिला इंडोर गेम एंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक दुबे ने बताया कि आठ दिवसीय प्रशिक्षण शिविर एवं दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 174 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में ताइक्वांडो, बैडमिंटन, कैरम, गतका, योग, टेबल टेनिस, चेस, आर्म रेसलिंग, एयरगन राइफल शूटिंग तथा चित्रांकन जैसी नौ खेल विधाओं को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य जामताड़ा के खिलाड़ियों को उत्कृष्ट मंच उपलब्ध कराना तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण देकर जिला से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाना है।कार्यक्रम के सफल संचालन में राहुल सिंह, भास्कर चांद, प्रणय सिंह, बजरंग प्रियदर्शनी, विनय सिंह, सूरज कुमार पासवान, सौगत माहता, सौरभ झा, सोमनाथ दत्ता एवं मौसम कुमारी ने अहम भूमिका निभाई।

रोजगार की तलाश बनी कालः गुजरात में धनबाद के मजदूर की मौत, पूर्वी टुंडी के दलदली गांव में पसरा मातम

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद(पूर्वी टुंडी)ःरोजी-रोटी की तलाश में परदेश गए धनबाद के एक और लाल की कार्यस्थल पर हुए हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। घटना गुजरात के भावनगर की है, जहां पूर्वी टुंडी प्रखंड अंतर्गत चुरुरिया पंचायत के दलदली गांव निवासी मनोज मरांडी (30) एक निजी कंपनी में मजदूरी करता था। मौत की खबर सुनते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। पूरे दलदली गांव में चूल्हा तक नहीं जला और हर आंख नम है।इकलौता कमाऊ सदस्य था मनोज, ग्रामीणों ने बताया कि मनोज अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था। उसी के कंधे पर पूरे घर की जिम्मेदारी थी।

उसकी असमय मौत से पत्नी बाहामुनि देवी, बूढ़े माता-पिता और दो मासूम बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।10 लाख रुपये मुआवजे पर बनी सहमति घटना के बाद चुरुरिया पंचायत के मुखिया कन्हाई चार और जेएमएम नेताअभिराम हेमब्रम समेत ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखा गया। स्थानीय स्तर पर हुई वार्ता के बाद गुजरात की संबंधित कंपनी 'राजतिलक इंटरप्राइजेज' पीड़ित परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने पर सहमत हो गई है। वार्ता के दौरान प्रभु हेंब्रम, रुपाई हेंब्रम और शंकर मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित थे।पलायन और दावों पर उठे बड़े सवाल इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर झारखंड से होने वाले भारी पलायन और राज्य सरकार के दावों की पोल खोल कर रख दी है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार के पास संपूर्ण व्यवस्था और संसाधन होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर रोजगार नहीं है। आखिर दो वक्त की रोटी के लिए ग्रामीणों को दूसरे राज्यों का रुख क्यों करना पड़ रहा है?

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।